Postal Regn No./C.G./RYP DN/48/2022-24

website- www.dvpnews.in

रायपुर (छ.ग.) एवं झांसी (उ.प्र.) से एक साथ प्रकाशित राष्ट्रीय हिन्दी पत्र

# दैनिक विश्व परिवार

● अंक : 80 ● वर्ष : 12 ● रायपुर, सोमवार 09 सितंबर 2024 ● पृष्ठ : 08 ● मूल्य : 3 रूपए ● संस्थापक : कीर्तिशेष- श्री कैलाश चन्द्र जैन

**सुविचार**

धर्म कोई भी हो, सभी धर्मों का मूल सिद्धांत यदि है तो दया धर्म ही है।

It may be any religion, if there in any fundamental principle of all the religious, it is the religion of compassion.

आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज

## संक्षिप्त समाचार

### लखनऊ बिल्डिंग हादसा : सीएम योगी ने लोकबंधु अस्पताल में घायलों से की मुलाकात

**लखनऊ (आरएनएस)।** लखनऊ के ट्रांसपोर्ट नगर में एक इमारत ढहने के मामले में अब तक 8 लोगों की मौत और 28 लोगों के घायल होने की खबर है। इस मामले में बिल्डिंग मालिक के खिलाफ केस भी दर्ज कर लिया गया है। इसी बीच, प्रदेश के मुख्यमंत्री ने घायलों से मुलाकात की। रविवार को प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने लोकबंधु अस्पताल पहुंचकर घायलों से मुलाकात की और उनका हालचाल जाना। सीएम योगी ने डॉक्टरों से भी बात की और घायलों के बेहतर इलाज करने के निर्देश दिए। इस दौरान सरोजनी नगर विधायक राजेश्वर सिंह भी मौजूद रहे।

### देखते ही देखते दो हिस्सों में बंट गई मगध एक्सप्रेस

**बक्सर (आरएनएस)।** बिहार में एक रेल हादसा हुआ है जिसमें मगध एक्सप्रेस का काप्लिंग टूटने के कारण ट्रेन दो भागों में बंट गई। यह घटना दानापुर-बक्सर मेन लाइन पर टुड़ीगंज स्टेशन के समीप डाउन मगध एक्सप्रेस के डिब्बों के बीच हुई। काप्लिंग टूटने से एस-7 डिब्बा अलग हो गया और बाकी डिब्बे ट्रैक पर रुक गए, जिससे यात्रियों के बीच अफरातफरी मच गई। हादसा लगभग 11:01 बजे हुआ, जब 20802 डाउन मगध एक्सप्रेस डुमरांव स्टेशन से 10:58 बजे रवाना हुई थी। जैसे ही ट्रेन टुड़ीगंज स्टेशन के पास नुआंव गुमटी के समीप पहुंची, एस-7 डिब्बे का काप्लिंग टूटकर अलग हो गया।

## मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने 'उल्लास साक्षरता अभियान' का किया शुभारंभ

**छत्तीसगढ़ में 10 लाख असाक्षरों को साक्षर बनाने का लक्ष्य**

**रायपुर (विश्व परिवार)।** मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने आज अंतर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस के अवसर पर राजधानी रायपुर के पंडित दीनदयाल उपाध्याय ऑडिटोरियम में आयोजित राज्य स्तरीय उल्लास मेले में एक लाख उल्लास साक्षरता केन्द्र का वर्चुअल शुभारंभ किया। इन साक्षरता केन्द्रों को संचालित करने के लिए शिक्षा विभाग के राज्य साक्षरता मिशन द्वारा एक लाख स्वयं सेवी शिक्षक चयनित किए गए हैं। स्वयं सेवी शिक्षकों का दायित्व अपने-अपने साक्षरता केन्द्र में फिलहाल 10 असाक्षरों को अक्षर ज्ञान से परिचित कराकर साक्षर बनाएंगे। मुख्यमंत्री श्री साय ने इस मौके पर प्रदेशव्यापी उल्लास साक्षरता अभियान का शुभारंभ मां सरस्वती की मूर्ति में माल्यार्पण एवं दीप प्रज्ज्वलित किया। उन्होंने इस अवसर पर अभियान से संबंधित उल्लास पोस्टर, उल्लास गीत, न्यूज़ लेटर और ब्रोसर का भी विमोचन किया। इस दौरान उल्लास कार्यक्रम पर आधारित वृत्त चित्र का प्रदर्शन भी किया गया।

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय अंतर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस के अवसर पर प्रदेश में राज्य स्तरीय उल्लास मेला में बुनियादी साक्षरता एवं संख्या ज्ञान के लिए नवाचारी गतिविधियों पर केंद्रित राज्य स्तरीय प्रदर्शनी का शुभारंभ कर इसका अवलोकन किया। यहां 5 संभागों सहित एससीईआरटी द्वारा प्रदर्शनी लगाई गई है।

**राज्य में एक लाख उल्लास साक्षरता केन्द्र प्रारंभ, एक लाख चयनित स्वयं सेवी शिक्षक असाक्षरों को करेंगे साक्षर**

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने कहा कि शिक्षा विकास का मूल मंत्र है। मनुष्य को किसी भी क्षेत्र में विकास करना है तो शिक्षा बहुत जरूरी है। शिक्षा प्राप्त करके डिग्री हासिल करना और सरकारी नौकरी प्राप्त करने का माध्यम नहीं है, बल्कि मनुष्य को किसी भी क्षेत्र में चाहे वह व्यापार, समाज सेवा है या राजनीति का क्षेत्र हो सभी के लिए शिक्षा जरूरी है। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारा यह देश शिक्षा के क्षेत्र में बहुत अग्रणी रहा है। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में राष्ट्रीय साक्षरता मिशन का काम अच्छा हो रहा है। मुख्यमंत्री श्री साय ने अपने अनुभव को साझा करते हुए दो-तीन उदाहरण बताए, जिसमें उन्होंने असाक्षर लोगों के साथ होने वाली घटनाओं का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि यदि वे साक्षर होते तो ऐसे धोखाधड़ी से बच सकते थे। इसलिए सभी असाक्षर लोगों को साक्षर होना अति आवश्यक है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने शिक्षा का महत्व बताते हुए कहा कि दुनिया में शिक्षा एक ऐसी चीज है जो बांटने से बढ़ती है। हमारे आसपास जितने भी असाक्षर लोग है उनको साक्षर करना है। हम लोगों ने 10 लाख लोगों को साक्षर करने का बीड़ा उठाया है। इस लक्ष्य से अधिक लोगों को कर पाएंगे तो और अच्छा होगा। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि महासमुंद जिले के बागबाहरा निवासी नव साक्षर हमारी बहन श्रीमती शांति देवी ठाकुर जिनके हाथ नहीं है। वह साक्षर होकर पांव से लिखती है। उनकी लिखावट भी बड़ी अच्छी है। यह देखकर हमें बड़ी प्रसन्नता हो रही है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की शिक्षा के नवाचारी सोच के तहत पूरे देश में राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 को लागू किया है। प्रधानमंत्री के मंशानुसार हमारी सरकार ने भी छत्तीसगढ़ में नई शिक्षा नीति को लागू कर दिया है। छत्तीसगढ़ के 211 स्कूल पीएम श्री योजना के तहत संचालित है। उन्होंने इस मौके पर लोगों को उल्लास साक्षरता शपथ दिलाने के साथ ही सभी स्वयं सेवी शिक्षकों और प्रेरकों का आह्वान किया कि वे असाक्षरों को अंक ज्ञान और अक्षर ज्ञान कराकर उन्हें सक्षम बनाए।

कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे वन मंत्री श्री केदार कश्यप ने कहा कि राज्य में शिक्षा के क्षेत्र में लगातार उल्लेखनीय कार्य हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि राज्य साक्षरता मिशन बिना बजट के अच्छा काम करने वाली एक संस्था है, जो शिक्षा का प्रचार-प्रसार अंतिम व्यक्ति तक कर रहे है। उन्होंने कहा कि एससीईआरटी द्वारा छत्तीसगढ़ के प्रमुख बोलियों में प्राथमिक शिक्षा देने के कार्य योजना बनाई गई है, जिससे अलग-अलग बोली भाषा समझने वाले असाक्षरों को भी साक्षर बनाया जा सके। अति विशिष्ट अतिथि रायपुर सांसद श्री बृजमोहन अग्रवाल कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि पिछले 5 वर्षों से साक्षरता मिशन को बंद कर दिया गया था जिसे मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में फिर से शुरुआत की गई है।

## पाकिस्तान पीओके के लोगों को विदेशी कहता है, हम उन्हें अपना नागरिक मानते हैं : राजनाथ सिंह

**जम्मू (आरएनएस)।** रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने रविवार को कहा कि पाकिस्तान सरकार पाक अधिकृत कश्मीर (पीओके) के लोगों को विदेशी कहती है, जबकि भारत उन्हें अपना नागरिक मानता है। जम्मू संभाग के रामबन जिले में एक चुनावी रैली के दौरान राजनाथ सिंह ने भाजपा-पीडीपी गठबंधन सरकार का जिक्र करते हुए कहा, महबूबा के नेतृत्व वाली सरकार के दौरान, हमने नाबालिगों और निर्दोष लोगों के खिलाफ मामले वापस ले लिए थे। लेकिन समस्या यह थी कि पीडीपी अलगाववादियों के प्रति सहानुभूति रखती थी। मैं हमेशा उनसे जमीनी हालात को नियंत्रण में लाने के लिए कहता था, लेकिन वह ऐसा नहीं कर सकीं। जम्मू-कश्मीर के लोग भारत के स्वतंत्र नागरिक हैं और उन्हें शांति तथा समृद्धि का अधिकार है।

रक्षा मंत्री ने कहा, इसके विपरीत, हाल ही में एक हलफनामे में पाकिस्तान के सॉलिसिटर जनरल ने पीओके के लोगों को विदेशी कहा था। हम उन्हें विदेशी नहीं कहते। वे हमारे लोग हैं। उन्हें आकर हमारे साथ जुड़ने दीजिए। जम्मू-कश्मीर में सरकार बनने के बाद, पीओके के लोग भारत में आकर शामिल होना चाहेंगे।

उन्होंने जम्मू-कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री और नेशनल कॉन्फ्रेंस (एनसी) के उपाध्यक्ष उमर अब्दुल्ला की इस बयान के लिए कड़ी आलोचना की कि अफ़ज़ल गुरु को फांसी नहीं दी जानी चाहिए थी।

## अमेरिका के तीन दिवसीय दौरे पर राहुल गांधी

**नई दिल्ली (आरएनएस)।** कांग्रेस नेता राहुल गांधी अमेरिका के तीन दिवसीय दौरे पर हैं। राहुल गांधी रविवार को टेक्सास के डलास पहुंचे, जहां भारतीय प्रवासी और इंडियन ओवरसीज कांग्रेस के सदस्यों ने उनका गर्मजोशी से स्वागत किया। राहुल गांधी ने अपने सोशल मीडिया एकाउंट से कुछ तस्वीरें साझा की। उन्होंने लिखा 'टेक्सास के डलास में जो भारतीय प्रवासियों और इंडियन ओवरसीज कांग्रेस के सदस्यों ने मेरा स्वागत किया, उससे मैं वास्तव में बहुत खुश हूं'। राहुल ने पोस्ट में आगे लिखा, 'मैं इस यात्रा के दौरान सार्थक चर्चाओं और व्यावहारिक बातचीत में शामिल होने के लिए उत्सुक हूं, जो दोनों देशों के बीच संबंधों को और मजबूत करेगा'।

## छत्तीसगढ़ में एल्युमिना रिफाइनरी में बड़ा हादसा, कोयले से भरा हॉपर गिरा

**अंबिकापुर (आरएनएस)।** छत्तीसगढ़ के सरगुजा जिले में रविवार को एक एल्यूमिना रिफाइनरी में कोयले से भरा हॉपर गिरने से तीन श्रमिकों की मौत हो गई। वहीं हादसे में एक अन्य श्रमिक घायल हो गया। पुलिस ने बताया कि एक कर्मचारी लापता भी है, जिसका पता लगाने के लिए प्रयास किए जा रहे हैं। एक अधिकारी ने एजेंसी को बताया कि यह घटना सुबह करीब 11 बजे रघुनाथपुर पुलिस चौकी के तहत सिलसिला गांव में मां कुदरगढ़ी एल्यूमिना रिफाइनरी में हुई।

**3 मजदूरों की मौत, एक लापता**

अधिकारी ने कहा कि प्रारंभिक जानकारी के अनुसार कोयले से भरा एक स्टील टावर पर लगा हॉपर ढह गया और उसके नीचे काम कर रहे लोगों पर गिर गया। उन्होंने बताया कि पुलिस को सतर्क कर दिया गया और एक टीम मौके पर पहुंची और बचाव अभियान शुरू किया। अधिकारी ने कहा, 'अभी तक घटनास्थल से तीन श्रमिकों के शव निकाले गए हैं, और एक श्रमिक गंभीर हालत में पाया गया और अस्पताल में भर्ती है।' उन्होंने बताया कि एक अन्य कर्मचारी लापता बताया जा रहा है और उसका पता लगाने के प्रयास जारी हैं।

## रिसाली में 14.26 करोड़ रुपए के विकास कार्यों का डिप्टी सीएम अरुण साव ने किया भूमिपूजन

**रायपुर (विश्व परिवार)।** उप मुख्यमंत्री तथा नगरीय प्रशासन एवं विकास मंत्री श्री अरुण साव ने आज दुर्ग जिले के रिसाली नगर निगम में 14 करोड़ 26 लाख 18 हजार रुपए की लागत से किए जाने वाले 171 विकास कार्यों का भूमिपूजन किया। उन्होंने रिसाली के इस्पात नगर में भक्त माता कर्मा चौक के सौंदर्यीकरण कार्य का लोकार्पण भी किया। रिसाली नगर निगम द्वारा 15 लाख रुपए की लागत से इस चौक का सौंदर्यीकरण किया गया है। श्री साव ने इस मौके पर आयोजित कार्यक्रम में रिसाली के कर्मा भवन में मंच और अन्य कार्यों के लिए 20 लाख रुपए देने की घोषणा की।

उप मुख्यमंत्री श्री अरुण साव ने लोकार्पण और भूमिपूजन कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि रिसाली नगर निगम में 14 करोड़ रुपए से अधिक के ये विकास कार्य हमारी सरकार के महज आठ माह के कार्यकाल का परिणाम है। छत्तीसगढ़ की सरकार जन आकांक्षाओं के अनुरूप काम कर रही है। सरकार बनने के मात्र 12 दिनों के बाद ही किसानों के खातों में दो वर्षों के बोनस की बकाया राशि डाल दी गई थी। शहरी और ग्रामीण दोनों क्षेत्रों में गरीबों के लिए प्रधानमंत्री आवास स्वीकृति का कार्य लगातार चल रहा है। दुर्ग के सांसद विजय बघेल और दुर्ग-ग्रामीण के विधायक ललित चन्द्राकर ने भी कार्यक्रम को संबोधित किया। रिसाली निगम की महापौर श्रीमती शशि सिन्हा, सभापति केशव बंछोर, नेता प्रतिपक्ष शैलेन्द्र साहू सहित स्थानीय जनप्रतिनिधि और निगम के अधिकारी-कर्मचारी कार्यक्रम में मौजूद थे।

## स्वाइन-फ्लू के इलाज के लिए अस्पतालों में पुख्ता इंतजाम

**स्वास्थ्य विभाग ने लोगों से सजग रहने की अपील की**

**किसी भी जानकारी के लिये फोन नम्बर 104 पर कर सकते हैं संपर्क**

**रायपुर (विश्व परिवार)।** स्वाइन-फ्लू से निपटने के लिए स्वास्थ्य विभाग द्वारा पुख्ता इंतजाम किए गए हैं। बिलासपुर के मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. प्रभात श्रीवास्तव ने बताया कि मेडिकल कॉलेज सिम्स, जिला अस्पताल और सभी सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों में आइसोलेशन वार्ड, दवाईयों और आक्सीजन सिलेंडर की सुविधा है। जरूरत पड़ने पर मरीजों को उच्च संस्थानों में भेजने के लिए एंबुलेंस की व्यवस्था भी है। उन्होंने बताया कि स्वाइन-फ्लू सामान्य बुखार जैसा ही होता है। शरीर में दर्द, सर्दी और बलगम की शिकायत के साथ बुखार आता है तो तत्काल चिकित्सक से परामर्श जरूर लें।

बिलासपुर के मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. श्रीवास्तव ने बताया कि बिलासपुर जिले में स्वाइन-फ्लू पीड़ितों की मौत के पीछे कई बीमारियां हैं जो मरीजों को पहले से होती हैं। ऐसे मरीजों द्वारा देर से इलाज लेना प्रारंभ करने पर हालत गंभीर हो जाती है जो मृत्यु का कारण बनता है।

उन्होंने कहा कि स्वाइन-फ्लू से पीड़ित होने पर तुरंत उपचार लेना चाहिए। इससे बचाव के लिए भीड़ से दूर रहना चाहिए । सार्वजनिक स्थानों पर थूकने-छींकने से बचें, मास्क का उपयोग करें और अन्य लोगों से दूरी बनाकर रखें। सर्दी, खांसी, बुखार होने पर शुरूआती 72 घंटों में स्वस्थ नहीं होने पर स्वाइन-फ्लू की जांच अवश्य कराएं। किसी भी तरह की जानकारी के लिए फोन नम्बर 104 पर चौबीसों घण्टे संपर्क किया जा सकता है।

## माननीय उच्चतम न्यायालय के तीन न्यायाधिपतियों की उपस्थिति में छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय में राज्य स्तरीय कान्फ्रेंस का आयोजन

**जिला न्यायापालिका को सशक्त बनाने तथा सिविल व आपराधिक विधि पर किया गया मंथन**

**रायपुर (विश्व परिवार)।** छत्तीसगढ उच्च न्यायालय बिलासपुर में रविवार को जिला न्यायपालिका के सशक्तीकरण व सिविल व आपराधिक विधि पर राज्य स्तरीय कान्फ्रेंस आयोजित किया गया। इस एतिहासिक कान्फ्रेंस के मुख्य अतिथि सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीश माननीय श्री न्यायमूर्ति सूर्यकान्त और कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीश माननीय श्री न्यायमूर्ति पी. एस. नरसिम्हा एवं माननीय श्री न्यायमूर्ति प्रशांत कुमार मिश्रा रहे। इस कान्फ्रेंस में माननीय उच्चतम न्यायालय के तीन न्यायमूर्तिगणों द्वारा एक साथ भागीदारी किया जाना कान्फ्रेंस की गंभीरता व महत्व तथा भारत की न्यायपालिका के आधारशिला जिला न्यायपालिका की न्यायदान में महत्वपूर्ण भूमिका को रेखांकित करता है।

राज्य स्तरीय कान्फ्रेंस का उदघाटन भारत के सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीश माननीय श्री न्यायमूर्ति सूर्यकान्त द्वारा दीप प्रज्जवलन के साथ किया गया। मुख्य अतिथि माननीय सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीश माननीय श्री न्यायमूर्ति सूर्यकान्त द्वारा अपने उद्बोधन में व्यक्त किया कि पक्षकारों के सम्पर्क में सर्वप्रथम जिला न्यायपालिका आती है, ऐसी दशा में जिला न्यायपालिका की जिम्मेदारी व भूमिका महत्वपूर्ण है और यदि न्यायाधीश निर्णय लेने के लिए प्रतिबद्ध है तो कोई प्रक्रियात्मक व तकनीकी अड़चन न्यायाधीश को एक तार्किक निर्णय लेने में बाधा नहीं बन सकती है। माननीय न्यायाधिपति महोदय ने इस बात पर जोर दिया कि न्यायदान में आने वाली तकनीकी व प्रक्रियात्मक बाधाओं के प्रति व्यक्तिगत दृष्टिकोण अपनाने के बजाय ऐसी बाधाओं के प्रभावी निवारण के लिए संस्थागत दृष्टिकोण अपनाया जाना चाहिए। माननीय न्यायाधिपति महोदय ने तुच्छ व तुक्के वाली मुकदमेबाजी की बढ़ती प्रवृत्ति को हतोत्साहित करने के संबंध में जोर दिया कि न्यायपालिका में झूठ व बेबुनियाद मामलों के लिए कोई जगह नहीं होनी चाहिए एक मजबूत व साहसी जिला न्यायपालिका तुच्छ व तुक्के वाली मुकदमेबाजी को निपटने में सक्षम हो सकती है।

## एमएससीआई ईएम आईएम सूचकांक में भारत ने चीन को पीछे छोड़ा

**रायपुर (विश्व परिवार)।** सितंबर 2024 के दौरान, मॉर्गन स्टेनली ने घोषणा करते हुए कहा कि एमएससीआई उभरते बाजार निवेश योग्य सूचकांक (इमर्जिंग मार्केट्स इन्वेस्टेबल मार्केट इंडेक्स, एमएससीआई ईएम आईएमआई) में भारत ने अपने भारित मूल्य के मामले में चीन को पीछे छोड़ दिया है। एमएससीआई ईएम आईएमआई में भारत का भार चीन के 21.58 प्रतिशत की तुलना में 22.27 प्रतिशत रहा।

एमएससीआई आईएमआई में 3,355 स्टॉक शामिल हैं, जिसमें बड़ी, मध्यम और छोटी कैप कंपनियाँ शामिल की जाती हैं। यह उभरते बाजारों वाले 24 देशों के स्टॉक को कवर करता है और प्रत्येक देश में निवेशकों के लिए उपलब्ध लगभग 85 प्रतिशत (फ्री फ्लोट एडजस्टेड) बाजार पूंजीकरण को कवर करने का लक्ष्य रखता है। मुख्य एमएससीआई ईएम सूचकांक (मानक सूचकांक) में बड़ी और मध्यम कैप कंपनियां शामिल होतीं हैं, वहीं आईएमआई को बड़ी, मध्यम और छोटी कैप स्टॉक के साथ अधिक व्यापक बनाया गया है। एमएससीआई आईएमआई में चीन के मुकाबले भारत का अधिक भार, छोटी-कैप की अधिक भारित क्षमता के कारण है।

पुनर्संतुलन व्यापक बाजार रुझानों को दर्शाता है। चीन में विपरीत आर्थिक परिस्थितियों के कारण चीन के बाजार संघर्ष कर रहे हैं, जबकि भारत के बाजारों को अनुकूल व्यापक आर्थिक स्थितियों से लाभ हुआ है। हाल के दिनों में, भारत ने देश की अर्थव्यवस्था के मजबूत व्यापक आर्थिक बुनियादी सिद्धांतों के साथ-साथ भारतीय कॉरपोरेट्स के शानदार प्रदर्शन के बल पर इक्विटी बाजार में बेहतर प्रदर्शन किया है। इसके अलावा, भारतीय इक्विटी बाजार में लाभ का व्यापक आधार है, जो बड़े कैप के साथ-साथ मध्यम-कैप और छोटे-कैप सूचकांकों में भी दिखाई पड़ता है। इस सकारात्मक रुझान में योगदान देने वाले प्रमुख कारकों में शामिल हैं - 2024 की शुरुआत में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) में 47 प्रतिशत की वृद्धि, कच्चे तेल की कीमतों में कमी और भारतीय ऋण बाजारों में पर्याप्त विदेशी पोर्टफोलियो निवेश (एफपीआई)।

परिणामस्वरूप, एमएससीआई अपने सूचकांकों में भारतीय शेयरों का सापेक्ष भार बढ़ा रहा है। एमएससीआई ईएम आईएमआई के अलावा, यह तथ्य एमएससीआई ईएम सूचकांक में भी चीन के भार में सापेक्ष गिरावट के साथ-साथ भारत के भार में वृद्धि से स्पष्ट है। मार्च-2024 से अगस्त-2024 के दौरान, एमएससीआई ईएम में भारत का भार 18 प्रतिशत से बढ़कर 20 प्रतिशत हो गया, जबकि इसी अवधि में चीन का भार 25.1 प्रतिशत से घटकर 24.5 प्रतिशत हो गया।

विश्लेषकों के अनुमान के अनुसार, एमएससीआई ईएम आईएमआई में हुए इस बदलाव के बाद भारतीय इक्विटी में लगभग 4 से 4.5 बिलियन अमेरिकी डॉलर का प्रवाह दिखाई दे सकता है। आर्थिक वृद्धि एवं विकास के लिए अपेक्षित निवेश की अपनी गति को बनाए रखने के लिए, भारत को घरेलू एवं विदेशी, दोनों स्रोतों से पूंजी की आवश्यकता है। इस संदर्भ में, वैश्विक ईएम सूचकांकों में भारत के भार में वृद्धि का सकारात्मक महत्व है।

## मंदिर जी के शिखर पर ध्वजारोहण के साथ दसलक्षण महापर्व का भव्य शुभारम्भ

**बीना श्रुत धाम से पधारे बाल ब्रह्मचारी संदीप 'सरल' भैया जी के सानिध्य में श्रुत आराधना : सांस्कृतिक कार्यक्रम भी आयोजित**

**रायपुर (विश्व परिवार)।** आज जैन धर्म के दस लक्षण पर्व का शुभारंभ श्री आदिनाथ दिगंबर जैन मंदिर मालवीय रोड में भव्य ध्वजारोहण के साथ प्रारंभ हुआ। ध्वजारोहण बीना श्रुत धाम से पधारे बाल ब्रह्मचारी संदीप 'सरल' भैया जी के सानिध्य मे संपन्न हुआ। ध्वजारोहण करने का सौभाग्य मैनेजिंग ट्रस्टी श्री नरेंद्र जी योगेंद्र जी जैन गुरु कृपा को प्राप्त हुआ।

तत्पश्चात भगवान के प्रथम कलश करने का सौभाग्य श्री देव कुमार जी जैन श्री सुजीत जैन श्री देवेंद्र दिनेश प्रीति जैन श्री मीठालाल हर्षित भावेश जैन को प्राप्त हुआ। शांति धारा गुरु कृपा परिवार एवं वृती परिवारो द्वारा संपन्न कराई गई।

आज दोपहर में आयोजित शास्त्र सभा में ब्रह्मचारी संदीप 'सरल' भैया जी द्वारा जिनागम प्रवेश पुस्तक के प्रथम अध्याय का अध्ययन कराया गया। जैन धर्म के बारे में प्रारंभिक जानकारी एवं उसके मूल सिद्धांतों पर विशेष रूप से प्रकाश डालते हुए भैया जी ने बताया कि जैन धर्म को 5 प्राचीन नाम निर्गरंथ धर्म, श्रवण धर्म, आर्हत धर्म, सनातन धर्म एवं जिन धर्म के नाम से जाना जाता है।

जिनेंद्र भगवान के जो उपासक होते हैं वह जैन कहलाते हैं। यह जैन धर्म अनादिनिधन शाश्वत धर्म है। आपने जैन धर्म की मौलिक विशेषताओं के बारे में बताया कि अनेकांत, स्याद्वाद, अपरिग्रहवाद अहिंसा, वस्तु की स्वतंत्रता एवं अवतारवाद का निषेध जैन धर्म की मौलिक विशेषताएं हैं। भेद विज्ञान जैन धर्म का प्रथम सोपान है अर्थात शरीर भिन्न एवं आत्मा भिन्न है ऐसा मानता है। जैन धर्म का अंतिम लक्ष्य परमात्मा अवस्था को प्राप्त करना है।

अपने विशेष जानकारी देते हुए बताया कि पुरातत्व विभाग के तमाम प्रमाण मौजूद है जिससे जैन धर्म प्राचीनतम धर्म होने का प्रतिपादन होता है।

वैष्णव धर्म में भी ऋग्वेद, शिव पुराण, मार्कंडेय पुराण आदि स्थानों पर जैन धर्म के प्रथम तीर्थंकर भगवान आदिनाथ का वर्णन आया है जिसमें यह भी बताया गया है कि भगवान आदिनाथ के पुत्र भारत के नाम पर ही देश का नाम भारतवर्ष पड़ा।

इस अवसर पर समिति के अध्यक्ष श्री यशवंत जैन सहित श्रद्धालु जनों ने उपस्थित होकर धर्म लाभ लिया। संध्या काल में सांस्कृतिक कार्यक्रम संपन्न हुए।

दैनिक
# विश्व परिवार
रायपुर/दुर्ग-भिलाई/बलौदाबाजार
रायपुर, सोमवार 09 सितंबर 2024
www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com


## दसलक्षण पर्व पर शंकर नगर मंदिर में भव्य आयोजन

**रायपुर ( विश्व परिवार )।** दसलक्षण महापर्व के भव्य आयोजन श्री चंद्रप्रभ दिगंबर जैन मंदिर शंकर नगर में आज से प्रारंभ हो गए हैं। प्रथम दिन भगवान की भव्य शांति धारा करने का सौभाग्य श्रीमती माया राजीव संजीव अमित गोयल श्री देवेंद्र शिखा जैन श्री प्रकाश चंद अमित कुमार जैन श्री सुधांशु सीमा जैन श्री अजीत जैन विपुल जैन डॉ अमित नेहा जैन को प्राप्त हुआ।

प्रथम कलश का सौभाग्य श्री मनोज जैन सनत कुमार जैन चूड़ी वाले एवं स्टेमनोरथ कलश श्री अमिताभ जैन को प्राप्त हुआ।

आज कटंगी से पधारी विदुषी स्नेह लता जी जैन द्वारा मानव कल्याण हेतु उपयोगी 12 भावनाओं के चिंतवन पर प्रकाश डाला गया।

## चूड़ी लाइन जैन मंदिर में लिफ्टदानी बाकलीवाल परिवार का सम्मान

**रायपुर ( विश्व परिवार )।** समाज के प्रतिष्ठित सदस्य एवं श्री नागपुर प्रांतीय दिगम्बर जैन खंडेलवाल सभा के प्रांतीय संरक्षक श्री महावीर प्रसाद बाकलीवाल एवं उनके परिवार के द्वारा श्री चंद्रप्रभ दिगम्बर जैन मंदिर चूड़ीलाइन मे लिफ्ट लगवायी गया।

लिफ्ट के शुभारम्भ के अवसर पर आज श्री महावीर बाकलीवाल जी ने भावुक होकर कहा कि जब कोई असमर्थ व्यक्ति के मन मे प्रभु दर्शन की अभिलाषा हो और वो अपनी असमर्थता के कारण दर्शन से वंचित हो तो उसके मन की जो व्यथा होती है मन कुंठित होता है। उसी भावना को मन मे विचार कर मंदिर जी मे लिफ्ट लगवाने के भाव आये, लिफ्ट लग जाने से हर व्यक्ति प्रभु दर्शन से वंचित नहीं होगा। लिफ्ट के शुभारम्भ के अवसर पर बाकलीवाल परिवार के सहयोग भावना की अनुमोदना करने श्री चंद्रप्रभ दिगम्बर मंदिर समिति ने सभा के पदाधिकारीयों व उपस्थित वरिष्ठजनों का भी उक्त अवसर सम्मान किया।

उक्त अवसर पर मंदिर समिति के श्री नरेश पाटोदी, श्री भीकम पाटोदी, श्री अजय गंगवाल, श्री शैलेश पाटोदी, श्री विशाल पांड्या, श्री अजय पाटोदी, श्रीमती अर्चना पांड्या, मोना गंगवाल, श्री नागपुर प्रांतीय दिगम्बर जैन खंडेलवाल सभा महिला प्रकोष्ठ जोन 8 रायपुर की महामंत्री श्रीमती ललिता पाटोदी, सभा की ओर से प्रांतीय कोषाध्यक्ष श्री मनोज सेठीजी, प्रांतीय सह सभापति श्री राजकुमार गंगवाल, जोन 8 रायपुर के संयोजक अरविन्द पहाड़िया, सह संयोजक द्वय श्री प्रदीप पाटनी, श्री मनीष बाकलीवाल, कार्यकारिणी सदस्य श्री अनिल बाकलीवाल श्री राहुल गंगवाल, श्री सुमित बाकलीवाल समाज के वरिष्ठ व सम्मानित सदस्य श्री रिखबचंद जी गंगवाल, श्री धर्म चंद बाकलीवाल, नरेश पाटनी एवं बाकलीवाल परिवार से श्री राजकुमार जी, जितेंद्र जी, श्री नरेन्द्र जी, श्री हिमांशु बाकलीवाल श्रीमती कुसुम, श्रीमती सुनीता, श्रीमती अमिता बाकलीवाल मुख्य रूप से उपस्थित थे।

## संक्षिप्त समाचार

### उत्तम क्षमा का भाव धर और क्रोध से दूर रहकर आप यश वैभव पा सकते हैं

**रायपुर ( विश्व परिवार )।** उत्तम क्षमा का दिन पर्यूषण पर्व का प्रथम दिन उत्तम क्षमा का दिन कहलाता है। उत्तम क्षमा का भाव धर और क्रोध से दूर रहकर आप यश वैभव पा सकते हैं। आज दिगंबर जैन मंदिर में प्रथम दिन श्री जी की शांति धारा का सौभाग्य सुभाष परख जैन को प्राप्त हुआ। इसके पश्चात मंगल कलश स्थापना का सौभाग्य बाबूलाल जी अजेशजैन को प्राप्त हुआ। प्रथम मंगल दीपक का सौभाग्य समाज के अध्यक्ष दिनेश जैन को प्राप्त हुआ प्रथम चार कलश से श्रीजी का अभिषेक अनुराग जैन, अरिहंत जैन, परख जैन चयन जैन द्वारा किया गया। क्षमा पर्व के शाम की महाआरती करने का सौभाग्य इंद्र कुमार जी अशोक जी जैन को प्राप्त हुआ। प्रथम दिन मंदिर जी में धर्म के प्रति भाव और उत्साह नजर आ रहा था।बाहर से आए हुए पंडित मनोज शास्त्री जी के मंत्रोपचार और उनके धार्मिक गीत के बीच आज की पूजन संपन्न हुई। उत्तम क्षमा दिन पर समाज के संरक्षक इंद्र कुमार जी एवं महावीर प्रसाद जी ने कहा कि उत्तम क्षमा सबसे क्षमा सबको क्षमा यही क्षमा का सार है। आज के कार्यक्रम में शाम 7:30 महा आरती 8 बजे से पंडित शास्त्री जी का प्रवचन और 9 बजे से भव्य सांस्कृतिक कार्यक्रम जो प्रतिदिन होगा। आज के कार्यक्रम में समाज के लगभग महिला एवं पुरुष उपस्थित थे।

### पर्युषण महापर्व आत्म शुद्धि का पर्व कहलाता है, बलौदाबाजार जैन समाज द्वारा मनाया जाएगा पर्युषण महापर्व

**बलौदाबाजार ( विश्व परिवार )।** पर्युषण महापर्व आत्म शुद्धि का पर्व कहलाता है। बलौदाबाजार जैन समाज द्वारा पर्यूषण महापर्व दिनांक 8 सितंबर से 17 सितंबर तक मनाया जाएगा। 10 दिवस तक क्रम से उत्तम क्षमा, मार्दव, आर्जव, शौच, सत्य, संयम तप, त्याग, अकिंचन एवं ब्रह्मचर्य इन 10 धर्म की आराधना कर गृहस्थ लोग अपने-अपने भावो में निर्मलता का संचारण करते हैं। पर्व के दरमियान नित्य जिनाभिषेक, पूजन, आरती आदि बहुत ही उत्साह पूर्वक की जाती है यह उत्साह और बढ़ाने के लिए पंडित मनोज शास्त्री जी टीकमगढ़ से पधार चुके हैं एवं बलौदा बाजार के पंडित श्री धन प्रसाद जी के सानिध्य में यह कार्यक्रम संपन्न होगा इन 10 दिनों में। बाहर से आए पंडित शास्त्री जी का रात्रि 8 बजे से 10 दिनों तक प्रतिदिन धार्मिक प्रवचन होगा। रात्रि 9 बजे से प्रतिदिन धार्मिक कार्यक्रम भी रखा गया है जो जैन समाज की महिलाएं एवं जैन समाज के बच्चों द्वारा किया जाएगा। एक दिवस सुगंध दशमी को धूप खेवन तथा अनंत चतुर्दशी को समाज अपने प्रतिष्ठान बंद रखकर संयम पूर्वक व्रत उपवास आदि भी करते हैं अंत में अपने मित्रों परिवार एवं संसार की समस्त जीव राशि से अपनी वर्ष भर की भूलों के लिए परस्पर क्षमा याचना करते हुए इस पर्व का समापन होता है। जैन समाज के अध्यक्ष दिनेश जैन से बात करने पर बताया कि 10 लक्षण पर्व का हर साल इंतजार रहता है यह 10 दिन आत्म शुद्धि का पर्व है पूजा उपवास का पर्व है। साथी जैन समाज के सचिव अमित जैन ने बताया कि शुद्ध व धार्मिक क्रियाओं के माध्यम से संयम द्वारा पापों के प्रक्षालन का पर्व है। दोनों ने एवं समाज के अन्य पदाधिकारी महिला एवं पुरुष वर्ग ने पर्युषण महापर्व की हार्दिक शुभकामनाएं दी है।

### शासकीय दाऊ कल्याण महाविद्यालय में सिकल सेल एनीमिया जांच अभियान आयोजित किया गया

**बलौदाबाजार ( विश्व परिवार )।** शासकीय दाऊ कल्याण महाविद्यालय बलोदाबाजार में 7 सितंबर 2024 को छात्रों में जागरूकता बढ़ाने और सिकल सेल एनीमिया के प्रारंभिक निदान को प्रोत्साहित करने के लिए कॉलेज ने एक व्यापक जांच स्क्रीनिंग कार्यक्रम शुरू किया है। इस सप्ताह से शुरू हुए इस अभियान के तहत सभी छात्रों के लिए नि:शुल्क परीक्षण और परामर्श सेवाएं प्रदान की जा रही हैं। जिससे यह क्षेत्र के पहले कॉलेजों में से एक बन गया है जो इस अनुवांशिक विकार को लेकर सक्रिय कदम उठा रहा है। जिला स्वास्थ्य एवं मुख्य चिकित्सा विभाग बलौदाबाजार की टीम एवं महाविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना द्वारा यह कार्यक्रम चलाया जा रहा है। जिला अस्पताल से लैब टेक्नीशियन अधिकारी राकेश कुमार घृतलहरे, राकेश बंजारे, भरत पटेल जय किशन डहरिया, आशीष निराला, नंदनी साहू द्वारा जांच परीक्षण किया गया। 150 से अधिक छात्रों ने इस सिकलिन जांच में हिस्सा लिया। प्राचार्य डॉ ए आर सी जेम्स ने कहा सिकल सेल एनीमिया अक्सर युवा आबादी में कम पहचान में आता है और कई छात्रों को पता भी नहीं होता कि वे इस रोग के वाहक हो सकते हैं।

## सिटीजन स्कूल के शिक्षकों एवं छात्रों का सम्मान

**रायपुर ( विश्व परिवार )।** छत्तीसगढ़ शिक्षा जागृति संघ रायपुर द्वारा 5 सितंबर गुरुवार को मुख्य अतिथि श्री राजेश जी मूणत विधायक रायपुर पश्चिम द्वारा सिटीजन स्कूल के प्राचार्य श्रीमती नवनीत जैन व टीचर श्रीमती पुष्पा साहू एवं श्रीमती अंजनी यादव को छात्रों के प्रति समर्पण भावना एवं उल्लेखनीय कार्य के लिए प्रशस्ति पत्र एवं मोमेंटो द्वारा सम्मान किया गया। इसी कड़ी में शाला के गौरवंतित छात्र सर्वश्रेष्ठ अंक प्राप्त करने वाले हुनर निर्मलकर एवं सोनाक्षी प्रधान को मुख्य अतिथि श्री राजेश जी मूणत द्वारा मेडल पहनाकर सम्मान किया गया एवं छात्रों को निरंतर आगे बढ़ने की सिख दी गई। इस अवसर पर हमारे शाला के छात्रों द्वारा मनमोहक छत्तीसगढ़ी ग्रुप डांस भी प्रस्तुत किया गया जिसे सभी ने साराहा। उक्त जानकारी छत्तीसगढ़ शिक्षा जागृति संघ के प्रचार प्रसार मंत्री श्री विनोद जैन द्वारा एक प्रेस विज्ञप्ति में दी।

## पंडरिया विधायक भावना बोहरा ने शिक्षकों का किया सम्मान, कहा- एक सभ्य समाज और देश की प्रगति में शिक्षकों का योगदान अतुलनीय

**हमारे शास्त्रों में शिक्षक को भगवान की संज्ञा दी गई और उनका सम्मान हमारा कर्तव्य है : भावना बोहरा**

**रायपुर ( विश्व परिवार )।** भारत के महान शिक्षाविद डॉ.सर्वपल्ली राधाकृष्णन जी की जयंती को हमारे देश में 5 सितम्बर के दिन शिक्षक दिवस के रूप में मनाया जाता है। इस अवसर पर पंडरिया विधायक भावना बोहरा द्वारा पंडरिया क्षेत्र के शिक्षकों के समर्पण और एक सभ्य समाज में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका हेतु उन्हें प्रोत्साहित करने के लिए 8 सितम्बर को सामुदायिक भवन, नगर पंचायत परिसर पांडातराई में शिक्षक सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में क्षेत्र के 100 से अधिक शिक्षकों को भावना बोहरा द्वारा सम्मानित किया गया और उन्हें शुभकामनाएं दी।

इस अवसर पर पंडरिया विधायक भावना बोहरा ने कहा कि सनातन संस्कृति और हमारे शास्त्रों में शिक्षकों को भगवान की संज्ञा दी गई है। शिक्षकों को भगवान ब्रम्हा,विष्णु,महेश के रूप में बताया गया है और उनका सम्मान करना हम सभी का कर्तव्य भी है। हमारे शिक्षक निस्वार्थ भाव से समाज को एक नई दिशा देने के साथ ही हमारे आने वाली पीढ़ियों और देश के उज्ज्वल भविष्य की नींव को मजबूत बनाते हैं। एक शिक्षक के लिए गर्व का समय तब होता है जब उनका शिष्य उनसे भी आगे निकल जाता है, इसमें उन्हें निराशा नहीं बल्कि गर्व होता है और यही एक अच्छे गुरु या शिक्षक की पहचान होती है। आज हमारे देश-प्रदेश व क्षेत्र में शिक्षक लगातार अपने कर्तव्यों और दायित्वों का पूरे समर्पण भावना के साथ कार्य कर रहें हैं। शिक्षक अपने विद्यार्थियों को अकादमिक शिक्षा के साथ नैतिक मूल्यों की शिक्षा भी देते हैं। जिससे वह सही ग़लत की पहचान कर पाते हैं। जीवन में सही मार्ग पर चलना है उसके लिए प्रेरित करते हैं।

भावना बोहरा ने कहा कि एक अच्छा शिक्षक अपने सबसे कमजोर विद्यार्थी के आत्मविश्वास और आत्म-सम्मान बढ़ाने में मदद करता हैं। वह अपने शिष्य को अपनी क्षमताओं और योग्यताओं को पहचान कर उसको सदैव बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। गुरु हमें एक सकारात्मक मानसिकता देने के साथ ही हमें अपनी जिंदगी में सफलता हासिल करने में मदद करती है। सावित्रीबाई फुले जिन्होंने देश में शिक्षा खासकर महिलाओं को शिक्षा का अधिकार दिलाने का काम किया। कई सामाजिक कुरूतियों को ख़त्म करने का उन्होंने काम किया। इसलिए एक शिक्षक अपने ज्ञान कौशल से न केवल हमारे उज्ज्वल भविष्य और सही मार्ग की रचना करते हैं बल्कि सामाजिक परिवर्तन लाने का भी कार्य करते हैं। शिक्षक को हमें ईश्वर का दिया हुआ एक अमूल्य उपहार मानना चाहिए क्योंकि वें हमें जीवन में आगे बढ़ने के लिए आवश्यक ज्ञान, कौशल और आत्मविश्वास बढ़ाने में सहायक होते हैं। इसलिए हमें सदैव उनके आभारी होने चाहिए और उन्हें सदैव उनको सम्मान देना चाहिए।

इस अवसर पर राघवेंद्र वर्मा, परमेश्वर चंद्रवंशी, मुकेश ठाकुर,सुखदेव धुर्वे, राजेन्द्र साहू, रोशन दुबे, शिवनाथ वर्मा, कल्याण सिंह, बीरबल साहू, नवल गुप्ता, गौकरण तिवारी, विकास पांडेय,मनोज ठाकुर, अजय गिरी, गीताराम साहू, कृष्णा चंद्राकर, विष्णु चंद्रवंशी, रामू पांडेय आदि उपस्थित रहे।

## 150 शिक्षकों का किया ऑल मुस्लिम वेलफेयर फाउंडेशन ने सम्मान, प्रदेश में धूमधाम से मनाया गया शिक्षक दिवस

**रायपुर ( विश्व परिवार )।** ऑल मुस्लिम वेलफेयर फाउंडेशन द्वारा पूरे छत्तीसगढ़ में शिक्षकों का सम्मान उस्ताद को सलाम कार्यक्रम के माध्यम से किया गया। जहां 7 साल से अधिक शिक्षा के क्षेत्र में काम कर रहे शिक्षकों का सम्मान मरहूम सैय्यद अफ़ज़ाल अहमद रिजवी मेमोरियल से सम्मानित किया गया। उस्ताद को सलाम कार्यक्रम रायपुर, बिलासपुर, जगदलपुर, दुर्ग, बीजापुर, सुकमा तथा सभी संभागों में एक साथ किया गया।

ऑल मुस्लिम वेलफेयर फाउंडेशन के संरक्षक जनाब सैय्यद फैसल रिज़वी ने बताया की शिक्षक दिवस के अवसर पर हमने उस्ताद को सलाम कार्यक्रम रविवार को पूरे प्रदेश में किया है। जहां हमने सभी शिक्षकों का सम्मान किया है। मेरे पिता मरहूम सैय्यद अफ़ज़ाल अहमद रिजवी कहा करते थे की, जो दरखत दूसरों को साया देता है, उसे खुद धूप में खड़ा रहना पड़ता है। उनकी यही बात को याद रखते हुए हमने सभी को साया देने वाले सीखने वाले हमारे शिक्षकों का सम्मान किया है। ऑल मुस्लिम वेलफेयर फाउंडेशन के प्रदेश अध्यक्ष जनाब मोहम्मद सिराज ने बताया हमने सम्मान समारोह में स्टेज पर किसी भी अतिथि को नही बैठाया, बल्कि हमारे अतिथियों ने शिक्षकों को स्टेज देकर उन्हें सम्मानित किया। ये देख कर सेवानिवृत शिक्षकों की आंखें भर आई और उन्होंने कहा की आज हमारा जीवन सफल हो गया। जज़्बात से भरे सभी शिक्षकों ने सम्मान पा कर फाउंडेशन को खूब दुआएं दी जो हमारे लिए एक बड़ी जीत है।

रायपुर के उस्ताद को सलाम कार्यक्रम को सफल बनाने शिक्षकों की 5 कैटेगरी सेवानिवृत शिक्षक, 20 साल से अधिक अनुभव, 10 से 20 साल तक का अनुभव प्राप्त, मदरसा तथा 7 से 10 साल तक अनुभव के शिक्षकों में बाटा गया था। जिसमें 5 सदस्यीय जूरी जिसमें जनाब फाजिल सर, नज़र हुसैनी साहब, शरीफ़ साहब, जी. एस. राशिद साहब तथा अलकाफ गानीवाला साहब ने आए हुए फॉर्म्स पर काम कर कैटेगरी तय किया गया। कार्यक्रम में जनाब इरफान गुड्डू साहब, जनाब मखमूर इकबाल साहब, जनाब अकरम खान साहब, जनाब प्रेम शंकर गौठिया साहब, जनाब फाजले ए अब्बास सैफी साहब तथा जनाब अशरफ मिया मेहमान ए खास के रूप में मौजूद रहे। कार्यक्रम को सफल बनाने में प्रदेश उपाध्यक्ष जनाब हाजी जुबेर महमूद, रायपुर संभाग अध्यक्ष जनाब शाज़ी राशिद साहब, रायपुर संभाग सचिव शाहबान खान, रायपुर जिला अध्यक्ष जनाब शहबाज़ खान, जनाब यासिर भाटी, जनाब आसिफ भिंसरा, तोसिफ अशरफी, हामशीरा ग्रुप तथा मजलिस ए शूरा की टीम का खास योगदान रहा।

## मुख्यमंत्री साय आज रायपुर में आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों में होंगे शामिल

**रायपुर ( विश्व परिवार )।** मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय 9 सितम्बर को राजधानी रायपुर में आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों में शामिल होंगे। जारी कार्यक्रम के अनुसार मुख्यमंत्री दोपहर 12 बजे से 1 बजे तक कृषि महाविद्यालय के कृषि मण्डपम में आयोजित भगवान श्री बलराम जयंती एवं किसान दिवस कार्यक्रम में शामिल होंगे। मुख्यमंत्री इसके पश्चात शंकर नगर में तीजा मिलन कार्यक्रम तथा अपरान्ह 3.30 बजे से 4.30 बजे तक रायपुर के इंडोर स्टेडियम में तपस्वी सत्कार समारोह में शामिल होंगे।

## क्षमा का अर्थ होता है कि दूसरे से गलती हुई है और फिर क्रोध न आवे उसका नाम है उत्तम क्षमा धर्म : मुनिश्री सुधासागर जी

**सागर ( विश्व परिवार )।** भाग्योदय तीर्थ परिसर में 10 लक्षण पर्व के प्रथम दिवस उत्तम क्षमा धर्म पर बोलते हुए निर्यापक श्रमण मुनि पुंगव 108 श्री सुधा सागर महाराज ने कहा कि त्योहार धर्मात्मा बनाता है और पर्व धर्म बनाता है। कितने त्योहार होते हैं वह किसी न किसी धर्मात्मा से जुड़े होते है, व्यक्तिगत होते है। जब जब धर्मात्मा किसी कार्य में सफल होगा, उसका जश्न मनाया जाता है जैसे दिवाली। जो जो दिन धर्म के नाम से प्रसिद्ध हो, उसे धर्म कहते है और जो जो दिन धर्मात्मा के नाम से प्रसिद्ध हो उसे त्यौहार कहते है। त्योहार के दिन माल मलीदा खाने का भाव जागता है और पर्व के दिन उपवास करने का भाव जागता है। जितना ज्यादा आप त्याग कर सकेंगे, उतना ही पर्व तुम्हारे लिए फलीभूत होगा। किसी त्यौहार में सिद्धि नहीं होती और पर्व में सिद्धियां होती हैं। जो सिद्धियां 6 महीने में प्राप्त होती है, वही मंत्र पर्व के दिनों में फेरा जाए तो आठ दिन में प्राप्त हो जाती है।

महाराज श्री ने कहा धर्मात्मा यदि तुम्हें रहना है तो अकेले मत रहना, तुम धर्मात्मा हो तो कोई न कोई तुम्हारा फोलोवर होना चाहिए, जिंदगी में चार अंग होना चाहिए, पहला अंग कहा उपगुहन अंग-दुर्जन को माफ करना। क्षमा धर्म का अर्थ यह नहीं है कि क्षमा मांग लेना, गलती होने पर क्षमा मांगना प्रायश्चित है, वह तप है, प्रतिक्रमण है, वो धर्म नही है। क्षमा का अर्थ होता है कि दूसरे से गलती हुई है और फिर क्रोध न आवे उसका नाम है क्षमा है। क्षमा धर्म, क्रोध का विरोधी है, किस-किस कार्य में क्रोध आता है? जिसने तुम्हारे साथ अपराध किया है उसको क्षमा कर देना बहुत बड़ी बात है, उसी का नाम पारसनाथ होता है।

गलती करने वाले की सबसे बड़ी बदमाशी होती है कि वह जल्दी क्षमा मांग लेता है क्योंकि गलती मेरे से हुई है। बहादुर वो है, जो सामने वाले ने गलती की है और उसे जितने जल्दी क्षमा कर दे, उतना ही क्षमा धर्म प्रकट होता है। यदि कर सको तो करना, जिसने तुम्हारा सर्वनाश किया हो, उसके नाश करने का भाव नहीं करना, कभी शिक्षा देने के लिए दंडित करना तो उसकी मनाही नही है लेकिन अंदर से बैर भाव मत रखना। बाहर से क्या सोचना- इसको दंडित तो करना है, नहीं तो उसका कल्याण कैसे होगा? जिस धर्मात्मा का कोई फॉलोअर नहीं, वो धर्मात्मा नहीं क्योंकि वह सम्यकदर्शन से विकलांग है। दूसरा प्रभावना अंग का अर्थ है कि तुम धर्मात्मा हो कि नहीं, क्या तुमने कोई ऐसा धर्म पाला है, जिसे देखकर किसी को धर्म करने का भाव आया हो। मुनि बने हो क्या तुम्हारी मुनिचर्या को देखकर किसी को मुनि बनने का भाव आया हो? तुम दानी बने हो क्या तुम्हारे दान को देखकर किसी को दान देने का भाव, तुम रात्रि भोजन त्यागी हो क्या तुम्हारे त्याग को देखकर किसी ने रात्रिभोजन त्याग का भाव किया। यदि ऐसा नहीं किया है तो आपका सम्यकदर्शन विकलांग है। प्रभावना का अर्थ यही है जो तुमने अच्छा कार्य किया है, उससे दूसरा प्रभावित है कि नहीं। किसी भी अच्छे कार्य की कसौटी यही है, क्या दूसरा अनुकरण करना चाहता है। **-अभिषेक जैन लुहाड़िया**

## एम्स रायपुर में राष्ट्रीय नेत्रदान पखवाड़ा 2024 का आयोजन

**रायपुर ( विश्व परिवार )।** एम्स रायपुर के नेत्र रोग विभाग द्वारा 25 अगस्त से 8 सितंबर 2024 तक राष्ट्रीय नेत्रदान पखवाड़ा मनाया गया। इस वर्ष पखवाड़े का थीम आई कैन सी क्लियरली नाउ रहा जिसके तहत नेत्रदान के महत्व के बारे में जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से कई प्रभावशाली गतिविधियों का आयोजन किया गया।

यह पहल 1985 में स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा शुरू की गई थी, जिसका उद्देश्य लोगों में नेत्रदान के प्रति जागरूकता लाना और नेत्रदान हेतु शपथ लेने के लिए प्रेरित करना है।

एम्स रायपुर में दो सप्ताह तक चले इस आयोजन के दौरान विभिन्न समूहों को शामिल करने के लिए कई गतिविधियों का आयोजन किया गया। प्रमुख आकर्षणों में नेत्रदान पर नुक्कड़ नाटक का आयोजन शामिल था, जो नेत्र विभाग के ओपीडी प्रतीक्षालय में हुआ, इसके बाद एक केन्द्रित सत्र का आयोजन किया गया, जिसमें प्रतिभागियों को नेत्रदान के महत्व के बारे में जानकारी दी गई। समाज के सभी वर्गों तकसंदेश पहुंचाने के लिए नेत्रदान विषय पर रेडियो कार्यक्रम भी प्रसारित किया गया साथ ही नर्स जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें स्वास्थ्य कार्यकर्ताओ विशेष रूप से नर्सों की महत्वपूर्ण भूमिका को रेखांकित किया गया और उन्हें नेत्रदान में सहयोग के लिए प्रेरित किया गया। इस आयोजन के हिस्से के रूप में रायपुर के बड़े तरैया में नेत्रदान के समर्थन में एक वॉकथॉन का आयोजन किया गया।

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-3)
शंकर नगर पानी टंकी के नीचे, रायपुर
E-mail ID - rmczone3@gmail.com

पत्र क्र./14296/ न.पा.नि./जोन क्र.-3/2024
रायपुर, दिनांक 06-09-2024

**इश्तिहार**

**नामांतरण प्र.क्र. 14296**
**वार्ड का नाम-29- गुरू गोविंद सिंह वार्ड**

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड- 29 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR334D00205** जो कि निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **NEELA MANDAL, RATAN MANDAL GOKUL MANDAL, ROBIN MANDAL** पिता/पति श्री/श्रीमती **S/O LATE. RANJEET MANDAL** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **RAVI MANWANI** पिता/पति श्री/श्रीमती **S/O LATE. BHAGVAN DAS MANWANI** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
**श्री जसदेव सिंह बाबरा**
**( जोन कमिश्नर )**
**जोन क्रं.- ( 3 )**
**नगर पालिक निगम, रायपुर ( छ.ग. )**

www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com

दैनिक
# विश्व परिवार

बिलासपुर संभाग

रायपुर सोमवार 09 सितंबर 2024



# शिक्षक ही हमारे जीवन से अज्ञानता के अंधकार को दूर कर उसे ज्ञान के प्रकाश से भरते हैं - नेहा वर्मा

## श्री अग्रसेन कन्या महाविद्यालय में धूमधाम से मनाया गया शिक्षक दिवस

**कोरबा (विश्व परिवार)।** श्री अग्रसेन कन्या महाविद्यालय कोरबा में शिक्षक दिवस सम्मान समारोह धूमधाम से मनाया गया। इस अवसर मे मंचीय कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के तौर पर जिले की अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्रीमती नेहा वर्मा, विशिष्ट अतिथि के रूप में अग्रवाल सभा कोरबा के संस्थापक सदस्य बजरंग अग्रवाल रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता अग्रवाल सभा के अध्यक्ष राजेंद्र अग्रवाल ने की। इस अवसर पर श्रीमती नेहा वर्मा ने छात्र-छात्राओं को गुरू-शिष्य परंपरा के संबंध में जानकारी दी। दर्री रोड स्थित प्रतिष्ठित शैक्षणिक संस्थान श्री अग्रसेन कन्या महाविद्यालय में प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन का जन्मदिन शिक्षक दिवस के रूप में मनाया गया। इस दौरान उन्हें नमन करते हुए उनके बताए राह पर चलने का संकल्प लिया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि की

आसंदी से अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्रीमती नेहा वर्मा ने अपने संक्षिप्त उद्बोधन में कहा कि शिक्षक ही हमारे जीवन से अज्ञानता के अंधकार को दूर कर उसे ज्ञान के प्रकाश से भरते हैं। शिक्षक हमें पढ़ाते ही नहीं, वह हमारे भविष्य को आकार भी देते हैं, जिससे हम एक जिम्मेदार नागरिक बनते हैं। शिक्षक ही हमारी गलतियां हमें बताते हैं, जिसे सुधारकर हमें जीवन के हर नए मोड़ में आने वाली कठिनाइयों से लडने की शक्ति देते हैं। कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि बजरंग अग्रवाल ने अपने संक्षिप्त उद्बोधन में कहा कि बच्चे एक कुम्हार के कच्चे घड़े के समान होते हैं, जिन्हें जिस आकार व रूप में चाहा जाए उनमें परिवर्तित किया जा सकता है। इसलिए अध्यापकों का यह कर्तव्य है कि बच्चों को अच्छी शिक्षा के साथ-साथ उन्हें नैतिक जीवन के भी तौर-तरीके सिखाए जाएं। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे अग्रवाल सभा के अध्यक्ष राजेन्द्र अग्रवाल ने बताया कि गुरू शिष्य की रिश्ता प्राचीनकाल से चलता आ रहा है जो आज भी कायम है। उन्होंने शिक्षक दिवस की महत्ता एवं गुरू शिष्य के रिश्तों का व्याख्यान करते हुए कहा कि छात्रों के भविष्य को उज्जवल बनाने वे आगे चलकर अपने लक्ष्य को प्राप्त कर सकें, यही संस्था का उद्देश्य है। कार्यक्रम को उपस्थित अन्य अतिथियों ने संबोधित करते हुए अपने उद्बोधन में छात्र जीवन में गुरु की महत्ता और छात्र-छात्राओं को शिक्षक की आवश्यकता एवं महत्ता के बारे में अपने-अपने विचार रखें।

## आकाशीय बिजली की चपेट में आकर एक किसान की मौत

**कोरबा (विश्व परिवार)।** जिले के उरगा थाना क्षेत्र में ग्राम पंचायत पचपेड़ी में आकाशीय बिजली गिरने से एक किसान की मौत हो गई तथा दो लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। जिन्हें उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मिली जानकारी के अनुसार फूल दास (30) और पत्नी किरण महंत और उसके पिता रामदास तीनों गांव से लगे खेत में काम करने गए हुए थे। जहां शनिवार की दोपहर 3:30 बजे लगभग अचानक मौसम का बदला और जोरदार बारिश के साथ बिजली गिरी और आकाशीय बिजली की चपेट में आने से तीनों खेत में ही गिर गए। इस घटना में फूल दास की घटनास्थल पर ही मौत हो गई ,वहीं किरण महंत और रामदास गंभीर रुप से घायल हो गये। आसपास के लोगों ने तत्काल तीनों को खेत से उठाकर घर पहुंचाया। हालांकि फूलदास की मौत हो चुकी थी वहीं किरण और रामदास को नजदीकी अस्पताल के लिए रवाना किया गया जहां दोनों की हालत बेहद गंभीर बनी हुई है।

## संक्षिप्त समाचार

### देवपहरी में पीएम जनमन का शिविर का हुआ आयोजन

**कोरबा (विश्व परिवार)।** कलेक्टर अजीत वसंत के निर्देशन में विशेष पिछड़ी जनजाति पहाड़ी कोरवा व बिरहोर बाहुल्य क्षेत्रों में शिविर का आयोजन कर लोगों को शासकीय योजनाओं का लाभ दिलाया का रहा है। शिविर में विभिन्न विभागो द्वारा योजनाओं से वंचित ग्रामीणों का आवश्यक दस्तावेजों की पूर्ति कर उन्हें प्राथमिकता से लाभांवित किया जा रहा है। इसी कड़ी में कोरबा विकासखण्ड के ग्राम पंचायत देवपहरी में जनमन शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी श्री जी. एस.मरकाम की उपस्थिति में ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारी श्री सज्जाद मोहम्मद बरपाली, श्री एम एस कंवर कुदमुरा एवं ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारी क्षेत्र लेमरू रूद्रेश मरावी के द्वारा ग्राम जामभाट्ठा, हरदी महुआ, बरपानी, देवद्वारी के 52 पहाड़ी कोरबा एवं बिरहोर जनजाति के कृषकों का पीएम किसान सम्मान निधि योजना अंतर्गत ई केवाईसी, लैंड-सीडींग, आधार सीडिंग तथा फिजिकल वेरिफिक्रेशन का कार्य कर उन्हें लाभांवित किया गया।

### कांग्रेस ने शिक्षा के प्रति समर्पित शताधिक शिक्षकों को शाल फल से सम्मनित किया

**रायगढ (विश्व परिवार)।** जिला कांग्रेस कमेटी रायगढ़ द्वारा शिक्षक सम्मान समारोह कार्यक्रम जिसको पिछले कुछ वर्षों से लगातार मनाया जा रहा है इस वर्ष भी गरिमामयी वातावरण में गौशाला के पास स्थित सामुदायिक भवन में मनाया गया जिसमें 100 से अधिक शिक्षकों जिनमे सेवानिवृत व अध्यापन कार्य मे लगे हुए भी शिक्षक हैं उन्हें शाल फल व माला पहनाकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में वरिष्ठ शिक्षकों के प्रेरणामयी उदबोधन भी हुए। इस अवसर पर कार्यक्रम को संचालित करते हुए कांग्रेस महामन्त्री शाखा यादव ने कहा शिक्षक विद्यर्थियों का भविष्य गढ़ने के साथ-साथ उन्हें सामाजिक सरोकार से जोड़ने के लिए पूरी निष्ठा और लगन के साथ जुटे रहते है अतएव हम कांग्रेसजन उन्हें सम्मान देते है। वहीं रायगढ़ महापौर जानकी काटजू ने कहा शिक्षकों का सम्मान वास्तव में शिक्षा के प्रति उनके समर्पण का सम्मान है। जिला कांग्रेस अध्यक्ष अनिल शुक्ला ने कहा शिक्षक सम्मान से सम्मानित शिक्षकों ने अपने अध्यापन शैली, विविध नवाचार एवं सामाजिक दायित्वों के माध्यम से नये आयाम स्थापित किए हैं।हमें उनके शिक्षा क्षेत्र में किये योगदान को कभी नहीं भूलना चाहिए। कार्यक्रम में मुख्य रूप से उपस्थित कांग्रेस जनों में पूर्व शहर कांग्रेस अध्यक्ष दीपक पांडेय, जिला कांग्रेस अध्यक्ष अनिल शुक्ला, महापौर जानकी काटजू, प्रभारी महामन्त्री शाखा यादव , विकास ठेठवार, रिंकी पांडेय, वीनू बेगम, इम्तियाज खान व वार्ड के सम्मानित नागरिक कामकेश वास ,दुर्गेश यादव उपस्थित थे। वहीं शिक्षक सम्मान ग्रहण करने वालों में मुख्य रूप से विकास मिश्रा ,राजेश डेनियल,सुलेखा पंडा,तीज पटवा,रमा पांडेय,सरिता उपाध्याय,केदार वास,महेंद्र पड़िहारी,भागीरथी पटेल,प्रदीप उपाध्याय,सुनीता पांडेय,शीलू डेनियल,दिनेश पांडेय सहित अन्य गणमान्य गुरुवर उपस्थित थे।

### मराठी कला संस्कृति अकादमी बनाने मुख्यमंत्री से रखी मांग

**कोरबा (विश्व परिवार),।** प्रदेश के अनेक महाराष्ट्र मंडलों के जिला अध्यक्षों एवं अन्य पदाधिकारीयों के 16 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल ने मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय से मुलाकात की। इस अवसर पर छत्तीसगढ़ के विकास में सहभागी अन्य सभी प्रादेशिक भाषा-भाषिओं के सांस्कृतिक, सामाजिक उत्थान के लिए प्रदेश में छत्तीसगढ़ सर्व संगठन के गठन की प्रमुख मांग रखने पर माननीय मुख्यमंत्री जी ने प्रतिनिधिमंडल को आश्वस्त किया कि अफ्सरों से इस बाबत में चर्चा करेंगे । दूसरी प्रमुख मांग के रूप में छत्तीसगढ़ राज्य मराठी कला एवं संस्कृति अकादमी गठित करने के संबंध में विस्तार से चर्चा हुई । उन्हें बताया गया कि छत्तीसगढ़ राज्य के अस्तित्व में आने से पहले ही मध्यप्रदेश में ऐसी ही एक अकादमी संचालित है । छत्तीसगढ़ राज्य की स्थापना के पूर्व से ही प्रदेश में शिक्षा , साहित्य , उद्योग , खेल , विज्ञान , पर्यावरण जागरूकता जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों में प्रदेश के विकास में महाराष्ट्रीयन प्रमुख सहभागी रहे हैं जो कि वर्तमान में भी यथावत जारी है । महाराष्ट्र मंडल कोरबा के अध्यक्ष एवं शिक्षाविद् श्री हेमन्त माहुलीकर के संयोजन एवं महाराष्ट्र मंडल रायपुर के अध्यक्ष श्री अजय काले के मार्गदर्शन में जगदलपुर , राजनांदगांव , दुर्ग ,भिलाई ,बिलासपुर , कोरबा के प्रतिनिधियों ने मुलाकात की । प्रतिनिधि मंडल में जिला मराठा समाज कोरबा के संरक्षक श्री अश्वनी कदम उपस्थित थे । श्री माहुलीकर ने मुख्यमंत्री का शॉल श्रीफल से सम्मान करते हुए आग्रह किया कि प्रदेश में गठित अनेकों बोर्ड , निगम , आयोग और सामाजिक मंडलों में महाराष्ट्रीयनों को योग्यता अनुसार प्रतिनिधित्व दिया जाए । प्रदेश में मराठीयों की अग्रणी संस्था महाराष्ट्र मंडल रायपुर में माननीय मुख्यमंत्री जी को गणेश उत्सव में सपरिवार सम्मिलित होने का आमंत्रण दिया गया ।

# कोरबा पुलिस को गृहमंत्री ने दिखाया आईना डीजल-कबाड़ चोरी रोकने का दिया निर्देश

**कोरबा (विश्व परिवार)।** छत्तीसगढ़ के गृहमंत्री विजय शर्मा ने कोरबा जिला पुलिस को आईना दिखा दिया है। गुरुवार को बिलासपुर में हुई विभागीय बैठक में गृहमंत्री ने, जिला पुलिस अधीक्षक सिद्धार्थ तिवारी को डीजल और कबाड़ चोरी पर अंकुश लगाने का निर्देश दिया। गृहमंत्री गत गुरुवार को बिलासपुर रेंज के पुलिस अधीक्षकों की बैठक ले रहे थे। गृहमंत्री के इस निर्देश से यह बात पुष्ट हो गई है कि जिले में डीजल और कबाड़ चोरी का कारोबार पूर्व की तरह निर्बाध गति से चल रहा है। गृहमंत्री ने कोरबा जिले में प्रतिदिन हो रहे लाखों रुपयों की कोयला चोरी और तस्करी पर रोक लगाने का निर्देश क्यों नहीं दिया, यह आश्चर्य की बात है। यहां उल्लेखनीय है कि इंडियन ऑयल के डिपो से निकलने वाले वाहनों से तो नियमित रूप से डीजल और पेट्रोल की चोरी हो ही रही है, इसके अलावे एस ई सी एल की कोयला खदानों से भी प्रतिदिन लाखों रुपयों की डीजल की चोरी हो रही है। लम्बे समय बाद पता नहीं कैसे हाल ही में दीपका पुलिस ने डीजल चोरी का एक प्रकरण बनाया था। इसी कड़ी में बताते चलें कि जिले में स्थापित एस ई सी एल की सभी कोयला खदानों में कोयला की चोरी और तस्करी भी बेखौफ जारी है। खासकर दीपका, गेवरा और कुसमुंडा कोयला खदान तो डीजल और कोयला चोरों का स्वर्ग कहा जाता है। एस ई सी एल की मानिकपुर कोयला खदान भी कोयला चोरों और तस्करों की दैनिक आय का जरिया बना हुआ है। मानिकपुर रेलवे साइडिंग में तो दोतरफा कोयला चोरी हो रही है। एक तो साइडिंग के लिए आने वाले कोयले की चोरी और तस्करी हो रही है, तो दूसरी ओर रेल्वे स्टेशन में मालगाड़ियों से ओव्हर लोड के नाम पर निकाले जाने वाले कोयले की बेधड़क तस्करी की जा रही है। इसी तर्ज पर रेलवे स्टेशन सरगबुंदिया में कोयले की तस्करी की जा रही थी, जिस पर पूर्व गृहमंत्री ननकीराम कंवर द्वारा शिकायत करने के बाद रोक लग गई है। लेकिन इस मामले में भी जांच के नाम पर रेल्वे प्रबन्धन ने खानापूर्ती बस की है, जिसकी शिकायत केन्द्रीय मंत्री से पूर्व गृहमंत्री ने की है।

# छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट के सभी जिला न्यायालयों में शुरू हुआ आनलाईन आरटीआई वेब पोर्टल

**बिलासपुर (विश्व परिवार)।** पारदर्शिता व नागरिकों तथा वादकारियों को सुविधा प्रदान करने व सशक्त बनाने की दिशा में एक नए अध्याय की शुरूवात करते हुए छत्तीसगढ उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधिपति न्यायमूर्ति रमेश सिन्हा ने गुरुवार को उच्च न्यायालय तथा राज्य के समस्त जिला न्यायालयों के लिए 'आनलाईन आर.टी.आई वेब पोर्टल' का शुभारंभ किया। इस पोर्टल के माध्यम से सूचना के अधिकार के तहत् आवेदनों को प्रस्तुत किया जा सकता है और उन्हें रियल टाईम ट्रैक किया जा सकता है और इसके माध्यम से सूचना के अधिकार के तहत् लगने वाले शुल्क का भुगतान भी किया जा सकता है। इस आरटीआई. वेबपोर्टल के माध्यम से दुनिया के किसी भी स्थान से सूचना प्राप्त करने हेतु आवेदन प्रस्तुत किया जा सकेगा। इस वेब पोर्टल के शुभारंभ सत्र को संबोधित करते हुए मुख्य न्यायाधिपति न्यायमूर्ति श्री रमेश सिन्हा ने व्यवत किया कि यह आनलाईन पोर्टल पारदर्शिता, जवाबदेही व नागरिक सशक्तिकरण की दिशा में मील का पत्थर साबित होगा। मुख्य न्यायाधिपति ने यह भी व्यवत किया कि इस वेबपोर्टल का उद्देश्य है कि नागरिकों को सूचना प्राप्त करने की प्रक्रिया को अधिक प्रभावी, पारदर्शी व सुलभ बनाना है। यह वेबपोर्टल एक केन्द्रीय प्लेटफार्म की तरह कार्य करेगा जहां नागरिक सूचना के अधिकार के तहत् आवेदन को प्रस्तुत कर सकेंगे और उसके प्रगति को ट्रैक कर सकेंगे और सूचना प्रदान करने वाले अधिकारी की प्रतिक्रियाओं को तत्काल जान सकेंगे और यदि असंतुष्ट हैं तो अपील कर सकेंगे।

## मुख्यमंत्री की पहल पर विशेष पिछड़ी जनजाति कोरवा बाहुल्य महुआपनी गांव में पहली बार पहुंचेगी बिजली

**जशपुरनगर (विश्व परिवार)।** आजादी के लंबे इंतजार के बाद विशेष पिछड़ी जनजाति कोरवा बाहुल्य बगीचा ब्लॉक ग्राम पंचायत सूलेसा के महुआपनी में आखिरकार वह दिन आने वाला है, जब अंधेरे को चीरते हुए बिजली की रोशनी पहुंचेगी। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के संवेदनशील पहल की वजह से पीएम जनमन योजना के तहत इस गांव में बिजली पहुंचाने कार्य की स्वीकृति मिल चुकी है। बिजली पहुंचने वाली है यह खबर मिलते ही गांव में उत्सव का माहौल है। ग्रामीणों ने मुख्यमंत्री को धन्यवाद दिया है। जशपुर जिला मुख्यालय से लगभग 85 किलोमीटर दूर बगीचा ब्लॉक के ग्रामपंचायत सूलेसा के महुआपनी में 100 से अधिक विशेष पिछड़ी जनजाति कोरवा समुदाय के परिवार निवासरत हैं। यह इलाका पहाड़ी क्षेत्र और जंगलों के बीच बसा है। ग्रामीणों ने गांव में बिजली नहीं होने की समस्या के बारे में मुख्यमंत्री कैंप कार्यालय में आवेदन दिया था। कैंप कार्यालय ने उनके मर्म को समझते हुए त्वरित कार्यवाही की। आखिरकार यहां पीएम जनमन योजना से बिजली पहुंचने वाली है। पीढ़ियों से जंगलों के घने साये में जीवन गुजारने वाले कोरवा जनजाति के गांव में पहली बार बिजली की चमक दस्तक देगी जो की यहां पर शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार के नए रास्ते भी खुलेंगे। यहां के लोग दुनिया से बेहतर तरीके से रूबरू हो पाएंगे। तकनीक की समझ बढ़ेगी जो इनके जीवन में आसानी लाएगी। खबर मिलते ही उत्साहित गांव के आलु राम,भदई राम, खुलु पैकरा, और रामबिसाल यादव ने बताया की बिजली पहुंचने वाली है यह खबर हमारे लिए एक बड़ा उत्सव की तरह है।

# जन्म और मृत्यु जीवन के सबसे बड़े दुःखः अतुल कृष्ण

### मेहर वाटिका में व्यासपीठ से अतुल कृष्ण भारद्वाज करा रहे रसपान

**कोरबा (विश्व परिवार)।** शहर के हृदय स्थल पर मेहर वाटिका में भागवत कथा की बयार बह रही है। व्यासपीठ से आचार्य अतुल कृष्ण भारद्वाज के श्रीमुख से कथा उच्चरित हो रही है जिसे श्रवण करने बड़ी संख्या में नगर के भागवत प्रेमी श्रद्धालु जन पहुंच रहे हैं। कथा व्यास अतुल कृष्ण भारद्वाज ने दूसरे दिन की कथा में भीम स्तुति, परीक्षित जन्म एवं सुकदेव परीक्षित संवाद का वर्णन किया। कथा को विस्तार देते हुए आचार्य ने कहा कि कि जन्म लेना और मृत्यु होना मनुष्य के जीवन में अति दो सबसे बड़े दुख हैं। मनुष्य का जन्म बड़े दुरूखों के साथ होता है और मृत्यु भी दुरूख ही करती है, फिर भी मनुष्य यह जानते हुए संसार में सुख और आनंद की तलाश करते हैं। वास्तव में उसने अपने जीवन का लक्ष्य कभी परमात्मा को बनाया ही नहीं। कथा श्रवण कर यदि मनुष्य आत्म चिन्तन कर उस पर अमल करे तो जीवन का अर्थ ही बदल जायेगा। उन्होंने कहा कि आज मनुष्य अपने लक्ष्य से भटक गया है, अच्छी नौकरी, व्यवसाय करना ही जीवन का लक्ष्य नहीं है। परिवार का पालन यह सब उसके कर्म व कर्तव्य है, लेकिन उसका लक्ष्य नहीं हो सकता है। उसका लक्ष्य परमात्मा की प्राप्ति का होना चाहिए। कर्म सारे शरीर को करने हैं, उसे करते रहना चाहिए। शरीर का सम्बन्ध संसार के साथ होता है और आत्मा का सम्बन्ध परमात्मा के साथ। मृत्यु होने पर शरीर संसार में ही नष्ट हो जाता है, शरीर के रिश्ते केवल संसार तक ही सीमित हैं और आत्मा को परमात्मा अपने साथ ले जाते हैं। जीवन के लक्ष्य केवल परमात्मा की प्राप्ति का होना चाहिए और संसार में रहते हुए शरीर से जो भी कार्य हो रहे हों, वह परमात्मा का मानकर करते रहना चाहिए। आचार्य भारद्वाज महाराज ने बताया कि कलयुग में भगवान को पाने का सबसे अच्छा तरीका है, सतयुग में तप से, त्रेतायुग में जप और ध्यान से पाया जा सकता था, लेकिन कलयुग में तो भगवान की भक्ति से ही परमात्मा को पाया जा सकता है और यह भक्ति बिना राधा रानी के प्राप्त होने वाली नहीं है। जो निरूस्वार्थ भाव से भगवान की भक्तिश् करता है, उसे राधा रानी की कृपा प्राप्त होती है। उन्होने कहा है कि कलयुग में मनुष्य जितना भी ध्यान लगा ले लेकिन ध्यान लगने वाला नहीं है, इसीलिए ध्यान लगाने की बजाय वह जीवन में ध्यान से चलता रहे, तो अच्छा है। संसार में रहते हुए वह बुद्धि-मन से योगी हो जाए और चित्त में भगवान को उतार ले, क्योंकि बुद्धि कभी स्थिर नहीं रहती, वह मन के आदेश पर चलती है। मन और बुद्धि ने मान लिया और बुद्धि ने कहा मन ने मान लिया लेकिन यह चित्त में उतार लिया, तो फिर भगवान की भक्ति प्राप्त हो जायेगी।

# छात्रों को नहीं उठाना पड़ेगा जोखिम, सिंदुरगढ़ नाला में बनेगा पुल : कलेक्टर

**कोरबा (विश्व परिवार)।** सिंदुरगढ़ क्षेत्र में एक प्राथमिक विद्यालय जाने के लिए विद्यार्थियों को रोजाना नाला पार करने के दौरान जोखिम मोल लेने की स्थिति पर सिस्टम हरकत में आ गया है। जानकारी होने पर अब यहां पुल का निर्माण स्वीकृत किया जा रहा है। जल्द ही यहां पर इसका निर्माण कराया जाएगा। कोरबा जिले के पोंड़ी उपरोड़ा विकासखंड सिंदूरगढ़ क्षेत्र के प्राथमिक विद्यालय में पढने वाले बच्चों को अपने गांव से स्कूल पहुंचने के लिए काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। अपने घर से स्कूल पहुंचने के दौरान बीच रास्ते में एक बारहमासी नाला मौजूद है जो बारिश में काफी खतरनाक हो जाता है। ऐसे में विद्यार्थियों को एक छोर से दूसरे छोर जाने के लिए काफी जोखिम उठानी पड़ती है। यहां पर वैकल्पिक व्यवस्था

करते हुए लकड़ी के पटरी रखे जाते हैं और फिर गांव की मितानिन बच्चों को नाला पार कराती है। यह उसकी दैनिक जिम्मेदारी बनी हुई है इन विद्यार्थियों के प्रति। उसका सोचा यही है कि सभी बच्चे गांव के हैं और जो शिक्षा प्राप्त करने के लिए काफी गंभीर हैं इसलिए वह अपनी भूमिका को सुनिश्चित करने में लगी है। ऐसा इसलिए भी किया जाता है ताकि यहां से पर होने के दौरान विद्यार्थियों के सामने कोई संकट खड़ा ना होने पाए। मीडिया में यह रिपोर्ट सामने आने पर जिला प्रशासन ने ध्यान दिया है। कोरबा के कलेक्टर अजीत वसंत ने बताया कि मामला हमारे संज्ञान में आया है। यह अपने आप में महत्वपूर्ण विषय है जो की रिमोट एरिया से जुड़ा हुआ है। हमने तय किया है कि संबंधित नाला पर पुल निर्माण किया जाना स्वीकृत हो। जल्द ही इस दिशा में कार्यवाही की जाएगी ताकि आगामी समय में इसका क्रियान्वयन हो सके। यहां बताना आवश्यक होगा कि कोरबा जिला अनुसूचित जनजाति बाहुल्य है जहां पर कई इलाके ऐसे भी हैं जो सुविधाओं के मामले में अभी भी पिछड़ेपन का शिकार है। सडक और संचार संपर्क के अलावा कई स्थान पर बिजली की पहुंच नहीं होने से शिक्षकों के साथ-साथ विद्यार्थियों को परेशान होना पड़ रहा है।

# संपादकीय

## आर्थिक चक्र कमजोर

अर्थव्यवस्था इस हद तक कैपेक्स पर निर्भर क्यों है? संकट के समय में आर्थिक हालात को संभालने के लिए यह रास्ता उचित माना जाता है। लेकिन सामान्य समय में भी यही तरीका बचा रहे, तो यही माना जाएगा सामान्य आर्थिक चक्र कमजोर हो चुका है। चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में भारत के सकल घरेलू उत्पाद की वृद्धि दर में बड़ी गिरावट आई। उसके पहले वाली तिमाही में ये दर 7.8 प्रतिशत थी, जो अप्रैल-जून में 6.7 फीसदी रह गई। इसका कारण बताते हुए भारत सरकार के मुख्य आर्थिक सलाहकार वी अनंत नागेश्वरन ने कहा- %यह गिरावट हमारी अपेक्षाओं के अनुरूप है। चुनाव और सरकारी पूंजी खर्च (कैपेक्स) में कमी आने के कारण जीडीपी वृद्धि दर में गिरावट अपेक्षित थी।' लेकिन इस पर जोर देने की जरूरत है कि ऐसी अपेक्षा रहना ही आज भारतीय अर्थव्यवस्था की सबसे बड़ी कमजोरी है। आखिर अर्थव्यवस्था की वृद्धि दर इस हद तक कैपेक्स पर निर्भर क्यों है? और इस तरह सरकार कब तक आर्थिक वृद्धि की ऊंची दर बनाए रख सकेगी? सरकार जो रकम खर्च कर रही है, वह या तो किसी अन्य मद में कटौती करके या फिर ऋण लेकर जुटाया जाता है। संकट के समय में आर्थिक हालात को संभालने के लिए यह रास्ता उचित माना जाता है। लेकिन सामान्य समय में भी यही तरीका अर्थव्यवस्था की रीढ़ बना रहे, तो उसका सीधा अर्थ यह समझा जाएगा कि मांग- उपभोग- निजी निवेश- उत्पादन- बिक्री और मुनाफे का चक्र कमजोर हो चुका है। किसी भी सोच के नजरिए से यह स्वस्थ स्थिति नहीं है। वैसे खुद नागेश्वरन ने ऐसे कई आंकड़ों का जिक्र किया, जिनसे भारतीय अर्थव्यवस्था की कमजोरी जाहिर होती है। मसलन, उन्होंने बताया कि 2023-24 में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश गिर कर 26.6 बिलियन डॉलर रह गया, जबकि 2022-23 में यह 42 बिलियन डॉलर से ज्यादा था। उधर कृषि वृद्धि दर गिर कर दो प्रतिशत रह गई, जबकि 2023-24 की पहली तिमाही में यह 3.7 फीसदी थी। इन आंकड़ों के बावजूद नागेश्वर ने यह दावा दोहराते रहे कि भारतीय अर्थव्यवस्था मजबूत हाल में है और आने वाला समय बेहतर रहेगा। यह मुश्किलों या कमजोरियों पर परदा डालने की अधिकतम कोशिश के वर्तमान सरकार के नजरिए के अनुरूप ही है। मगर इससे समस्याएं हल नहीं हो जातीं। आज इस बात पर गंभीर बहस-मुबाहिशे की जरूरत है कि निजी निवेश का चक्का क्यों रफ्तार नहीं पकड़ रहा है?

# समाज के नायक शिक्षकों का सम्मान...

अनुज आचार्य

हर किसी के जीवन में एक गुरु या शिक्षक का होना बेहद आवश्यक है। इसलिए हम सभी को सदा शिक्षकों का मान-सम्मान करना चाहिए और उनकी बातों पर अमल करना चाहिए। हमारी बाल्यावस्था से लेकर महाविद्यालयीन शिक्षा के दरमियान अनेकों शिक्षक हमारा मार्गदर्शन करते हैं और विभिन्न तकनीकों से हमें भावी जीवन की चुनौतियों के लिए तैयार करते हैं गाइ कावासाकी के अनुसार, 'अगर आपको किसी को ऊंचे स्थान पर रखना है, तो शिक्षकों को रखें। वे समाज के नायक हैं।' भारत में प्रतिवर्ष 5 सितंबर को शिक्षक दिवस पर जब हम अपने श्रेष्ठ अध्यापकों द्वारा शिष्यों के प्रति निभाई गई उनकी कर्तव्यपरायणता के लिए उन्हें याद करते हैं, सम्मानित करते हैं तो वहीं उन कतिपय कदाचारी अध्यापकों का भी स्मरण हो आता है जिनकी निकृष्ट सोच, हवस और गिरी हुई हरकतों के चलते समस्त शिक्षक जगत को आलोचना प्रताडऩा का संताप झेलना पड़ता है। शिक्षा का वास्तविक उद्देश्य चरित्र निर्माण ही होता है, जिससे आगे चलकर साहस, ऊर्जा, दृढ़ता, बुद्धि, विवेक और अन्य गुणों में वृद्धि होती है और आप इन गुणों के बलबूते ही अपने लक्ष्य की ओर अग्रसर होते हैं। चरित्र रक्षण को लेकर संस्कृत साहित्य में कहा भी गया है कि, 'वृत्तं यत्नेन संरक्षेद् वित्तमङ्घेति च याति च। अक्षीणो वित्ततः क्षीणो वृत्ततस्तु हतो हतः॥' अर्थात चरित्र की यत्नपूर्वक रक्षा करनी चाहिए। धन तो आता-जाता रहता है। धन के नष्ट होने पर भी चरित्र सुरक्षित रहता है, लेकिन चरित्र नष्ट होने पर सब कुछ नष्ट हो जाता है। लेकिन हम साल दर साल कई शिक्षकों के अमर्यादित आचरण से कलंकित होते शिक्षक समाज की व्यथा से पार नहीं पा रहे हैं। आजकल हमारे अध्यापकों के समक्ष वर्तमान भौतिकतावादी जीवन के दृष्टिगत अपने शिक्षार्थियों में न केवल भारतीय संस्कृति के अनुरूप उच्चकोटि के संस्कारों का परिमार्जन करने की चुनौती है, अपितु उन्हें आगामी जीवनपथ पर आने वाली



कठिनाईयों-संघर्षों से लडऩे का जीवट कैसे पैदा हो, यह सामर्थ्य व साहस भरने का दृष्टिकोण विकसित करने की गुरुतर जिम्मेदारी भी है। अध्यापकों को शिक्षण कार्य के इतर कई प्रकार की गतिविधियों को संचालित करना होता है ताकि विद्यार्थियों का सर्वांगीण चहुंमुखी विकास हो, लेकिन इधर बीते वर्षों में शिक्षा व्यवस्था को ही बेतरतीब भारी भरकम पाठ्यक्रम, शैक्षणिक कार्य के अलावा अन्य कार्यों का संपादन एवं विभिन्न दिवसों के आयोजन के घालमेल वाला बना दिया गया है। आज नन्हें बच्चों का बस्ता भारी है, प्राइमरी शिक्षा प्रणाली वाले स्कूलों में अध्यापकों का अभाव है और बच्चों के लिए भम्रण कार्यक्रमों आदि की व्यवस्था न होना भी उनके सर्वांगीण विकास को प्रभावित कर रहा है। स्कूलों में खेल, वाद विवाद, भाषण, संगीत आदि प्रतियोगिताओं का महज खानापूर्ति के लिए आयोजन होने से हम आज भी वास्तविक शैक्षिक लक्ष्यों से कोसों दूर हैं। लेकिन हमें तमाम अवरोधों बाधाओं के बावजूद आगे बढऩा होगा। विनम्रता, धैर्य और दृढ़ता ये सभी गुण एक प्रेरक शिक्षक की पहचान हैं। शिक्षकों में बालकों के समक्ष आने वाली चुनौतियों से सामना करने के लिए और उनका मार्गदर्शन करने का महनीय सामर्थ्य होना चाहिए। तभी वे समाज में सार्थक बदलाव ला सकते हैं और अपने शिष्यों के महान रोल मॉडल भी बन सकते हैं। जहां तक हिमाचल प्रदेश की शैक्षिक प्रगति का सवाल है तो हिमाचल प्रदेश की साक्षरता दर अब आजादी के समय के 8 प्रतिशत से बढक़र 88 प्रतिशत से अधिक हो गई है। इसमें पुरुष साक्षरता दर 89.53 प्रतिशत है जबकि महिला साक्षरता दर 75.93 प्रतिशत है। वर्तमान समय में प्रदेश में लगभग 15 लाख छात्र शैक्षणिक संस्थानों में नामांकित हैं, जिनमें से 55 प्रतिशत छात्र सरकारी संस्थानों में हैं एवं राज्य सरकार नामांकन प्रतिशत को बढ़ाने के लिए प्रयास कर रही है। हिमाचल प्रदेश सरकार ने डा. यशवंत सिंह परमार विद्यार्थी ऋण योजना शुरू की है, जिसके तहत विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा के लिए एक प्रतिशत ब्याज दर पर 20 लाख तक का ऋण उपलब्ध कराया जा रहा है। हिमाचल सरकार सभी 68 विधानसभा क्षेत्रों में राजीव गांधी राजकीय मॉडल डे बोर्डिंग स्कूल भी बना रही है जो अत्याधुनिक सुविधाओं से लैस होंगे। हाल ही में मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने शिक्षा विद्या केंद्र का शुभारंभ किया है। केंद्र सरकार के समग्र शिक्षा विकास कार्यक्रम के तहत समीक्षा केंद्र खोलने वाला हिमाचल देश का तीसरा राज्य बन गया है। विद्या समीक्षा केंद्र डेटाबेस और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस पर आधारित होगा। हिमाचल प्रदेश के सरकारी स्कूलों के 200 शिक्षकों को एक्सपोजर विजिट के लिए सिंगापुर भेजा गया था और अब सरकार ने विद्यार्थियों को भी एक्सपोजर विजिट पर विदेश भेजने का निर्णय लिया है। हिमाचल प्रदेश सरकार ने मुख्यमंत्री सुख शिक्षा योजना शुरू की है। इस योजना का मुख्य उद्देश्य विधवा, बेसहारा, तलाकशुदा महिलाओं और दिव्यांग माता-पिता को उनके बच्चों की शिक्षा और कल्याण के लिए वित्तीय सहायता प्रदान करना है। शिक्षा विभाग में शून्य पंजीकरण वाले 99 स्कूलों और दो से पांच संख्या विद्यार्थियों वाले 460 स्कूलों को बंद करके सरकार ने सकारात्मक बदलाव की दिशा में साहसिक कदम बढ़ाए हैं। प्रतिवर्ष शिक्षक दिवस हमें एक मौका उपलब्ध करवाता है जब हम कह सकते हैं कि शिक्षक का हमारे जीवन में अमूल्य योगदान है। शिक्षकों के बिना यह मनुष्य जीवन सार्थक नहीं है। हर किसी के जीवन में एक गुरु या शिक्षक का होना बेहद आवश्यक है। इसलिए हम सभी को सदा शिक्षकों का मान-सम्मान करना चाहिए और उनकी बातों पर अमल करना चाहिए। हमारी बाल्यावस्था से लेकर महाविद्यालयीन शिक्षा के दरमियान अनेकों शिक्षक हमारा मार्गदर्शन करते हैं और विभिन्न तौर तरीकों, उपायों और तकनीकों से हमें भावी जीवन की चुनौतियों के लिए तैयार करते हैं। जब कोई विद्यार्थी किसी शिक्षक को मिलकर यह कहता है कि आदरणीय गुरुवर आज मैं जिस मुकाम पर हूं, वहां तक पहुंचाने में आपका भी योगदान है, तो समझिए उस शिक्षक के लिए इससे बड़ी प्रशंसा और क्या हो सकती है। आज शिक्षक दिवस के शुभ अवसर पर सभी शिक्षकों, विद्यार्थियों एवं दैनिक 'दिव्य हिमाचल' के सुधी पाठकों को हार्दिक बधाईयां।

## आलेख

# अमेरिका की ओर दोस्ती का हाथ बढ़ाना चाहता है चीन?

क्या जो बाइडन अपने उत्तराधिकारी की राह आसान बनाने की कोशिश कर रहे हैं? यह हो भी सकता है। क्या चीन, अमेरिका की ओर दोस्ती का हाथ बढ़ाना चाहता है? यह भी हो सकता है। अमेरिका के दोस्त देशों के साथ चीन के टकराव की आशंकाएं हैं और इनमें अमेरिकी सेना के उलझने का खतरा भी है। ऐसी ही एक घटना फिलिपीन्स व चीन के बीच विवादित सबीना शेओल के निकट हुआ टकराव था, जहां चीनी तटरक्षक जहाजों ने फिलीपीनी जहाजों को टक्कर मारी और उन पर पानी की बौछारों से हमला किया। ऐसा ही एक दूसरा चिंताजनक मसला ताईवान का है। कुछ दिन पहले अमेरिकी राष्ट्रपति के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार जैक सुलिवन, जो पिछले चार सालों से वाशिंगटन की चीन नीति के निर्धारण में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं, तीन दिन की यात्रा पर चीन गए। वहां उन्होंने राष्ट्रपति शी जिनपिंग से मुलाकात की और वे चीन के सेन्ट्रल मिलिट्री कमीशन के उपाध्यक्ष झांग यूक्सिया से भी मिले, जो एक दुर्लभ मुलाकात थी। जैसा कि सुलिवन ने भी कहा कोई अमेरिकी पिछले आठ वर्षों में ऐसा नहीं कर सका है। दोनों देशों के बीच तनाव घटाने की कोशिशों के बीच राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार के रूप में सुलिवन की यह पहली बीजिंग यात्रा थी। अमेरिकी अधिकारियों ने दोनों देशों के संबंधों को अत्यंत प्रतिस्पर्धात्मक बताया। ग्रेट हॉल ऑफ द पीपुल में हुई मुलाकात में सुलिवन और शी ने कई विषयों पर चर्चा की, जिनमें चीन और ताईवान के राजनैतिक और आर्थिक रिश्ते, रूस-यूक्रेन युद्ध और दक्षिण चीन सागर से संबंधित मसले शामिल थे। इस बीच राष्ट्रपति शी ने उम्मीद जताई कि अमेरिका, चीन के विकास को सकारात्मक दृष्टि से देखेगा और चीन के साथ मिलकर दोनों बड़े देशों के बीच मैत्री को बढ़ावा देगा। शी ने जोर देकर यह भी कहा कि चीन और अमेरिका दो बड़े देश हैं जिनकी ऐतिहासिक दृष्टि से, दोनों देशों की जनता के प्रति, और दुनिया के प्रति भी बड़ी जिम्मेदारी है और इन्हें विश्व शांति की खातिर, दुनिया के साझा विकास की प्रेरणा और स्थिरता का आधार बनना चाहिए। शी ने जो कहा उसमें आक्रामकता बिल्कुल भी नहीं थी और इसे आधिकारिक रूप से सार्थक एवं उपयोगी बताया गया। दोनों पक्ष इस बात के लिए भी राजी हुए कि आने वाले समय में शी तथा जो बाइडन के बीच फोन पर बातचीत करवाई जाए। लेकिन सुलिवन की झांग यूक्सिया से मुलाकात एक बड़ी घटना थी। ऐसी पिछली मुलाकात 2018 में अमेरिका के तत्कालीन रक्षा मंत्री जैम्स मैटिस और तत्कालीन उपाध्यक्ष जनरल शू किलिंग के बीच हुई थी। सुलिवन और झांग की बैठक उनके बीजिंग प्रवास के तीसरे और अंतिम दिन हुई, जिसका उद्धेश्य दोनों देशों के बीच चल रही होड़ को काबू में रखना था। झांग चीनी राष्ट्रपति शी के नजदीकी माने जाते हैं और उन्हें रक्षा मंत्री से अधिक ताकतवर बताया जाता है। यह बैठक दोनों ताकतों के बीच राष्ट्रीय सुरक्षा, व्यापार और भू-राजनीति को लेकर विवादों के बीच भी चर्चा जारी रखने का प्रयास था। इसे सैन्य मामलों पर चर्चा को धीरे-धीरे दुबारा शुरू करने की दृष्टि से भी एक महत्वपूर्ण माना जा रहा है, जो दो साल पहले अमेरिकी संसद की तत्कालीन स्पीकर नैन्सी पैलोसी की ताईवान यात्रा के बाद से बंद हो गयी थी। सैन्य मामलों में अमरीका का तर्क है कि दोनों देशों की वायुसेना और नौसेना के बीच कोई गलतफहमी न हो इसके लिए और अधिक खुला संवाद जरूरी है क्योंकि दोनों देशों की सेनाएं नियमित रूप से विवादग्रस्त इलाकों जैसे ताईवान स्ट्रेट और दक्षिण चीन सागर में गश्त लगाते रहते हैं। चीनी विदेशमंत्री वांग ने सुलिवन से यह भी कहा कि स्वतंत्र ताईवान, क्षेत्रीय स्थिरता के लिए सबसे बड़ा खतरा है। उन्होंने अमेरिका से मांग की कि वह ताईवान को हथियार देने की बजाए चीन से उसके शांतिपूर्ण एकीकरण का समर्थन करे। इसके जवाब में सुलिवन ने ताईवान पर लगातार डाले जा रहे आर्थिक एवं सैन्य दबाव के प्रति चीन को आगाह किया। उन्होंने रूस के सैन्य उद्योग को चीन द्वारा दी जा रही सहायता और दक्षिण चीन सागर में फिलिपीन्स से चल रहे विवाद में उसकी अस्थितरता उत्पन्न करने वाली कार्यवाहियों को लेकर भी चिंता व्यक्त की। उन्होंने हाल में चीनी लड़ाकू विमानों द्वारा जापानी वायुक्षेत्र का उल्लंघन किए जाने का मुद्दा भी उठाया। यह पहले से ही अपेक्षित था कि बैठक के दौरान तीखी बातें होंगी, क्योंकि दोनों बड़ी ताकतों के बीच की प्रतिस्पर्धा में गठबंधनों को लेकर खींचातानी भी शामिल है। लेकिन जो हम सबने देखा, उसकी अहमियत कम नहीं है।

# अंदरूनी कलह बड़ी भूमिका निभाई....

रजनीश कपूर

हिंदुओं के तीर्थ अयोध्या, रामेश्वरम में मिली हार और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को काशी में पिछली बार के मुक़ाबले बहुत कम अंतर से मिली जीत से कई तरह के सवाल उठते है। इन नतीजों के बाद सरसंघचालक डॉ मोहन भागवत द्वारा %अहंकार' की ओर इशारा करना भी क्या इस बुरे प्रदर्शन का कारण बना? सूत्रों के अनुसार इस बार के चुनावों कम सीट आने के पीछे भाजपा में अंदरूनी कलह ने भी एक बड़ी भूमिका निभाई। अचानक कहीं कुछ नहीं होता, अंदर ही अंदर कुछ घिस रहा होता है, कुछ पिस रहा होता है।' इन पंक्तियों में कवि ने इस बात पर इशारा किया है कि किसी भी काम का विपरीत अंजाम आने पर हमें ऐसा क्यों लगता है कि ऐसा कैसे हो गया? जबकि उसके पीछे के कारणों पर कोई ध्यान नहीं देता। ऐसा ही कुछ हुआ 2024 के उत्तर प्रदेश में लोकसभा चुनावों के परिणामों के बादहै। प्रदेश में बीजेपी को पहले के मुक़ाबले इस बार बहुत कम सीटें मिलीं है। ऐसा क्या कारण था कि भाजपा का प्रदर्शन इतना बुरा रहा? जबकि अयोध्या में भव्य राम मंदिर के निर्माण,अनुच्छेद 370 के हटने और तीन तलाक़ के मुद्दे थे। ये ऐसे कुछ मुद्दे थे जिन पर भाजपा को पूरा विश्वास था कि वह %अबकी बार 400 पार' के अपने नारे को सच कर दिखाएँगे। परंतु ऐसा नहीं हो सका। ऐसा माना जाता है कि दिल्ली की गद्दी का रास्ता लखनऊ से होकर जाता है। इस बार के चुनावों में उत्तर प्रदेश का जो परिणाम रहा उसने सत्तारूढ़ दल को यह सोचने पर मजबूर कर दिया है कि ऐसी कौनसी कमी उनकी नीति मे थी जो वोटरों को अपनी ओर आकर्षित करने में विफल रही? ऐसा क्या हुआ कि पार्टी के कार्यकर्ताओं में वो उत्साह नहीं था जो पिछले दो लोकसभा चुनावों में देखा गया? क्या संगठन के काम करने के ढंग या उनके द्वारा लिये गये ग़लत फ़ैसलों ने ज़मीनी कार्यकर्ताओं को हतोत्साहित किया? क्या उत्तर प्रदेश में या अन्य राज्यों में, जहां भाजपा का प्रदर्शन संतोषजनक नहीं था वहाँ पर उम्मीदवारों के चयन में गलती हुई? हिंदुओं के तीर्थ अयोध्या, रामेश्वरम में मिली हार और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को काशी में पिछली बार के मुक़ाबले बहुत कम अंतर से मिली जीत से कई तरह के सवाल उठते है। इन नतीजों के बाद सरसंघचालक डॉ मोहन भागवत द्वारा %अहंकार' की ओर इशारा करना भी क्या इस बुरे प्रदर्शन का कारण बना? सूत्रों के अनुसार इस बार के चुनावों कम सीट आने के पीछे भाजपा में अंदरूनी कलह ने भी एक बड़ी भूमिका निभाई। जिस तरह केंद्र के नेतृत्व द्वारा राज्य की सरकारों व राज्यों के नेताओं की उपेक्षा की गई और वो फिर जनता के सामने आई वह भी इन नतीजों का कारण बनी। भाजपा और संघ के बीच हुए मतभेदों को भी अनदेखा नहीं किया जा सकता। यदि केंद्र और राज्य के नेतृत्व में कोई मतभेद थे तो उन्हें समय रहते एक मर्यादा के तहत हल किया जाना चाहिए था। भाजपा और संघ के कार्यकर्ताओं का इस बार के चुनावों में सक्रिय योगदान नहीं दिखाई दिया उससे देश भर में एक संदेश गया है कि राष्ट्रीय नेतृत्व ज़मीन से कट गया है। इस बार के चुनावों को इतने चरणों में बाँटने से भी कार्यकर्ताओं की सहभागिता में कमी नज़र आई। कार्यकर्ताओं को इस बात का पूर्ण विश्वास था कि पिछले दस वर्षों में देश में ऐसे कई बदलाव आए हैं जो तीसरी बार भी मोदी सरकार को पूर्ण बहुमत दिलाएँगे। शायद इसी के चलते भी कार्यकर्ताओं में उतना उत्साह दिखाई नहीं दिया। वहीं दूसरी ओर देखें तो समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव और उनके कार्यकर्ताओं ने जिस तरह उत्तर प्रदेश के चप्पे-चप्पे पर अपनी नज़र बनाए रखी और खूब भागदौड़ की वो काफ़ी फ़ायदेमंद रहा। सपा के उम्मीदवारों का चयन और %इंडिया' गठबंधन के घटक दलों का उन पर विश्वास, दोनों ही इन चुनावों में सही साबित हुए। चुनाव के दौरान और चुनाव संपन्न होने के बाद जिस तरह अखिलेश यादव की सेना ने चौकन्ना रह कर स्थानीय प्रशासन और चुनाव आयोग पर दबाव बनाए रखा वो फ़ायदेमंद साबित हुआ। यदि समाजवादी पार्टी के कार्यकर्ता इसी ऊर्जा और रणनीति से अभी से जुटे रहेंगे तो 2027 के विधान सभा चुनावों में भी उनका प्रदर्शन बढिय़ा रहेगा। उत्तर प्रदेश के अगले विधान सभा चुनावों में यदि सही रणनीति और सही उम्मीदवारों का चयन हो, यदि वहाँ की जनता की समस्याओं के समाधान की एक ठोस योजना हो तो उन मतों को भी अपने पाले में लाया जा सकता है जो बुनियादी मुद्दों से भटका दिये गये हैं। इतना ही नहीं, जिस तरह समाजवादी पार्टी को एक विशेष वर्ग के लोगों की पार्टी माना जाता था, उसका भी भ्रम इस बार के चुनावों में टूटा है। सभी हिंदू तीर्थ स्थलों में सपा ने भाजपा को शिकस्त दी है। समाजवादी पार्टी ने जिस तरह %एम-वाई' फैक्टर को नये रूप में पेश किया वह भी काम कर गया है। इस बार के चुनावों %एम-वाई' फैक्टर को %महिला' एवं %युवा' के रूप में देखा गया। यदि इसी तरह की रणनीति के तहत अखिलेश यादव की पार्टी 2027 के विधान सभा चुनावों की योजना बनाए तो उनको अगली विधान सभा में 300 का आँकड़ा पार करना मुश्किल न होगा। ऐसा करने के लिए उन्हें %इंडिया' गठबंधन के दलों को भी अपने साथ लेकर चलना होगा। जिस तरह भाजपा हर समय चुनावी मूड में रहती है यदि विपक्षी पार्टियाँ भी उसी मूड में रहें तो भाजपा को कड़ी टक्कर दे पायेंगी। इसके साथ ही सत्तापक्ष और विपक्ष दोनों को ही इस बात पर भी तैयार रहना चाहिए कि यदि किसी दल को पूर्ण बहुमत नहीं मिलता है तो गठबंधन की सरकार ही विकल्प होता है। यदि कोई भी दल इस अहंकार में रहे कि वो एक बड़ा और प्रभावशाली राजनैतिक दल है और विपक्ष दर्शक दीर्घा में बैठने के लिए है तो फिर उसे तब झटका लगेगा ही जब उसे सरकार बनाने के लिए अन्य दलों के आगे झुकना पड़ेगा। हर दल को जनता के फ़ैसले का सम्मान करना चाहिए।

# ग्राम्य आर्थिकी में कृषि पर्यटन की भूमिका

डा. अमरीक सिंह ठाकुर

खाद्यान्न के लिए ब्लॉक स्तर पर भंडारण सुविधाओं और फलों व सब्जियों के लिए कोल्ड स्टोरेज इकाइयों का निर्माण करके हम फसल के बाद के नुकसान को कम कर सकते हैं और यह सुनिश्चित कर सकते हैं कि किसानों को उनकी उपज का उचित मूल्य मिले कृषि पर्यटन, कृषि और पर्यटन का एक संलयन, पर्यावरणीय स्थिरता को बढ़ावा देने, ग्रामीण क्षेत्रों में आर्थिक विकास को चलाने और गांवों से शहरी केंद्रों में प्रवास की प्रवृत्ति को उलटने के लिए एक शक्तिशाली उपकरण हो सकता है। ग्राम केंद्रित, किसान केंद्रित आर्थिक नीतियों का निर्माण करके, हम स्थायी कृषि प्रथाओं को प्रोत्साहित करने, ग्रामीण आजीविका बढ़ाने और ग्रामीण जीवन के लिए नए सिरे से आर्थिक विकास को बढ़ावा देने के लिए कृषि पर्यटन का लाभ उठा सकते हैं। किसानों के लिए आय के अतिरिक्त स्रोत प्रदान करके, कृषि पर्यटन खेती को अधिक आकर्षक और व्यवहार्य आजीविका विकल्प बना सकते हैं। यह युवा पीढिय़ों के लिए विशेष रूप से महत्वपूर्ण है, जो बेहतर अवसरों की तलाश में ग्रामीण क्षेत्रों को छोडऩे पर विचार कर सकते हैं। यह प्रदर्शित करके कि खेती लाभदायक और पूर्ण दोनों हो सकती है, कृषि पर्यटन ग्रामीण समुदायों में युवाओं को बनाए रखने में मदद कर सकता है और उन्हें खेती को करियर के रूप में लेने के लिए प्रोत्साहित कर सकता है। ग्रामीण क्षेत्रों से शहरी केंद्रों में प्रवास कई क्षेत्रों के लिए एक महत्वपूर्ण चुनौती है, जिससे गांवों की आबादी कम हो रही है और स्थानीय अर्थव्यवस्थाओं में गिरावट आई है। ग्राम केंद्रित और किसान केंद्रित आर्थिक नीतियों द्वारा समर्थित कृषि पर्यटन, ग्रामीण क्षेत्रों में स्थायी आजीविका बनाकर इस प्रवृत्ति को उलटने में मदद कर सकता है। विकेंद्रीकरण, तकनीकी हस्तक्षेप और भंडारण सुविधाओं व प्रसंस्करण इकाइयों जैसे बुनियादी ढांचे के विकास के माध्यम से, कृषि पर्यटन प्रवासन प्रवृत्तियों को उलटने और आत्मनिर्भर ग्रामीण समुदायों के निर्माण के लिए कृषि पर्यटन उत्प्रेरक के रूप में काम कर सकता है। यह उन प्रथाओं को प्रोत्साहित करके पर्यावरणीय स्थिरता को बढ़ावा देता है जो संसाधनों का संरक्षण करते हैं, पारिस्थितिकी तंत्र की रक्षा करते हैं और कृषि के कार्बन पदचिह्न को कम करते हैं। यह उपभोक्ताओं और उनके भोजन के स्रोतों के बीच गहरे संबंध को भी बढ़ावा देता है जिससे स्थायी कृषि प्रथाओं के बारे में अधिक जागरूकता होती है।

कृषि पर्यटन किसानों को स्थायी कृषि विधियों को अपनाने के लिए प्रोत्साहन प्रदान करता है जो न केवल पर्यावरण के अनुकूल हैं, बल्कि आर्थिक रूप से व्यवहार्य भी हैं। कृषि पर्यटन के पर्यटक/आगंतुक अक्सर प्रामाणिक, पर्यावरण के अनुकूल अनुभव चाहते हैं, जो किसानों को जैविक खेती, फसल रोटेशन जैसी प्रथाओं को लागू करने के लिए प्रोत्साहित करते हैं। ये विधियां मिट्टी के स्वास्थ्य को बनाए रखने, पानी के संरक्षण और हानिकारक रसायनों के उपयोग को कम करने में मदद करती हैं, जिससे दीर्घकालिक पर्यावरणीय स्थिरता में योगदान होता है। कृषि पर्यटन के माध्यम से किसान प्रकृति आधारित अनुभवों जैसे पक्षी देखने, वन्यजीव पर्यटन और पर्यावरण के अनुकूल आवास प्रदान करके अपनी आय में आर्थिक विकास को बढ़ावा दे सकते हैं। ये गतिविधियां प्राकृतिक आवासों और जैव विविधता के संरक्षण को प्रोत्साहित करती हैं। अपनी भूमि पर जंगलों, आर्द्रभूमि और अन्य प्राकृतिक क्षेत्रों की रक्षा करके, किसान ग्रामीण परिदृश्य की सुंदरता और शांति का अनुभव करने में रुचि रखने वाले पर्यटकों को आकर्षित कर सकते हैं। यह बदले में, प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण और प्रबंधन की संस्कृति को बढ़ावा देता है। कृषि पर्यटन स्थानीय खपत को बढ़ावा देकर और भोजन की लंबी दूरी के परिवहन की आवश्यकता को कम करके कृषि के कार्बन पदचिह्न को कम करने में मदद कर सकता है। जब पर्यटक खेतों में जाते हैं और ताजा, स्थानीय रूप से उत्पादित भोजन खरीदते हैं, तो यह लंबी दूरी पर ले जाने वाले भोजन की मांग को कम करता है जिससे ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन कम हो जाता है। इसके अतिरिक्त कृषि पर्यटन खेतों पर सौर और पवन ऊर्जा जैसे नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों के उपयोग को बढ़ावा दे सकता है, जिससे कृषि गतिविधियों के पर्यावरणीय प्रभाव को और कम किया जा सकता है। ग्रामीण जीवन और कृषि के प्रति शहरी-केंद्रित दृष्टिकोण को बदलने में कृषि पर्यटन महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। यह शहरी क्षेत्रों के लोगों को खेती की वास्तविकताओं का अनुभव करने, किसानों के सामने आने वाली चुनौतियों को समझने और टिकाऊ कृषि के महत्व की सराहना करने का एक अनूठा अवसर प्रदान करता है। कृषि पर्यटन के सबसे महत्वपूर्ण लाभों में से एक शहरी और ग्रामीण आबादी के बीच की खाई को पाटने की इसकी क्षमता है। शहरों से लोगों को खेतों में लाकर कृषि पर्यटन ग्रामीण जीवन की अधिक समझ को बढ़ावा देता है। पर्यटक कृषि गतिविधियों में भाग ले सकते हैं।

दैनिक
# विश्व परिवार
रायपुर/धर्म समाज/देश
रायपुर, सोमवार 09 सितंबर 2024
www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com


## क्षमाधर्म : पागलपन छोड़ो, क्षमा करना सीखो : आचार्य भी विशुद्ध सागर जी महाराज

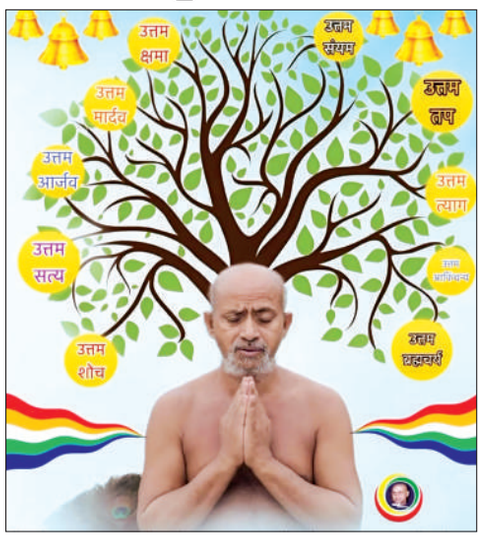


**नांदणी ( विश्व परिवार )।** दिगम्बर जैनाचार्य, अध्यात्मयोगी आचार्य भी विशुद्ध सागर जी गुरुदेव ने श्रावक संयम संस्कार शिविर में पर्युषण महापर्व के प्रथम दिन ज़ क्षमा धर्म पर उद्बोधन देते हुए कहा कि स्वभाव धर्म, है, विभाव अधर्म है। क्षमा अमृत है, क्रोध महा-भयंकर विष है। क्षमा शीतल नीर है, क्रोध अग्नि है। क्षमा धर्म है, अ क्रोध अधर्म है। क्षमा स्वभाव है, क्रोध विभाव है। क्षमाशील के पास आकर सिंह भी शांत बैठ जाता है। क्षमा से शत्रु भी मित्र बन जाता है। किसी को समझाने के राग में स्वयं ना. समझ न बनें।

हमारे द्वारा किसी को कष्ट न हो, हमारे द्वारा हम स्वयं पीड़ित न हो यही क्षमा धर्म है। जब व्यक्ति की इच्छा की पूर्ति न हो, मन चाहा कार्य न हो, इच्छा के विरुद्ध कार्य हो, पर्याप्त नींद न ली हो, अधिक थकावत हो, भूख लगी हो, उस समय व्यक्ति को क्रोध (गुस्सा) आता है। अपने जीवन को कष्टों से बचाना चाहते हो, यशपूर्ण सुखद जीवन जीना चाहते हो, अपयश से बचना चाहते हो, तो भूलकर भी क्रोध मत करो। क्रोध के कारण होने पर भी क्रोध नहीं करना।

क्रोध कलंक है। क्रोध पागलपन है। क्रोध अंधा होना है। क्रोध अनर्थकारी है। क्रोध पाप है। क्रोध अत्याचार है। क्रोध जहर है। क्रोध नरकादि दुर्गति का कारण है। क्रोध अचार है, बैर उसका मुख्वा है। क्षमा शांति का प्याला है। क्षमा शीतल समीर है। क्षमा आनन्द है। क्षमा सुख का साधन है। क्षमा परमामृत है। क्षमा शिवत्व का द्वार है। क्षमा धर्म का आधार है। क्षमा यशस्वी बनाता है।

जियो और जीने दो यही क्षमा है। जीना तुमहारा अधिकार है तो सभी को जीने देना तुम्हारा कर्तव्य है। हम जैसा अपने लिए चाहते हैं, वैसा ही सभी का ध्यान रखें। क्रोध को शांत करो, क्षमा धारण करो। क्षमाभाव ही विश्वशांति का मूल मंत्र है।

**-अभिषेक अशोक पाटील**

## उत्तम क्षमा धर्म : बदला लेने का मजा एक दिन का होता है और क्षमा करने का आनंद पूरे जीवन भर मिलता है : मुनि श्री प्रमाणसागर जी महाराज

**इंदौर ( विश्व परिवार )।** बदला लेने का मजा एक दिन का होता है और क्षमा करने का आनंद पूरे जीवन भर मिलता है। क्रोध मित्र को भी बैरी बना देता है, वहीं क्षमा शत्रुता भुलाकर मित्र बना देती है। उपरोक्त उदगार मुनि श्री प्रमाणसागर जी महाराज ने दिगम्बर जैन समाज के दशलक्षण धर्म की शुरुआत पर प्रथम दिवस उत्तम क्षमा धर्म पर व्यक्त किये। उन्होंने कहा कि कहने को सूरज रोज ऊगता है लेकिन आप लोगों का उत्साह और चहरे की चमक बता रही है आज का सूरज कुछ नया लेकर आया है मुनि श्री ने कहा कि जब जब जीवन में धर्म से जुड़ते हो तो आनंद महसूस होता है साल भर इंतजार करने के पश्चात यह दस दिन धर्म से जुड़ने के लिये आते है, आप सभी को क्रमश:उत्तमक्षमा, मार्दव, आर्जव, शौच, सत्य संयम तप त्याग आकिंचन्य, बृहमचर्य आदि दस धर्मों से अपने आपको अंतरंग से जोड़ना है। उन्होंने क्षमा धर्म की विशेष विवेचना करते हुये कहा कि क्षमा करना और क्षमा मांगना बहूत कठिन है,

मनुष्य चाहे जितना पुण्य करले यदि क्षमा हमारे हृदय नहीं है तो हमारा पूजा पाठ करना व्यर्थ है उन्होंने जीवन व्यवहार तथा रोजमर्रा की घटनाओं को सुनाते हुये कहा कयी बार ऐसी स्थिति सामने आती है कि सामने बाले ने कुछ भी नहीं कहा फिर भी हम विना कारण जाने अनावश्यक भड़क जाते है, क्रोध के सभी कारण उपस्थित होंने पर भी उस व्यक्ति क्षमा करना विरले व्यक्तित्व की निसानी है, वही व्यक्ती क्षमा कर सकता है

जिसके अंदर सहस्णुता, नजरअंदाज, सकारत्मकता का विकास तथा विनोद प्रियता जैसे गुण हों पूज्य गुरुदेव ने हायकू लिखा है कहो न सहो सही परिक्षा यही आपे में रहो मुनि श्री ने सहस्णुता का उदाहरण देते हुये कहा कि जो जितना सहता है वह उतना अधिक क्षमावान बनता है उन्होंने कहा कि मेरे संपर्क में एक सज्जन है जिनकी पत्नी कर्कशा है स्वाध्यायी है तथा शादी के पहले से जुड़ा हुआ है एक दिन वह अपनी पत्नी तथा बच्चे के साथ आया वह मेरे पास तत्व की चर्चा करने में लगा हुआ था अचानक उसकी बच्ची रोने लगी तो उसकी पत्नी वंही से बड़बड़ाने लगी वह मेरे पास से उठकर गया बच्ची को चुप कराया और बापिस आया तो मेंने पूंछा क्या हुआ तो उसने जबाब दिया कि कुछ नहीं कर्मों की निर्जरा कर रहा हूं।दूसरा उदाहरण सहनशीलता का है आप अपने बच्चों की बात को सहन करते हैं कि नहीं तो फिर अपने बुजुर्गों की बात को सहन क्यू नहीं करते बुड़ापा बचपन का पुनरावर्तन है जैसे आप बच्चों की बात को सहन करते है उसी प्रकार वुजुर्गों की बात को भी सहन करना चाहिये तीसरा है नजर अंदाज पागल इंसान यदि आपको गाली देता है तो आप उसको नजरअंदाज करते है जब कभी भी आपके घर में प्रवेश करने पर पति या पत्नी कोई भी क्रोध करे तो उसे पागल समझ नजर अंदाज कीजिये तथा सहन करने की आदत डालने से आपके अंदर सहस्णुता आती चली जाऐगी। मुनि श्री ने आज सामुहिक नियम दिया कोई कुछ भी कह दे हम प्रतिकार नहीं करेंगे प्रवक्ता अविनाश जैन ने बतायाप्रात:काल मंगलाचरण के साथ भगवान का अभिषेक एवं शांतीधारा संपन्न हुई मुख्य अतिथि देश के भामाशाह श्री अशोक पाटनी आर. के. मार्वल एवं प्रतिमाधारी श्रीमति शुशीला पाटनी ने संस्कार शिविर का उदघाटन किया एवं धर्मसभा में आचार्य गुरुदेव श्री विद्यासागरजी महाराज के चित्र का अनावरण कर दीप प्रज्वलित किया इसके साथ ही चातुर्मास के पुण्यार्जक मुकेश पाटौदी मोजूद रहे तथा सभी ने मुनि श्री के पाद प्रछालन का सौभाग्य अर्जित किया इस अवसर पर देश भर से आऐ शिवरार्थिओं से संपूर्ण सभा मंडप खचाखच भरा हुआ था मुनि श्री ने कहा कि धार्मिक शिक्षा के लियै किसी को कोई रोक टोक नहीं है सभी स्थानीय लोग पूजन दृव्य तथा भोजन व्यवस्था को छोड़कर प्रात: भावनायोग से लेकर दशलक्षण विधान दौपहर की तत्वार्थसूत्र की कक्षा तथा सांयकाल के शंकासमाधान कार्यक्रम में भाग ले सकते है। धर्म प्रभावना समिती के अध्यक्ष अशोक डोसी, महोत्सव अध्यक्ष नवीन आनंद गोधा महामंत्री हर्ष जैन सहित मीडिया प्रमुख एवं प्रवक्ता अविनाश जैन तथा राहुल जैन ने यह जानकारी दी। **-अविनाश जैन**

## नैला में दस लक्षण पर्व के साथ प्रारंभ हुई धर्म आराधना

**नैला ( विश्व परिवार )।** भगवान महावीर दिगंबर जैन मंदिर नैला में दसलक्षण धर्म पर्युषण पर्व समारोह में शामिल होने प्रात: से ही जैन समाज के धर्मावलंबी शुद्ध वस्त्र पहनकर जैन मंदिर नैला पहुंचे । प्रात: 7:30 बजे केसरिया ध्वज एवं पचरंगा ध्वज शिखर पर फहराकर पर्युषण पर्व समारोह के मंगल कलश की स्थापना की गई। पांडुक शीला में भगवान महावीर स्वामी की प्रतिमा को विराजमान कर चांदी के कलशो से अभिषेक शांति धारा संपन्न कराई गई। पांडूक शीला में भगवान को विराजमान करने के सौभाग्यशाली परिवार श्री मदन लाल जी लुहाड़िया परिवार, प्रथम चार कलश से अभिषेक करने के सौभाग्यशाली परिवार श्री यंत्र कुमार जी जैन, श्री दिनेश जी जैन, श्री प्रमित जी जैन ,हर्ष पाटनी, रमेश कुमार जी सुमित कुमार जी गोधा, प्रभात जैन, विजय लुहाड़िया, प्रथम शांति धारा डॉक्टर पी सी जैन परिवार, द्वितीय शांति धारा श्री यंत्र कुमार जी अजमेरा परिवार एवं आरती के सौभाग्यशाली परिवार श्री दिनेश जी जैन परिवार रहे। पूरे उत्साह के साथ 46 लोगों के द्वारा शुद्ध वस्त्र पहन कर भगवान का अभिषेक एवं शांति धारा की गई ।अभूतपूर्व उत्साह के साथ नवयुवक मंडल एवं महिला मंडल ने 10 लक्षण धर्म के सभी कार्यक्रम को गरिमामय में संपन्न कराने व्यापक तैयारियां की है। मंदिर प्रांगण को केसरिया कलर के कपड़ों से सजाया गया, स्वागत द्वारा बनाया गया। आज उत्तम क्षमा धर्म पर सभी ने क्रोध न करने एवं भक्ति भाव से 10 दिनों तक पूजा संपन्न करने का संकल्प लिया ।कार्यक्रम संपन्न कराने में महिला मंडल की अध्यक्ष श्रीमती निधि अजमेरा की पूरी टीम एवं नवयुवक मंडल के अध्यक्ष धीरजअजमेरा की पूरी टीम में पूरे तन मन धन से कार्य कर गरिमामय बनाया। जैन समाज नैला के समर्पित सदस्य सुशील कुमार लुहाड़िया के मार्गदर्शन में दस दिवसीय पर्युषण पर्व समारोह भक्ति मय संपन्न कराया जावेगा। **-सुशील जैन**

## कृषि विश्वविद्यालय में किसान दिवस आज, फसल अमृत पर प्रकाश डालेंगे अखिल जैन

**रायपुर ( विश्व परिवार )।** इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय रायपुर, कृषि विकास एवं किसान कल्याण, जैव प्रौद्योगिकी विभाग छत्तीसगढ़ शासन और भारतीय किसान संघ छत्तीसगढ़ प्रांत के संयुक्त तत्वावधान में कृषि के देवता माने जाने वाले भगवान श्री बलराम की जयंती पर 9 सितंबर को किसान दिवस मनाया जाएगा।

कार्यक्रम में मनोहर गौशाला खैरागढ़ के ट्रस्टी अखिल जैन (पदम डाकलिया) को फसल अमृत पर प्रकाश डालने के लिए आमंत्रित किया गया है। फसल अमृत मनोहर गौशाला में बनाई जा रही है और इसे बनाने के लिए निशुल्क प्रशिक्षण दिया जा रहा है। अभी तक 12 राज्यों के 5 लाख से अधिक किसानों ने इसका निशुल्क प्रशिक्षण लिया

है। बता दें कि कृषि महाविद्यालय रायपुर के कृषि मण्डपम में दोपहर 12 बजे से होने वाले कार्यक्रम का शुभारंभ प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय करेंगे। अध्यक्षता कृषि विकास एवं किसान कल्याण और जैव प्रौद्योगिकी मंत्री रामविचार नेताम करेंगे। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता के रूप में भारतीय किसान संघ के अखिल भारतीय संगठन मंत्री दिनेश कुलकर्णी होंगे।

## भव्य सिद्धि शिखर विजयोत्सव की तैयारियां पूर्ण, शामिल होंगे सीएम, डिप्टी सीएम, विधानसभा अध्यक्ष, सांसद और विधायक

### 9 सितंबर को सिद्धि तप के तपस्वियों का इंडोर स्टेडियम में सामूहिक पारणा और बहुमान समारोह

**रायपुर ( विश्व परिवार )।** श्री संभवनाथ जैन मंदिर विवेकानंद नगर में जारी आत्मोल्लास चातुर्मास 2024 में श्री सिद्धि शिखर विजयोत्सव की पावन बेला आ चुकी है। 115 तपस्वियों की 44 दिनों में 4000 से अधिक उपवास की कठिन तप साधना पूर्ण हो गई है। कठिन सिद्धि तप की अंतिम आठवीं बारी का 8 तारीख को ब्यासना हुआ। वही पर्युषण महापर्व में हुई 80 अठाई का पारणा हुआ। 9 सितंबर सोमवार को सुबह 9 बजे तपस्वियों का राजशाही पारणा बुढ़ापारा स्थित इंडोर स्टेडियम में होगा। दोपहर 2 बजे बहुमान समारोह होगा। समारोह में मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय, उपमुख्यमंत्री अरुण साव, विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह, सांसद बृजमोहन अग्रवाल व विधायक राजेश मूणत सहित गणमान्य अतिथि शामिल होंगे।

पर्युषण महापर्व के अंतिम दिन को संवत्सरी महापर्व रूप में मनाया गया। समाज के सभी लोगों ने प्रतिक्रमण कर 84 लाख जीवों से क्षमा याचना की। साथ ही सभी ने आपस में क्षमा याचना कर एक दूसरे से वर्ष भर में जाने अनजाने में की गई भूल और भूलवश भी यदि दिल दुखा हो तो अंतर्मन से क्षमा याचना की। गुरु भगवंतों के द्वारा महाग्रंथ कल्प सूत्र के सार रूपी पवित्र ग्रंथ बारसा सूत्र का वांचन किया गया। ये जैन समाज का सबसे बडा महापर्व है,जिसमें वर्ष भर में किए गए पापों को निर्मल करने का सुनहरा अवसर रहता है।

संवत्सरी और पारणा के साथ श्वेतांबर जैन समुदाय के पर्युषण महापर्व का समापन हुआ। आठ दिनों तक इस महापर्व में प्रतिदिन श्रावकों ने आराधना, उपवास, धार्मिक स्वाध्याय, प्रतिक्रमण जैसी धार्मिक क्रियाएं की। क्षमापना के दिन सभी श्रावकों ने एक-दूसरे से वर्ष भर जाने अनजाने में की गई भूल मन, वचन और काया के लिए व्यक्तिगत और सामूहिक रूप से क्षमा मांगी।

## दशलक्षण महापर्व : पहले दिन वीतराग धर्म का क्षमा लक्षण भक्ति भाव से मनाया, आज मनाएंगें वीतराग धर्म का मार्दव लक्षण

### उत्तम छिमा गहो रे भाई, इह भव जस पर भव सुखदाई...

### 10 दिनों तक दिगम्बर जैन मंदिरों में रहेगी धूम

**जयपुर ( विश्व परिवार )।** दिगम्बर जैन धर्मावलंबियों का दशलक्षण महापर्व रविवार से शुरू हुआ। पहले दिन वीतराग धर्म का पहला लक्षण उत्तम क्षमा भक्ति भाव से मनाया गया। वही सोमवार को वीतराग धर्म का उत्तम मार्दव लक्षण मनाया जाएगा।

राजस्थान जैन युवा महासभा के प्रदेश महामंत्री विनोद जैन कोटखावदा ने बताया कि दिगम्बर जैन मंदिरों में प्रात: श्री जी के अभिषेक, शांतिधारा के बाद दशलक्षण धर्म की विधान मंडल पर अष्ट द्रव्य से पूजा अर्चना की गई। चातुर्मास स्थलों पर संतो ने उत्तम क्षमा पर प्रवचन दिया। जिसमें बताया गया कि %% पीडै दुष्ट अनेक, बांध मार बहुविधि करे। धरिये छिमा विवेक, कोप न कीजै पीतमा।।। उत्तम छिमा गहो रे भाई। इह भव जस पर भव सुखदाई। क्षमा ग्रहण करने से इस भव के साथ अगले जन्म में भी सुख मिलता है। गाली सुनकर भी जिसके हृदय में खेद उत्पन्न न हो वह उत्तम क्षमावान है। क्रोध का अभाव क्षमा है। इसलिए कहा गया है कि क्षमा वीरस्य भूषणम् अर्थात क्षमा वीरों का आभूषण है। अत- मनुष्य को जीवन में कभी भी क्रोध नहीं करना चाहिए। सायंकाल आरती एवं प्रतिक्रमण के आयोजन हुए। श्री जैन के मुताबिक श्री पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र चूलगिरी पर भगवान पार्श्वनाथ के अभिषेक, शांतिधारा के बाद सामूहिक पूजा अर्चना की गई।

मुनि प्रणम्य सागर महाराज- मीरामार्ग के सैक्टर 9 स्थित सामुदायिक केन्द्र पर मुनि प्रणम्य सागर महाराज ससंघ के सानिध्य में दशलक्षण महापर्व मनाया गया।। इस मौके पर दस दिवसीय स्व धर्म श्रावक संस्कार साधना शिविर का शुभारंभ हुआ जिसमें पूरे देश से बड़ी संख्या में श्रद्धालुगण शामिल हुए।

अध्यक्ष सुशील पहाड़िया एवं मंत्री राजेन्द्र सेठी ने बताया कि शिविर में प्रात: 5.00 बजे से रात्रि 8.30 बजे तक आत्म साधना के साथ पूजा भक्ति के विशेष आयोजन किये गये। प्रात: 7.00 बजे श्रेष्ठी अनिल, सुनील, राकेश गंगवाल, शुभम, यश, लक्की गंगवाल ने ध्वजारोहण कर शिविर का शुभारंभ किया। इससे पूर्व प्रात: 5.30 बजे से 7.00 बजे तक अर्हम ध्यान योग कराया गया। वरिष्ठ उपाध्यक्ष सुनील बैनाडा के अनुसार इस मौके पर उत्तम क्षमा धर्म पर मुनि प्रणम्य सागर महाराज के विशेष प्रवचन हुए।

शिविर में तत्वार्थ सूत्र का विधान प्रारंभ हुआ जिसमें सौधर्म इन्द्र मनीष, प्रमेय, सोनम, कुबेर इन्द्र प्रेम देवी, पारस, राजीव, संजय कासलीवाल कुम्हेर वाले, चक्रवर्ती छुट्टन देवी सुशील पहाड़िया ने सौभाग्य प्राप्त किया।

मुनि श्री ने अपने प्रवचन में तत्वार्थ सूत्र के प्रथम अध्याय के 32 सूत्रों का अर्थ व मर्म बताते हुए अर्घ्य समर्पित करवाए। मुनि श्री ने मोक्ष प्राप्ति के उपाय, तत्व और उनका अर्थ, प्रमाण- नय, और 5 ज्ञानो का अर्थ व मर्म समझाया। इससे पूर्व धर्म सभा का दीप प्रज्जवलन व मुनि श्री प्रणम्य सागर महाराज के पाद पक्षालन का पुण्यार्जन व्रती श्राविका प्रतिभा जैन, सुषमा जैन यूएस ए ने प्राप्त किया। प्रतिक्रमण पाठ सहित रात्रि में सांस्कृतिक कार्यक्रम किये गये।

विनोद जैन कोटखावदा के अनुसार में दुर्गापुरा के श्री चन्द्र प्रभू दिगम्बर जैन मंदिर में मुनि पावन सागर महाराज ससंघ के सानिध्य में दशलक्षण महापर्व पूजा की गई। तारो की कूट स्थित श्री शांतिनाथ दिगम्बर जैन मंदिर सूर्य नगर में दशलक्षण महापर्व मनाया गया जिसमें प्रात: अभिषेक, शांतिधारा के बाद उत्तम क्षमा धर्म की पूजा की गई। रात्रि में सांस्कृतिक आयोजन किये गये। जिसमें आरती के बाद धार्मिक अन्ताक्षरी करवाई गई।

श्री जैन के मुताबिक सोमवार 09 सितम्बर को वीतराग धर्म का उत्तम मार्दव लक्षण मनाया जावेगा। प्रात: मंदिरों में अभिषेक, शांतिधारा के बाद दशलक्षण धर्म की पूजा की जावेगी। चातुर्मास स्थलों पर संतो के प्रवचन होगे।

श्री जैन के मुताबिक दशलक्षण महापर्व मंगलवार 17 सितम्बर तक चलेगा। 12 सितम्बर तक पुष्पांजलि व्रत, 17 सितम्बर तक दशलक्षण व्रत किये जायेंगे। इस दौरान धर्म के 10 लक्षणों की पूजा आराधना की जावेगी। प्रतिदिन एक धर्म पर विशेष प्रवचन होगा। 13 सितम्बर को सुगन्ध दशमी मनाई जावेगी।इस दिन मंदिरों में ज्ञान वर्धक तथा संदेशात्मक झांकियां सजाई जावेगी। श्री जैन के मुताबिक 17 सितम्बर को अनन्त चतुर्दशी एवं दशलक्षण समापन कलश होगें। 18 सितम्बर को षोडशकारण समापन कलश एवं पड़वा ढोक क्षमा वाणी पर्व मनाया जावेगा। इस दौरान दिगम्बर जैन मंदिरों में पूजा अर्चना के विशेष आयोजन होगें। **-विनोद जैन कोटखावदा**

## क्रोध के कारण व्यक्ति का विवेक समाप्त हो जाता है : अभिषेक मोदी

**भाटापारा ( विश्व परिवार )।** श्री 1008 आदिनाथ दिगंबर जैन मंदिर में पर्यूषण पर्व महोत्सव धूमधाम से संपन्न हो रहा है. आज पर्युषण पर्व का पहला दिन उत्तम क्षमा धर्म है। सर्वप्रथम भगवान पारसनाथ जी की प्रतिमा मस्तक पर विराजमान कर पांडुक शीला में विराजमान की गई, पांडुक शिला में विराजमान होने के पश्चात आज का प्रथम अभिषेक करने का सौभाग्य प्रकाश आर्नव मोदी को प्राप्त हुआ। सभी भक्तों ने मिलकर भगवान का मंगल अभिषेक किया। उसके पश्चात शांति धारा संपन्न हुई, आज की शांति धारा का सौभाग्य श्री प्रकाश सुमन लता मोदी, श्री आर्नव अभिषेक नेहा मोदी को प्राप्त हुआ। शांतिधारा के पश्चात भगवान की मंगल आरती की गई। मंगल आरती के पश्चात प्रतिमा का मार्जन कर सभी भक्त धूमधाम से भक्ति के साथ श्रीजी की प्रतिमा को लेकर भक्ति नृत्य करते हुए बेदी में विराजमान किया।

आज की मंगल पूजा प्रारंभ हुई सर्वप्रथम देव शास्त्र गुरु की पूजा, सोलहकारण पूजा, रत्नत्रय पूजा, दशलक्षण पूजा, 24 तीर्थंकर का अर्ध महाअर्ध समर्पित पूजा संपन्न की गई।

धर्म सभा को संबोधित करते हुए श्री अभिषेक मोदी ने बतलाया धर्म का पहला लक्षण उत्तम क्षमा है।आत्मा की स्वाभाविक परिणीति का नाम क्षमा है।अपनी आत्मा के स्वभाव में स्थिर हो जाने का नाम क्षमा है।व्यवहार में क्रोध के अभाव को क्षमा कहते हैं।उत्तम क्षमा का मानव जीवन में वही स्थान है जो एक जीव के लिए आत्मा का। जिस प्रकार बिना आत्मा के इस मानव देह का कोई मूल्य नहीं, इस प्रकार क्षमा के बिना आत्मा का भी कोई मूल्य नहीं।क्षमा धर्म वीरों का आभूषण है। जिसने क्रोध पर विजय प्राप्त कर ली वही वास्तव में वीर है। क्रोध क्षमा धर्म का विरोधी है। क्रोध रूपी विभव आपका हृदय में बैठा हुआ है, उसे हटाओ, और उसकी जगह क्षमता को प्रतिष्ठित करो। क्षमता कहीं गई नहीं।क्षमता कहीं से आएगी भी नहीं। वह तो आपकी आत्मा में ही विद्यमान है। अत: क्रोध को छोड़कर क्षमा धर्म को अपनाए। क्रोध ही समस्त अनर्थों की जड़ है।जितना अनर्थ शेर, सर्प, अग्नि, शत्रु, जहर हमारा नहीं करते। उससे कई गुना ज्यादा अनर्थ क्रोध करता है।यह क्रोध विकार उत्पन्न करने में मदिरा का मित्र है, भय उत्पन्न करने में सर्प का प्रतिबिंब है, दूसरों को जलाने में अग्नि का भाई है।और चैतन्य को नष्ट करने में विष वृक्ष के समान हैं।अपनी कुशलता की इच्छा करने वाले कुशल मनुष्यों के द्वारा यह क्रोध जड़ मूल से उखाड़ फेंकने योग्य है। संसार में क्रोध के समान कोई पाप नहीं है। क्रोध के समान कोई शत्रु नहीं है। तथा संसार में जितने अनर्थ होते हैं वह सब क्रोध के ही कारण होते हैं।हमें ऐसे क्रोध को छोड़ देना चाहिए। एक कहावत आती है कम खाना, गम खाना, ना हकीम पर जाना, ना हकीम पर जाना।कम खाओगे तो बीमार नहीं पढ़ोगे और गम खाओगे तो लड़ाई झगड़ा नहीं होंगे।

वकील के चक्कर नहीं काटना पड़ेंगे, क्रोध आत्मा की एक ऐसी विकृति है कमजोरी है जिसके कारण व्यक्ति का विवेक समाप्त हो जाता है। वह भूल जाता है कि वह क्या कर रहा है। क्या करने जा रहा है, और इसका क्या परिणाम निकलेगा। क्रोध आदमी की समस्या है, यह समस्या एक आदमी की नहीं बल्कि हर आदमी की है। क्रोध हिंदू को भी आता है, मुसलमान को भी आता है, ईसाई को भी आता है।शायद ही ऐसा कोई आदमी हो जो क्रोध की समस्या से ग्रसित ना हो, क्रोध जाति पाती को नहीं देखता, छोटे बड़ों को नहीं देखता, अमीर गरीब को नहीं देखता, ज्ञानी मूर्ख को नहीं देखता, क्रोध सबको आता है, क्रोध पक्षपात नहीं करता।

कार्यक्रम में प्रमुख रूप से प्रकाश मोदी, नवीन गदीया, आलोक मोदी, अभिनव, अभिनंदन, अक्षत, सुमन लता, रजनी, नेहा, सुरभि मोदी, अनुराग जैन, अंकुश जैन, संदीप सनत कुमार जैन, पंकज गदीया, नितिन गदीया, नैतिक गदीया, शोभा लाल जी जैन, अरिंजय आदि,अंशु मोदी आदि प्रमुख रूप से उपस्थित थे। **-प्रकाश मोदी**

## आचार्य श्री वर्धमान सागर जी महाराज की हीरक जन्म जयंती 10 सितंबर को

**पारसोला ( विश्व परिवार )।** प्रथमाचार्य चारित्र चक्रवर्ती आचार्य श्री शांति सागर जी महाराज की अक्षुण्ण मूल बाल ब्रह्मचारी पट्टपरंपरा के पंचम पट्टाधीश आचार्य श्री वर्धमान सागर जी घरियाबाद तहसील के पारसोला में 56 वे वर्षायोग हेतु संघ सहित विराजित है। वात्सल्य वारिधि आचार्य श्री वर्धमान सागर ससंघ के सानिध्य में प्रतिदिन धार्मिक अनुष्ठान संपन्न हो रहे हैं। पारसोला जैन समाज द्वारा आगामी 10 सितम्बर को आचार्य श्री के 75 वे अवतरण दिवस को हीरक जन्म जयंती महोत्सव के रूप में मनाया जाएगा। जैन समाज के अध्यक्ष जयंतीलाल कोठारी चातुर्मास समिति के ऋषभ लाल पचौरी, प्रवीण पचौरी ने बताया कि हीरक जन्म जयंती महोत्सव पर 10 सितम्बर को प्रात: 8 बजे पारसोला साबला मुख्य मार्ग पर प्रवासी जैन युवा संगठन कुवैत द्वारा नवनिर्मित वात्सल्य वारिधि प्रवेश द्वार का लोकार्पण होगा। इसके बाद दोपहर में मूलनायक पार्श्वनाथ जैन मंदिर से ससंघ के साथ भव्य शोभायात्रा निकाल कर श्यामा वाटिका पहुँच कर आचार्य श्री के 75 वे अवतरण दिवस पर विनयांजलि व महाअर्चना की जाएगी। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि डॉ मणिइंद्र जैन दिल्ली राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री दिगम्बर जैन महासमिति होंगे। कार्यक्रम में आर के ग्रुप मुम्बई के सतीश देहरा एवं पार्टी द्वारा प्रथमाचार्य श्री शांतिसागर महाराज के भजन का राष्ट्र को समर्पण होगा। रात्रि में आचार्य श्री 75 दीपक से भव्य आरती व भजन संध्या आयोजित होगी । समाजजनों ने बताया कि आचार्य श्री वर्धमान सागर आचार्य श्री शांतिसागर पट्ट परम्परा के वर्तमान में सबसे बड़े पंचम पट्टाधीश आचार्य हैं। इनका हीरक जयंती महोत्सव मनाना पारसोला नगर के लिए गौरव की बात है। हीरक जयंती के लिए तैयारियां जोरों से चल रही है। समाज के युवा वर्ग द्वारा बागड़ एवं मेवाड़ प्रांत के प्रत्येक जैन समाज के लोगों को घर-घर जाकर आमंत्रण पत्रिका वितरित की जा रही है। उल्लेखनीय है कि सन 1990 में खाड़ी देशों में युद्ध के कारण बगड़ प्रांत पारसोला नगर के अनेक समाज जान वहां विपदा कष्ट में आ गए थे आचार्य श्री वर्धमान सागर जी एवं मुनि श्री वीर सागर जी के आशीर्वाद से जब संकल्प पूर्वक जाप करने से विपदा टल गई और सभी समाज जन सुरक्षित भारत आ गए थे संकल्प अनुसार पारसोला में अभी इसी वर्ष आचार्य वर्धमानसागर जी ने नवनिर्मित समवशरण का पंचकल्याणक भव्य रूप से संपन्न कराया। पारसोला निवासी प्रवासी कुवैत के समाज जनों ने गुरु आशीर्वाद के उपकार के फलस्वरुप स्वागत नगर की शोभा भव्य स्वागत द्वार से होती है पारसोला नगर को यह गौरव है कि आचार्य वर्धमानसागर जी का वर्ष 1990 में आचार्य पद इसी नगर में संपन्न हुआ और आचार्य श्री द्वारा प्रथम मुनि और आर्यिका दीक्षा भी इसी पारसोला नगर में दी इस नगर से अनेक दिगंबर संत हुए हैं स्वागत द्वार का लोकार्पण आचार्य श्री की हीरक जन्म जयंती 75 वर्ष पर 10 सितंबर भाद्रपद शुक्ल सप्तमी को संपन्न होगा।

नगर गौरव मुनि श्री धर्मेंद्र सागर जी, मुनि श्री ओम सागर जी, मुनि श्री सक्षम सागर जी, मुनि श्री समप्रतिष्ठित सागर जी, आर्यिका श्री गोम्मटमतीजी, आ श्री पूर्वी मतीजी, आ श्री अभिन्न मतीजी, आ श्री मुदित मति जी, आ श्री संगीतमति जी इस नगर के गौरव रत्न है।

www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com

दैनिक
# विश्व परिवार

बस्तर संभाग

रायपुर सोमवार 09 सितंबर 2024



## संक्षिप्त समाचार

### अवैध शराब बिक्री करने वालों पर कार्यवाही

**राजनांदगांव(विश्व परिवार)।** जिले की चिखली चौकी पुलिस ने अवैध रूप से शराब की बिक्री करने वाले आरोपियों के खिलाफ कार्यवाही करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके पास से 35 पौवा शराब जब्त किया है। मामले में आरोपियों के खिलाफ आबकारी एक्ट के तहत कार्यवाही की गई है। बता दें कि जिला पुलिस ने द्वारा गणेश चतुर्थी में शांति एवं कानून व्यवस्था बनाए रखने हेतु जिले मे अवैध शराब बिक्री व असामाजिक तत्व, गुण्डा बदमाष, और सार्वजनिक स्थानो पर शराब पीने वालो के विरूद्ध अभियान चलाया जा रहा है अभियान कार्यवाही मे दिनांक 06.09.2024 के रात्रि मे मुखबीर की सूचना पर बजरंगपुर नवागांव वार्ड नं. 01 मे अवैध शराब बिक्री करने के अभ्यस्त आरोपी खुबलाल जंघेल पिता प्राणनाथ जंघेल उम्र 45 साल साकिन मोतीपुर वार्ड नं. 08 पुलिस चौकी चिखली को अवैध शराब बिक्री करते मौके पर पकड़ा गया जिसके कब्जे से 20 पौवा देशी मदिरा प्लेन शराब एवं बिक्री रकम 250 रूपये जब्त किया गया। इसी प्रकार दिनांक 07.09.2024 को स्टेशनपारा 16 खोली मैदान के पास से आरोपी मन्हार जांगड़े उर्फ लक्की पिता स्व. विरेन्द्र जांगड़े उम्र 29 साल साकिन 16 खोली स्टेशनपारा पुलिस चौकी चिखली जिला राजनांदगांव छ.ग. पकडा गया जिसके कब्जे से 15 पौवा देशी प्लेन शराब जप्त किया गया। दोनों की मामलों में आरोपियो के विरूद्ध धारा 34(1) आबकारी एक्ट के तहत वैधानिक कार्यवाही किया गया ।

### अवैध पेड़ कटिंग करने के आरोपी पकड़ाए

**गरियाबंद(विश्व परिवार)।** 6 सितंबर को गुप्त सुचना मिलने के आधार पर प्रधान मुख्य वन संरक्षक वन्यप्राणी रायपुर छ.ग. सुधीर अग्रवाल एवं मुख्य वन संरक्षक वन्यप्राणी एवं क्षेत्र संचालक उदंती सीतानदी टायगर रिजर्व रायपुर छ.ग विश्वेश कुमार झा और उपनिदेशक उदंती सीतानदी टायगर रिजर्व गरियाबंद लक्ष्मण सिंह और वरूण जैन भा.व.से. के कुशल मार्गदर्शन में ग्राम-काण्डसर (सोरीपारा) निवासी दुर्पत व.जक्तानंद के द्वारा काण्डसर बीट के कक्ष क्रमांक 1223 में दुर्पत पिता जकतानंद के द्वारा 1 नग गीला सागौन वृक्ष को अवैध रुप से आरी के द्वारा 7 नग लट्ठा बनाया गया जिसमें से 3 नग मौके पड़ा हुआ था और 4 नग लट्ठा को बैलों से घिरीं बनाकर अपने ही खेत (टीकरा) में ले गया था।ऐसा ही आरोपी के द्वारा बताया गया और अवैध रुप से कटाई करना स्वीकार किया गया।परिसर रक्षी काण्डसर कविन्द्र मिश्रा, वनरक्षक के द्वारा दुर्पत पिता जकतानंद जाति-गोंड़ उम्र 21 वर्ष ग्राम काण्डसर के विरुद्ध पी.ओ.आर.13/318, 6 सितंबर के तहत् वन अपराध पंजीबध्द किया गया।विवेचना अधिकरी भुपेन्द्र कुमार सोनी स.प.अ. इंदागांव के द्वारा भा.व.अधिनियम 1927, एवं वन्यप्राणी (संरक्षण) अधिनियम 1972 कि धारा के अनुसार आरोपी को गिरफ्तार कर दण्डाधिकारी देवभोग के समक्ष विचारण हेतु प्रस्तुत किया गया। इस कार्यवाही में गोपाल सिंह कश्यप सहायक संचालक (उदंती) मैनपुर,भूपेन्द कुमार सोनी सहायक परिक्षेत्र अधिकारी इंदागांव,कविन्द्र मिश्रा वनरक्षक परिसररक्षी काण्डसर,रुस्तम यादव वनरक्षक धुरवागुड़ी, हेमन्त कुमार ठाकुर कार्या.सहायक,राधेश्याम यादव, देवीसिंग नेताम,प्रेमलाल पाडे,पुनीत राम ध्रुव, देवीसिंग यादव एवं अन्य सुरक्षा श्रमिकों का विशेष योगदान रहा।

### धूमधाम से मनाई गई गणेश चतुर्थी

**रामानुजगंज(विश्व परिवार)।** नगर में गणेश चतुर्थी धूमधाम से मनाई गई। नगर के सभी वार्डों के दर्जनों सार्वजनिक स्थान एवं सैकड़ो घरों में गणेश प्रतिमा स्थापित कर विधि विधान से पूजा अर्चना की गई। गणेश पूजा को लेकर लोगों में उत्साह देखते बन रहा है बच्चों से लेकर बुजुर्ग तक गणेश भगवान की पूजा अर्चना में लीन है। गौरतलब है कि विगत कुछ वर्षों से गणेश पूजा नगर में विशेष धूम धाम से मनाई जाती है। आज गणेश चतुर्थी को लेकर नगर में रौनक देखते बन रही थी। नगर का ऐसा कोई गली मोहल्ला नहीं था जहां गणेश भगवान की मूर्ति नहीं विराजी हो। गणेश पूजा को लेकर करीब एक माह पूर्व से ही नगर तैयारी में लोग जुट गए थे। गणेश पूजा की भव्यता नगर में देखते बन रही है। विघ्नहर्ता गणेश भगवान की मूर्ति इस वर्ष रिकॉर्ड बिक्री हुई नगर के सैकड़ो घरों में गणेश भगवान की मूर्ति स्थापित की गई है। पुजारी धीरज मिश्रा ने बताया कि भगवान गणेश को सभी प्रकार के विघ्नों को दूर करने वाले माने जाते हैं। गणेश चतुर्थी के दिन पूजा अर्चना करने से सभी प्रकार की बाधाए दूर होती हैं एवं जीवन में सफलता मिलती है। गणेश चतुर्थी को नए कार्य को शुरू करने के लिए शुभ माना जाता है। भगवान गणेश ज्ञान एवं बुद्धि के देवता माना जाता है। शुक्रवार के शाम से देर शाम तक गाजे बाजे के साथ लाई गई गणेश भगवान की मूर्ति....ज नगर में शुक्रवार की शाम से देर शाम तक बाजा गाजे एवं आतिशबाजी के बीच गणेश भगवान की मूर्ति आने का सिलसिला शुरू हुआ सैकड़ो मूर्तियां लोग अपने-अपने घरों में एवं सार्वजनिक स्थानों के लिए लाय। पूरे नगर का माहौल भक्तिमय हुआ।

# धूमधाम से मनाया गया हरियाली तीज का त्योहार

## महिलाओं ने विधि-विधान से किया पूजन, पति की लंबी उम्र की कामना की

**गरियाबंद(विश्व परिवार)।** देश भर में सावन माह के शुक्ल पक्ष की तृतीया तिथि को हरियाली तीज का पर्व मनाया जाता है। वहीं आज गरियाबंद नगर और अंचल में हरियाली तीज का पर्व बड़े ही धूमधाम के साथ मनाया गया। सुहागिन महिलाओं और कुंवारी लड़कियों ने व्रत रखकर भगवान से पार्वती जी की पूजा आराधना की। हरे रंग के वस्त्र आभूषण पहनकर महिलाओं ने हरियाली तीज को बड़े ही उत्साह और उमंग के साथ मनाया।सुहागिन महिलाओं ने अपने पति की लंबी उम्र की कामना की। वहीं, कन्याओं और युवतियों ने व्रत रखकर विधि-विधान से पूजन किया। नगर के वार्ड 14 स्थित सिन्हा निवास पर ग्रुप की महिलाओं धरमीन सिन्हा सुमन लता केला संध्या सोनी, हेमलता सिन्हा,राधिका सिन्हा,लक्ष्मी सिन्हा राधिका सिन्हा पूनम सोनी,रुपाली सोनी,मोहनी सिन्हा रेणुका सिन्हा रश्मि केला रानू वंदना लीना सिन्हा सहित दर्जनों महिलाओं ने हरियाली तीज पर्व मनाते हुए विधि-विधान से भगवान शिव और माता पार्वती की। आराधना करते हुए पति की लंबी आयु की कामना करते हुए सामूहिक रूप से हरियाली तीज गीत गाते हुए मनमोहक नृत्य किया,तो अन्य महिलाओं के साथ झूला डालकर झूला झूले । तीज का पर्व बेहद महत्वपूर्ण है क्योंकि यह पति-पत्नी के रिश्ते को और भी मजबूत बनाता है-लक्ष्मी सिन्हा,,,,,इस मौके पर लक्ष्मी सिन्हा ने कहा कि हरितालिका तीज व्रत को भाद्रपद मास के शुक्ल पक्ष की तृतीया को हस्त नक्षत्र के दिन मनाया जाता है।इस दिन कुमारी और सौभाग्यवती स्त्रियाँ गौरी-शंकर की पूजा करती हैं और भगवान शिव ने पार्वतीजी को उनके पूर्व जन्म का स्मरण कराने के उद्देश्य से इस व्रत के माहात्म्य की कथा कही थी।इस व्रत के पीछे एक पौराणिक कथा को लेकर लक्ष्मी ने बताया कि माता पार्वती ने भगवान शिव को प्राप्त करने के लिए कठोर तपस्या की थी। उनकी तपस्या से प्रसन्न होकर भगवान शिव ने उन्हें पत्नी के रूप में स्वीकार किया था। यह व्रत महिलाओं को अपने पति के साथ जोड़ता है और उनके रिश्ते को मजबूत बनाता है। हरतालिका तीज का यह पावन पर्व विशेष रूप से महिलाओं के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण माना जाता है, क्योंकि यह शिव-पार्वती के विवाह की कथा से जुड़ा हुआ है- संध्या सोनी शास्त्रों कथा के मुताबिक माता पार्वती ने भगवान शिव को पति के रूप में पाने के लिए बहुत लंबे समय तक कठोर तपस्या की थी।

# 5 साल केवल भ्रष्टाचार में लिप्त कांग्रेस,नाकामी का ठीकरा भाजपा पर फोड़ रही है - भाजपा

**जगदलपुर(विश्व परिवार)।** कांग्रेस द्वारा प्रदेश की वर्तमान भाजपा सरकार पर समर्थन मूल्य पर उपार्जित संपूर्ण धान की मिलिंग कराने तथा सुरक्षा एवं रख रखाव में राज्य सरकार के असफल रहने के कारण एक हजार करोड़ से अधिक का धान नष्ट करने का आरोप लगाया गया है। जिस पर भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता संजय पाण्डेय ने कहा कि 5 साल तक किसानों के नाम पर राजनीति कर अपनी जेबे भरने वाली कांग्रेस पार्टी के नेता जनता और किसानों को भ्रमित करने का काम कर रही है। गाय,गोठान और गोबर के नाम पर करोड़ों का भ्रष्टाचार कर अपने चहेतों और करीबियों को लाभ पहुंचानी वाली कांग्रेस पार्टी और उनके नेता अब छत्तीसगढ़ का विकास देखकर बौखला गए हैं। इसलिए जनता को भ्रमित कर तथ्यहीन एवं निराधार आरोप लगा रहे है। संजय पाण्डेय ने बताया कि कांग्रेस ने अपने घोषणा पत्र में दो वर्ष का बकाया धान बोनस देने का वादा किया था लेकिन नहीं दिया। छत्तीसगढ़ में भाजपा की सरकार बनते ही हमने किसानों को दो वर्ष का बकाया बोनस दिया। 3100 रुपए प्रति एकड़ 21 क्विंटल की दर से धान खरीदी की और किसानों को एक मुश्त पैसा भी दिया। इस प्रकार भाजपा सरकार के किसान हितैषी नीतियों एवं सुशासन के कारण राज्य में अब तक सर्वाधिक 144.92 लाख मे. टन धान का उपार्जन किया गया है। वर्तमान भाजपा सरकार के सुदृढ़ नीतियों एवं सुव्यवस्थित भण्डारण, उठाव एवं मिलिंग कार्ययोजना के कारण प्रदेश में उपार्जित 144.92 लाख मे.टन में से 144.50 लाख मे. टन धान का उठाव उपार्जन केन्द्रों से किया जा चुका है। उन्होंने कहा कि उपार्जन केन्द्रों में दिनांक 04.09.2024 की स्थिति में दर्शित शेष अल्प मात्रा 0.41 लाख मे. टन धान भौतिक रूप से उपलब्ध नहीं होने के कारण उठाव हेतु शेष दर्शित है, जो कि कुल उपार्जित मात्रा का लगभग 0.29 प्रतिशत है, जबकि कांग्रेस के शासनकाल के दौरान वर्ष 2019-20 एवं 2020-21 में कमश: लगभग 2.07 एवं 2.94 प्रतिशत सूखत / कमी रहा है। इस प्रकार स्पष्ट है कि वर्ष 2023-24 में रिकार्ड मात्रा में खरीदी उपरांत भी हमारी सरकार ने कांग्रेस की तुलना में ज्यादा अच्छा प्रबंधन किया है। कांग्रेस केवल जनता और प्रदेश के किसानों को भ्रमित करने का काम कर रही है। 5 वर्षों तक रुके विकास कार्यों को आज मुख्यमंत्री विष्णु देव साय जी के नेतृत्व में आज भाजपा सरकार कर रही है। आज भाजपा सरकार के सुशासन में गरीबों को 8 लाख पक्के आवास मिल रहें हैं। जिसे कांग्रेस ने रोक के रखा था।

## कलेक्टर ने स्वच्छता ही सेवा अभियान की तैयारियों पर जिला स्तरीय स्टियरिंग कमेटी की ली बैठक

**गरियाबंद(विश्व परिवार)।** जिले में 14 सितंबर से शुरू होने वाले स्वच्छता ही सेवा अभियान की तैयारियों को लेकर आज कलेक्टर दीपक कुमार ने जिला कार्यालय के सभाकक्ष में जिला स्तरीय स्टीयरिंग कमेटी की बैठक ली।उन्होंने संबंधित अधिकारियों को कहा कि इस अभियान की सफलता के लिए जनसहभागिता सुनिश्चित करे।कलेक्टर अग्रवाल ने बताया कि यह अभियान 2 अक्टूबर तक चलेगा जिसमें जनप्रतिनिधियों,छात्र-छात्राओं और नागरिकों की भागीदारी महत्वपूर्ण होगी।इस अभियान के तहत स्वभाव स्वच्छता,संस्कार स्वच्छता जैसे प्रमुख घटकों को लागू किया जाएगा।इसमें सफाई-मित्रों के लिए विशेष सुरक्षा शिविर आयोजित किए जाएंगे,साथ ही उन्हें शासन की विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं से लाभान्वित किया जाएगा।उन्होंने बैठक में 14 सितंबर से शुरू होने वाले स्वच्छता ही सेवा अभियान में कराये जाने वाले गतिविधियों के संबंध में कार्यक्रम कराये जाने के निर्देश दिये। इस अभियान के दौरान स्वच्छ फूड स्ट्रीट, स्वच्छ भारत कल्चरल फेस्ट,जीरो वेस्ट इवेंट और वेस्ट टू आर्ट जैसी गतिविधियों का आयोजन किया जाएगा। इसके अलावा,स्वच्छता दौड़,साइकिल रैली,मैराथन,मानव श्रृंखला,विशेष ग्राम सभा और स्वच्छता शपथ जैसे कार्यक्रम भी होंगे।उन्होंने कहा कि घर,परिसर,दुकान, कार्यालय आदि जगहों को साफ-सुथरा रखें,साथ ही कहीं भी कूड़ा-कचरा न फेंके।गांव,शहरों में गंदे व कचरे-ढेर जमा स्थानों (ब्लैक स्पॉट) की सफाई करते रहें। इस दौरान जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी रीता यादव ने राज्य शासन से प्राप्त दिशा निर्देश का पालन करने के संबंध में अधिकारियों को विस्तारपूर्वक जानकारी दी।

### नगर में विराजे गजानन, ग्यारह दिनों तक भक्ति में झूमेगा नगर

**गरियाबंद(विश्व परिवार)।** गणेश चतुर्थी हिन्दुओं का एक प्रमुख त्यौहार है जो भाद्रपद शुक्ल चतुर्थी के दिन से सनातन परंपरा के रूप में जिला मुख्यालय सहित ग्रामीण क्षेत्र में मनाया जाता है,इस वर्ष गणेश चतुर्थी उत्सव 7 सितंबर से आरंभ होकर 17 सितंबर को अनंत चतुर्दशी तक संपन्न होगा। पुराणों के अनुसार इसी चतुर्थी को मध्याह्न काल में गणेश का जन्म हुआ था इसलिये मध्याह्न काल में इनकी पूजा का विशेष महत्व माना गया है। गणेश चतुर्थी पर भगवान गणेशजी की पूजा की जाती है।बाल गंगाधर तिलक ने दस दिवसीय गणेशोत्सव सार्वजनिक रूप से मनाने की शुरुआत की थी।तब से आज तक प्रमुख जगहों पर भगवान गणेश की विशाल प्रतिमा स्थापित की जाती है।वैसे तो लोग बड़ी धूमधाम से इस पर्व को मनाते हैं लेकिन यह पर्व महाराष्ट्र में खास तौर से मनाया जाता है।इस दिन घर में गाय के गोबर से बनी गणेशजी की प्रतिमा रखना काफी शुभ माना जाता है।इसके अलावा घर में क्रिस्टल के गणेशजी रखने से वास्तु दोष खत्म हो जाता है।हल्दी से बने गणेश रखने से भाग्य चमकता है।गणेशजी को सभी देवताओं में प्रथम पूजनीय माना गया है।धर्म में जब कोई भी शुभ कार्य होता है तो सबसे पहले गणेश जी की पूजा आराधना की जाती है।गणेश चतुर्थी पर लोग गणेशजी को अपने घर लाते हैं। गणेश चतुर्थी के ग्यारहवें दिन अनंतचतुर्दशी को धूमधाम के साथ उन्हें विसर्जित कर दिया जाता है और अगले साल जल्दी आने की प्रार्थना भी की जाती है।

## कलेक्टर ने स्वच्छता ही सेवा अभियान की तैयारियों पर जिला स्तरीय स्टियरिंग कमेटी की ली बैठक

**गरियाबंद(विश्व परिवार)।** जिले में 14 सितंबर से शुरू होने वाले स्वच्छता ही सेवा अभियान की तैयारियों को लेकर आज कलेक्टर दीपक कुमार ने जिला कार्यालय के सभाकक्ष में जिला स्तरीय स्टीयरिंग कमेटी की बैठक ली। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को कहा कि इस अभियान की सफलता के लिए जनसहभागिता सुनिश्चित करे। कलेक्टर अग्रवाल ने बताया कि यह अभियान 02 अक्टूबर तक चलेगा जिसमें जनप्रतिनिधियों, छात्र-छात्राओं और नागरिकों की भागीदारी महत्वपूर्ण होगी। इस अभियान के तहत स्वभाव स्वच्छता, संस्कार स्वच्छता जैसे प्रमुख घटकों को लागू किया जाएगा। इसमें सफाई-मित्रों के लिए विशेष सुरक्षा शिविर आयोजित किए जाएंगे, साथ ही उन्हें शासन की विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं से लाभान्वित किया जाएगा। उन्होंने बैठक में 14 सितंबर से शुरू होने वाले स्वच्छता ही सेवा अभियान में कराये जाने वाले गतिविधियों के संबंध में कार्यक्रम कराये जाने के निर्देश दिये। इस अभियान के दौरान स्वच्छ फूड स्ट्रीट, स्वच्छ भारत कल्चरल फेस्ट, जीरो वेस्ट इवेंट और वेस्ट टू आर्ट जैसी गतिविधियों का आयोजन किया जाएगा। इसके अलावा, स्वच्छता दौड़, साइकिल रैली, मैराथन, मानव श्रृंखला, विशेष ग्राम सभा और स्वच्छता शपथ जैसे कार्यक्रम भी होंगे। उन्होंने कहा कि घर, परिसर, दुकान, कार्यालय आदि जगहों को साफ-सुथरा रखें, साथ ही कहीं भी कूड़ा-कचरा न फेंके। गांव, शहरों में गंदे व कचरे-ढेर जमा स्थानों (ब्लैक स्पॉट) की सफाई करते रहें। इस दौरान जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी रीता यादव ने राज्य शासन से प्राप्त दिशा निर्देश का पालन करने के संबंध में अधिकारियों को विस्तारपूर्वक जानकारी दी। इस अवसर पर वनमण्डलाधिकारी लक्ष्मण सिंह, अपर कलेक्टर अरविंद पाण्डेय, संयुक्त कलेक्टर नवीन भगत सहित जिला अधिकारी एवं मुख्य नगर पालिका अधिकारी संध्या वर्मा, अशोक सलामे उपस्थित थे।

# नमक को रंगकर खाद के रूप में बेचने वाले चार आरोपी राजस्थान से गिरफ्तार

### राजस्थान की नावा सिटी से पुलिस ने किया गिरफ्तार

**कांकेर(विश्व परिवार)।** कांकेर पुलिस ने नमक को रंगकर खाद बनाकर बेचने वाले गिरोह के चार सदस्यों को राजस्थान के नावा सिटी से गिरफ्तार किया है। वहीं मामले में एक आरोपी फरार है। बता दें कि 2 जुलाई को कृषि विभाग द्वारा पखांजूर में ट्रक क्रमांक आरजी 11 जीबी 9189 से तलाशी के दौरान बरामद खाद का परीक्षण करवाया था जिसमें खाद नकली होना पाया गया था। जिसपर थाना पखांजूर में धारा 318(4),3(5),336(3),338,340(2) बीएनएस, आवश्यक वस्तु अधिनियम की धारा 7 दिनाँक 22/07/2024 को पंजीबद्ध किया गया था जिसमें ट्रक सवार दो आरोपियों अनिमेश घरामी निवासी पीव्ही 23 लखनपुर तथा ट्रांसपोर्टर उस्मान खान निवासी राजस्थान की गिरफ्तारी की गई थी। मामले में पुलिस महानिरीक्षक बस्तर रेंज सुंदरराज पी. उपपुलिस महानिरीक्षक कांकेर के.एल. ध्रुव, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक कांकेर आई. के. एलेसेला के निर्देशन में, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक पखांजूर डॉ. प्रशांत शुक्ला, एसडीओपी पखांजूर रवि कुजूर के पर्यवेक्षण में, थाना प्रभारी पखांजूर लक्ष्मण केवट के मार्गदर्शन में थाना पखांजूर की टीम प्रकरण की विवेचना हेतु राजस्थान भेजी गई थी। विवेचना में यह तथ्य प्राप्त हुए थे कि बरामद अमानक खाद नावा सिटी राजस्थान से परिवहन कर छत्तीसगढ़ लाया गया था। विवेचना के दौरान नमक को रंगकर उसे खाद की बोरी में भरकर खाद के रूप में विक्रय करने वाले गिरोह का भण्डाफोड़ हुआ। इस गिरोह में जैन केम फूड नावा सिटी के मालिक विनोद कुमार जैन, विनय कुमार जैन और उपकार जैन निवासी नावा सिटी जिला डीडवाना राजस्थान अधिक मुनाफे के लिए अपनी फैक्ट्री में नमक को रंगीन बनाकर नकली पोटाश खाद के रूप में तैयार किया जाता था।

### शराब परोसने वाले ढाबा संचालकों पर कार्यवाही

**राजनांदगांव(विश्व परिवार)।** जिले की थाना लालबाग पुलिस ने शराब पिलाने के लिए जगह मुहैया कराने वाले तीन ढाबा संचालकों पर आबकारी एक्ट के तहत कार्यवाही की है। मिली जानकारी के अनुसार पुलिस अधीक्षक राजनादगांव मोहित गर्ग के निर्देश एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक राहुल देव शर्मा तथा नगर पुलिस अधीक्षक पुष्पेन्द्र नायक राजनादगांव के मार्गदर्शन एवं थाना प्रभारी लालबाग नवरत्न कश्यप के नेतृत्व मे थाना लालबाग क्षेत्रांतर्गत अवैध जुआ, सट्टा ,शराब एवम चाकूबाज के विरूद्ध कार्यवाही करने के आदेश पर थाना लालबाग पुलिस द्वारा अभियान चलाकर ढाबा में शराब पिने के लिए जगह मुहैया कराने वाले तीन ढाबा संचालकों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने देवांगन ढाबा के संचालक शंभू लाल देवांगन पिता भरत लाल उम्र 54 पता देवांगन ढाबा पेंड्री थाना लालबाग, भापे जी ढाबा संचालक मोहम्मद हासिम खान पिता नसीर खान उम्र 55 पता वार्ड क्रमांक 09 शंकरपुर चौकी चिखली तथा शेरे पंजाब ढाबा के संचालक सुरजीत सिंह पिता हरभजन सिंह सूदन उम्र 56 वर्ष पता कौरिन भाठा बसंतपुर राजनांदगांव के खिलाफ आबकारी एक्ट के तहत कार्यवाही की है। तीनों अपने अपने ढाबा में शराब पिलाने के जगह मुहैया कराते मिले जिनके खिलाफ़ आबकारी एक्ट की कार्यवाही कर पृथक से प्रतिबंधात्मक कार्यवाही की गई।

## व्यापार समाचार

### स्विगी कंपनी के पूर्व कर्मचारी ने किया 33 करोड़ का घोटाला कंपनी ने लिया बड़ा एक्शन!

**नई दिल्ली( एजेंसी )।** ऑनलाइन फूड डिलीवरी कंपनी स्विगी ने अपने एक पूर्व कर्मचारी पर 33 करोड़ रुपये का घोटाला करने का आरोप लगाया है। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, इस जूनियर कर्मचारी ने पिछले सालों में यह गबन किया। कंपनी की वित्त वर्ष 2024 की सालाना रिपोर्ट से यह जानकारी मिली है। बता दें कि स्विगी अपना इनीशियल पब्लिक ऑफर लाने की तैयारी में है। स्विगी ने इस मामले की जांच के लिए एक बाहरी टीम को नियुक्त किया और उस कर्मचारी के खिलाफ कानूनी शिकायत दर्ज करवाई गई है। कंपनी ने 4 सितंबर को जारी अपनी सालाना रिपोर्ट में कहा, मौजूदा साल के दौरान ग्रुप को अपनी एक सब्सडियरी कंपनी में करीब 32.67 रुपये के गबन का पता चला है। इस राशि को एक पूर्व जूनियर कर्मचारी ने पिछले सालों में गबन किया। रिपोर्ट में आगे कहा गया है, जांच के दौरान मिले तथ्यों की समीक्षा करने के बाद, ग्रुप ने 31 मार्च 2024 को समाप्त हुए वित्त वर्ष के दौरान उपर्युक्त राशि खर्च के रूप में दर्ज किया है। बता दें कि स्2द्वद्दद्4 ने इस साल 26 अप्रैल को गोपनीय मार्ग के जरिए अपने इनीशियल पब्लिक ऑफर के लिए ड्राफ्ट पेपर जमा कराए थे। मनीकंट्रोल ने इस बारे में सबसे पहले खबर दी थी। स्विगी ने अपने इस आईपीओ के जरिए करीब 10,414 करोड़ रुपये जुटाने का लक्ष्य रखा है। इसमें से 3,750 करोड़ रुपये नए शेयर जारी करके जुटाए जाएंगे। वहीं करीब 6,664 करोड़ रुपये का ऑफर-फॉर-सेल लाया जाएगा।

### हेक्सावेयर टेक्नोलॉजीज लिमिटेड ने आईपीओ के जरिए 9,950 करोड़ रुपये जुटाने के लिए सेबी के पास डीआरएचपी दाखिल किया

**नईदिल्ली।** वैश्विक डिजिटल और प्रौद्योगिकी सेवा कंपनी हेक्सावेयर टेक्नोलॉजीज लिमिटेड, जिसके सर्विसेज में,द्ध कोर सेवा है और फॉर्च्यून 500 संगठनों में से 31 सहित विविध प्रकार के इसके ग्राहक हैं, ने आरंभिक सार्वजनिक पेशकश (आईपीओ) के माध्यम से 9,950 करोड़ रुपये जुटाने के लिए पूंजी बाजार नियामक, सेबी के पास डीआरएचपी दाखिल किया है। मुंबई मुख्यालय वाली कंपनी के आईपीओ में प्रमोटर सेलिंग शेयरहोल्डर सीए मैग्नम होल्डिंग्स (कार्लाइल प्राइवेट इक्विटी का एक सहयोगी) द्वारा इक्विटी शेयर्स का पूरा ऑफर फॉर सेल शामिल है। हेक्सावेयर अमेरिका, यूरोप और एशिया-प्रशांत (भारत और मध्य पूर्व सहित) में ग्राहकों को सेवा प्रदान करता है और इसकी वैश्विक डिलीवरी उपस्थिति है जिसमें 16 कार्यालयों द्वारा समर्थित 38 डिलीवरी केंद्र शामिल हैं। 30 जून, 2024 तक, इसके पास 28 देशों में 31,870 कर्मचारियों की एक टीम थी, जिसका नेतृत्व सीईओ और पूर्णकालिक निदेशक श्रीकृष्ण रामकार्तिकेयन कर रहे थे। हेक्सावेयर अपने व्यवसाय को छह परिचालन खंडों - वित्तीय सेवाएँ, स्वास्थ्य सेवा और बीमा, विनिर्माण और उपभोक्ता, हाई-टेक और व्यावसायिक सेवाएँ, बैंकिंग और यात्रा और परिवहन के माध्यम से प्रबंधित करता है।

### सैमसंग 'सॉल्व फॉर टुमॉरो' 2024 ने ग्रैण्ड फिनाले के लिये 10 फाइनलिस्ट टीमों की घोषणा की

**दुर्ग।** सैमसंग इंडिया ने आज अपने प्रमुख सीएसआर प्रोग्राम 'सॉल्व फॉर टुमॉरो 2024' की टॉप 10 टीमों की घोषणा की है। ये टीमें अब ग्रैंड फिनाले में अपने अनूठे आइडियाज को सैमसंग और उद्योग के प्रमुख लीडर्स की जूरी के सामने पेश करेंगी। इन टीमों का चयन देश के दूर-दराज के इलाकों से हुआ है, जैसे असम के गोलाघाट और कामरूप, राजस्थान के झालावाड़, कर्नाटक के उडुपी और छत्तीसगढ़ के बिलासपुर। इससे इस प्रोग्राम की व्यापक क्षेत्रीय पहुँच का पता चलता है। ये फाइनलिस्ट्स एक कड़ी चयन प्रक्रिया से गुजरे, जिसमें सैमसंग जूरी के सामने कई राउंड्स में पिच प्रेजेंटेशन देना और सैमसंग फाउंडेशन फॉर इनोवेशन एण्ड टेक्नोलॉजी ट्रांसफर (एफआईटीटी)] आईआईटी दिल्ली के विशेषज्ञों से मार्गदर्शन पाना शामिल था। इन 20 टीमों को प्रोटोटाइप बनाने के लिए हर टीम को 20,000 रुपये का अनुदान दिया गया। इसके अलावा, यूथ ट्रैक की टीमों को सैमसंग गैलेक्सी लैपटॉप्स और स्कूल ट्रैक की टीमों को गैलेक्सी टैब्स मिले।

### विदेशी मुद्रा भंडार 2.3 अरब डॉलर बढ़कर 683.98 अरब डॉलर के रिकॉर्ड स्तर पर

**मुंबई( एजेंसी )।** देश के विदेशी मुद्रा भंडार में लगातार तीसरे सप्ताह जबरदस्त वृद्धि देखी गई है। इन तीन सप्ताह में यह लगभग 14 अरब डॉलर बढ़ चुका है। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार, गत 30 अगस्त को समाप्त सप्ताह में विदेशी मुद्रा भंडार 2.299 अरब डॉलर बढ़कर 683.987 अरब डॉलर पर पहुंच गया। यह अब तक का ऐतिहासिक उच्चतम स्तर है। इससे पहले 16 अगस्त को समाप्त सप्ताह में विदेशी मुद्रा भंडार 4.546 अरब डॉलर और 23 अगस्त को समाप्त सप्ताह में 7.023 अरब डॉलर बढ़ा था। इस प्रकार तीन सप्ताह में इसमें 13.868 अरब डॉलर की वृद्धि दर्ज की गई है। आरबीआई ने बताया कि 30 अगस्त को समाप्त सप्ताह में विदेशी मुद्रा भंडार का सबसे बड़ा घटक फॉरेन करेंसी एसेट्स 1.485 अरब डॉलर की बढ़ोतरी के साथ 599.037 अरब डॉलर पर पहुंच गया। इस दौरान, स्वर्ण भंडार 86.2 अरब डॉलर बढ़कर 61.859 अरब डॉलर हो गया। विशेष आहरण अधिकार (एसडीआर) 90 लाख डॉलर की वृद्धि के साथ 18.468 अरब डॉलर पर रहा।

# श्रीलंका के खिलाफ पोप के शतक पर ब्रॉड का रिएक्शन

**नई दिल्ली( एजेंसी )।** बेन स्टोक्स की जगह इंग्लिश टेस्ट टीम की कमान संभाल रहे कार्यवाहक कप्तान ओली पोप इन दिनों कड़ी आलोचना का शिकार हुए। श्रीलंका के खिलाफ ओवल टेस्ट के दौरान भी उन पर काफी दबाव था, क्योंकि उनके बल्ले से रन भी नहीं आ रहे थे। लेकिन तीसरे मैच के पहले दिन पोप ने अपने आलोचकों को करारा जवाब देते हुए अपने घरेलू मैदान पर नाबाद 103 रन बनाए, जो लंबे प्रारूप में इंग्लैंड के लिए उनका सातवां शतक था । इस तरह मेजबान टीम ने एक छोटे से दिन में 221/3 रन का मजबूत स्कोर




बनाया। पूर्व तेज गेंदबाज स्टुअर्ट ब्रॉड ने कहा कि इस टेस्ट से पहले पोप के बारे में जो बातें हो रही थीं, वे अब खत्म हो जाएंगी, क्योंकि दाएं हाथ के बल्लेबाज ने शानदार शतक जड़ा है। ब्रॉड ने स्काई स्पोर्ट्स क्रिकेट से कहा, मुझे लगता है कि जब आप फॉर्म या लय के लिए संघर्ष कर रहे हों, तो घरेलू मैदान खोई हुई लय वापस हासिल करने का शानदार मंच होता है। यहां पोप अच्छी बल्लेबाजी करते हैं। यहां उसका औसत 80 है, वह इन परिस्थितियों में बहुत शानदार है। अगर वह कहीं भी बल्लेबाजी करना चाहते, तो इन परिस्थितियों में भी, वह ओवल में ही बल्लेबाजी करते। वह अपनी पहली 20 या 30 गेंदों तक बहुत आक्रामक रहे और फिर उन्होंने जम कर खेलना शुरू कर दिया। ऐसा लगता है कि वह खुद को फ्रंटफुट पर आने के लिए मजबूर कर रहे हैं और फिर उन्होंने कुछ बाउंड्री लगाई। वह उच्च गुणवत्ता वाले खिलाड़ी हैं, खूबसूरत शॉट खेलते हैं और जब आप उनके जैसे बल्लेबाजों को गेंदबाजी करते हैं तो आपको शुरुआत से ही सटीक गेंदबाजी करनी होगी। एक बार जब वह मैदान में जम जाते हैं तो वह आसानी से रन बनाएंगे। पूर्व कप्तान नासिर हुसैन ने भी पोप की तारीफ की, जिन्होंने दबाव के समय में भी उनका साथ दिया। हुसैन ने कहा, उन्होंने गर्मियों की शुरुआत अच्छी की, लेकिन अब वे थोड़ा पीछे रह गए हैं। मुझे उनका खेल पसंद है और यहां, वे खुद को और अधिक आगे की ओर धकेल रहे थे, और रक्षात्मक रूप से बेहतर स्थिति में थे।

## इंग्लिश टीम को लगा बड़ा झटका, इस साल क्रिकेट नहीं खेल पाएंगे मार्क वुड

**लंदन( एजेंसी )।** इंग्लैंड और वेल्स क्रिकेट बोर्ड ने शुक्रवार को एक बयान में बताया कि तेज गेंदबाज मार्क वुड दाएं कोहनी की चोट के कारण शेष वर्ष के लिए बाहर हो गए हैं। वुड श्रीलंका के खिलाफ पहले टेस्ट के दौरान चोटिल हुए थे और सीरीज के दूसरे और तीसरे टेस्ट बाहर थे। मेडिकल स्कैन से पता चला है कि वुड की दाहिनी कोहनी में चोट है। ईसीबी ने कहा कि गर्मियों की शुरुआत में वेस्टइंडीज के खिलाफ टेस्ट सीरीज के दौरान मार्क वुड को अपनी कोहनी में अकड़न और तकलीफ महसूस हुई थी। वुड ने मैनचेस्टर के ओल्ड



ट्रैफर्ड में श्रीलंका के खिलाफ पहले टेस्ट के दौरान गेंदबाजी के दौरान परेशानी का सामना किया था। ईसीबी ने कहा, उस टेस्ट मैच के दौरान वुड को दाहिनी जांघ में भी चोट लगी थी, जिसका इलाज किया जा रहा है और वह इससे अच्छी तरह से उबर रहे हैं। बयान में बताया गया कि वुड अपने रिहैब पर ईसीबी मेडिकल टीम के साथ मिलकर काम करना जारी रखेंगे। वह अक्टूबर में पाकिस्तान और दिसंबर में न्यूजीलैंड के आगामी टेस्ट दौरे का भी हिस्सा नहीं होंगे। वुड इंग्लैंड क्रिकेट बोर्ड की मेडिकल टीम के साथ जुड़े रहेंगे और उनकी पूरी कोशिश होगी कि वह अगले साल की शुरुआत में भारत के सीमित ओवरों के दौरे से पहले फिट हो जाएं। क्योंकि इस दौरे के ठीक बाद चैंपियंस ट्रॉफी का भी आयोजन होना है। हालांकि, आत्मविश्वास से लबरेज वुड को जल्द मैदान पर लौटने की पूरी उम्मीद है।

## खिताबी मुकाबले में सिनर से भिड़ेंगे फ्रिट्ज

**न्यूयॉर्क( एजेंसी )।** टेलर फ्रिट्ज अब संयुक्त राज्य अमेरिका के पुरुष ग्रैंड स्लैम एकल चैंपियन के लिए 21 साल के सूखे को समाप्त करने से सिर्फ एक जीत दूर हैं। 12वें वरीय खिलाड़ी ने शुक्रवार को अपने करीबी दोस्त और साथी अमेरिकी फ्रांसेस टियाफो को 4-6, 7-5, 4-6, 6-4, 6-1 से हराकर यूएस ओपन में अपने पहले प्रमुख फाइनल में प्रवेश किया। ग्रैंड स्लैम जीतने वाले आखिरी अमेरिकी पुरुष खिलाड़ी एंडी रॉडिक थे, जिन्होंने 2003 में फ्लशिंग मीडोज में जीत हासिल की थी। अब, फ्रिट्ज खिताब जीतने के लिए रविवार को शीर्ष वरीयता प्राप्त जानिक सिनर का सामना करेंगे। एटीपी के अनुसार, 26 वर्षीय फ्रिट्ज के लिए फाइनल तक का सफर चुनौतीपूर्ण रहा, वे मॉन्ट्रियल और सिनसिनाटी में एटीपी मास्टर्स 1000 इवेंट में सिर्फ एक जीत के साथ टूर्नामेंट में आए। लेकिन उन्होंने 2009




में विंबलडन में रॉडिक के बाद ग्रैंड स्लैम फाइनल में पहुंचने वाले पहले अमेरिकी पुरुष के रूप में इतिहास रच दिया। टियाफो के खिलाफ मैच उतार-चढ़ाव भरा रहा, जिसमें फ्रिट्ज बेसलाइन रैलियों को नियंत्रित करने के लिए संघर्ष कर रहे थे। न्यूयॉर्क की भीड़ से उत्साहित और अपनी पहचान बनाने के लिए दृढ़ संकल्पित टियाफो तीसरे सेट को जीतने के बाद नियंत्रण में दिखे। हालांकि, फ्रिट्ज ने संयम बनाए रखा और चौथे सेट में देर से टियाफो को ब्रेक मिला, जिससे फैसले के लिए निर्णायक सेट में मुकाबला हुआ। पांचवें सेट में, फ्रिट्ज ने जल्दी से नियंत्रण हासिल किया, जिससे उन्हें शुरुआती ब्रेक हासिल हुआ। हालाँकि उन्होंने कुछ समय के लिए डबल-ब्रेक एडवांटेज को खो दिया, लेकिन उन्होंने अपना ध्यान फिर से हासिल किया और अंतिम 34 में से 25 अंक जीतकर तीन घंटे और 18 मिनट में जीत हासिल की। फ्रिट्ज ने कहा, मैंने खुद से कहा कि इसमें बने रहो और जितना संभव हो सके स्कोरबोर्ड पर दबाव बनाओ। पूर्व पेशेवर टेनिस खिलाड़ी कैथी मे और जी फ्रिट्ज के बेटे फ्रिट्ज ने इस पल की महत्ता पर विचार किया। यही कारण है कि मैं जो करता हूं, वही करता हूं, यही कारण है कि मैं इतनी मेहनत करता हूं। मैं यूएस ओपन के फाइनल में हूं। उन्होंने रोते हुए कहा, यह एक सपना सच होने जैसा है, और मैं इसके लिए अपना सबकुछ देने जा रहा हूं।

# निवेश योग्य बाजारों के सूचकांक में चीन को पछाड़कर शीर्ष पर पहुंचा भारत

**मुंबई (एजेंसी)।** भारत ने एमएससीआई द्वारा उभरते बाजारों के लिए जारी निवेश योग्य बाजार सूचकांक में चीन को पछाड़ कर शीर्ष स्थान हासिल कर लिया है। दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था वाला देश ओवरऑल सूचकांक में भी चीन को पीछे छोड़ सकता है। एमएससीआई एक अमेरिकी वित्तीय कंपनी है जो यह सूचकांक जारी करती है। उभरते बाजारों की श्रेणी में 24 देशों को शामिल किया गया है और 3,355 बड़ी, मझौली तथा छोटी कंपनियों के आंकड़ों के आधार पर सूचकांक तैयार किया गया है। ये कंपनियां सभी 24 देशों में कुल फ्री फ्लोट-एडजस्टेड बाजार पूंजीकरण के लगभग 99 प्रतिशत



को कवर करती हैं। वैश्विक ब्रोकरेज फर्म मॉर्गन स्टेनली ने एक नोट में कहा कि सूचकांक भार में वृद्धि ज्यादा उत्साह का संकेत हो सकता है या फ्री-फ्लोट में सुधार और भारतीय कंपनियों की बढ़ती सापेक्ष आय जैसे मूलभूत कारकों के कारण हो सकती है। ब्रोकरेज ने कहा, भारत के मामले में बुनियादी कारक निश्चित रूप से लागू होते हैं और इस हद तक, उभरते बाजार क्षेत्र में भारत की नई स्थिति चिंताजनक नहीं है। साथ ही उसने कहा कि उभरते बाजार क्षेत्र में भारत उसकी शीर्ष प्राथमिकता बना हुआ है और एशिया-प्रशांत क्षेत्र में दूसरी पसंद है। नोट के अनुसार, बाजार में गिरावट के लिए कई संभावित ट्रिगर हैं, लेकिन वे भारतीय इक्विटी में तेजी पर ब्रेक लगाने के लिए पर्याप्त नहीं हैं। सूचकांक में भारत के प्रदर्शन के चरम पर पहुंचने से पहले कुछ और दूरी तय करनी पड़ सकती है। बाजार विश्लेषकों ने कहा कि भारतीय अर्थव्यवस्था का प्रदर्शन लगातार अच्छा बना हुआ है और वृहद आर्थिक स्थिति में सुधार हो रहा है। वित्त वर्ष 2025 में अप्रैल-जून की पहली तिमाही में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) में 47 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। दूसरी ओर, ब्रेंट क्रूड की कीमतों में लगातार गिरावट के साथ अब इसके 73 डॉलर प्रति बैरल से नीचे आने के संकेत मिल रहे हैं। वित्तीय स्थिरता है और अर्थव्यवस्था में विकास की गति मजबूत बनी हुई है।

## पेरिस पैरालंपिक : होकाटो होतोजे ने जीता मेडल, पीएम मोदी ने दी बधाई

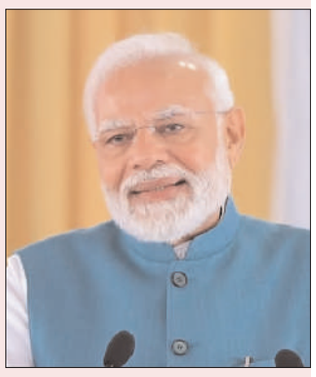

**नई दिल्ली( एजेंसी )।** पेरिस पैरालंपिक 2024 में भारतीय खिलाड़ियों का शानदार प्रदर्शन जारी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को कांस्य पदक जीतने पर होकाटो होतोजे सेमा को बधाई दी और खेल के प्रति उनके दृढ़ संकल्प की सराहना की। होकाटो ने शनिवार को पुरुषों की शॉटपुट एफ57 स्पर्धा के फाइनल में 14.65 मीटर की थ्रो के साथ भारत के लिए



कांस्य पदक हासिल किया, जो उनका व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन था। प्रधानमंत्री ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स अकाउंट पर पैरालंपियन की उपलब्धि पर गर्व व्यक्त करते हुए इसे देश के लिए गर्व का क्षण बताया। पीएम मोदी ने पोस्ट में लिखा, हमारे देश के लिए यह गर्व का क्षण है। होकाटो ने पुरुषों की शॉटपुट एफ57 में कांस्य पदक जीता है! उनकी अविश्वसनीय ताकत और दृढ़ संकल्प असाधारण है। उन्हें बधाई। आगे के प्रयासों के लिए शुभकामनाएं। गृह मंत्री अमित शाह ने भी पैरालंपियन की उपलब्धि की सराहना करते हुए उन्हें बधाई दी। गृह मंत्री ने अपने एक्स अकाउंट पर लिखा, होकाटो सेमा ने पैरालंपिक 2024 में पुरुषों की शॉट पुट एफ57 स्पर्धा में कांस्य पदक जीतकर एक बड़ी उपलब्धि हासिल की है। आपके अटूट प्रयास और शानदार प्रदर्शन ने देश को गौरवान्वित किया है।

## शब्द सामर्थ्य -170

(भागवत साहू)

**बाएं से दाएं**
1. संबंध, लगाव, नाता, काम 2. सिसकने की आवाज, सीत्कार 4. आग की ज्वाला, दहक 5. दियासलाई 7. प्रतिकार, प्रतिशोध 8. बाबुल की दुआएं लेती जा... गीतवाली बलराज साहनी, मनोजकुमार, राजकुमार, वहीदा की फिल्म 11. करतल ध्वनि 13. आपसी व्यवहार का संबंध, वास्ता 15. वचन, जीभ 16. रोगियों को स्वस्थ और मृतकों को जीवित कर देने वाला 17. एक सुंदर फूलदार वृक्ष 19. पत्नी, बीवी 20. मसालेदार सुगंधित सुरती।

**ऊपर से नीचे**
1. उचित, उपयुक्त, जायज 2. किवाड़ को अंदर से बंद करने लगा छड़, चटखनी 3. मांस के अत्यंत छोटे टुकड़े 4. माथा, मस्तक 6. कटोरी के आकार का नलीदार पात्र जिसमें तंबाकू रखकर पीते हैं 9. रेखा 10. खून से लथपथ 11. छिपकर बुरी नजर से ताकने की क्रिया, रह रहकर ताकने की क्रिया 12. व्यापार, धंधा 13. श्रृंगार करना, साजन 14. श्रवणइंद्रीय 16. सीमा, हद 18. चमड़ा, चाम 19. बोझ, दबाव।

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 1 | | | | 2 | | 3 | | |
| | | 4 | | | | 5 | 6 | |
| 7 | | | | | | | | |
| | | | | 8 | 9 | | | 10 |
| 11 | | | 12 | | | | | |
| | | 13 | | 14 | | | | |
| | | 15 | | | | 16 | | |
| 17 | 18 | | | | 19 | | | |
| | | | | 20 | | | | |

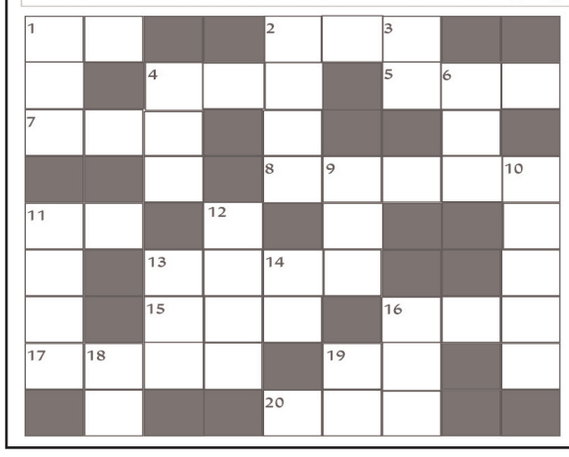

**शब्द सामर्थ्य क्रमांक 169 का हल**

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| मै | दा | न | | स | र | ग | म | |
| त्री | | सी | | | क्षा | | धु | र्रा |
| | सा | ह | स | | | | र | |
| स्वा | ग | त | | स | म | झौ | ता | |
| व | र | | | र | | | | म |
| लं | | वि | ला | स | | | दा | म |
| बी | न | | ज | | सा | मा | न | ता |
| | ज | | वा | हि | या | त | | |
| त | र | की | ब | | ना | | खा | ली |

## सू- दोकू क्र.170

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | 7 | | | | 1 | | 3 | |
| 1 | | 9 | | | | 5 | | |
| | | | 3 | | | | 1 | |
| | | 5 | | | | | | 3 |
| 3 | | | | | 2 | | 5 | |
| | | | | 3 | | | | 2 |
| | 4 | | | | | | 7 | |
| 7 | | 8 | | 1 | | 6 | | |
| | 6 | | 7 | | 9 | | | 1 |

**नियम**
1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गो का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक र सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

**सू-दोकू क्र.169 का हल**

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 5 | 2 | 4 | 9 | 6 | 7 | 8 | 1 | 3 |
| 3 | 6 | 7 | 4 | 1 | 8 | 2 | 9 | 5 |
| 8 | 1 | 9 | 3 | 2 | 5 | 4 | 6 | 7 |
| 6 | 3 | 5 | 1 | 9 | 4 | 7 | 2 | 8 |
| 7 | 9 | 8 | 5 | 3 | 2 | 6 | 4 | 1 |
| 2 | 4 | 1 | 7 | 8 | 6 | 5 | 3 | 9 |
| 4 | 5 | 3 | 6 | 7 | 9 | 1 | 8 | 2 |
| 9 | 8 | 6 | 2 | 5 | 1 | 3 | 7 | 4 |
| 1 | 7 | 2 | 8 | 4 | 3 | 9 | 5 | 6 |

दैनिक
# विश्व परिवार
महानगर

www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com

रायपुर, सोमवार 09 सितंबर 2024

## कवर्धा जिले में चलेगा 'आपके द्वार आयुष्मान' अभियान

**रायपुर (विसं)।** कवर्धा जिले में स्वास्थ्य योजनाओं से लोगों को लाभान्वित करने 'आपके द्वार आयुष्मान' 09 सितम्बर से 23 अक्टूबर 2024 तक संचालित किया जाएगा। इसके लिए जिला प्रशासन द्वारा सभी आवश्यक तैयारियां कर ली हैं। कबीरधाम जिले में 74 प्रतिशत आयुष्मान कार्ड पंजीयन किया जा चुका है। बचे हुए लगभग 26 प्रतिशत राशन कार्डधारी व्यक्तियों के आयुष्मान कार्ड पंजीयन कराया जाएगा।



## सिटीजन फैक्ट्री आउटलेट के एक्सक्लूसिव शोरूम का भव्य शुभारंभ

**रायपुर (विश्व परिवार)।** रायपुर के मालवीय रोड स्थित बीएल प्लाजा, बाबूलाल टॉकीज मे बाबूलाल परिवार के नवीन वेंचर सिटीजन फैक्ट्री आउटलेट का भव्य शुभारंभ दिनांक 7 सितंबर 2024 को हुआ।

शोरूम के संचालक ऋषि जैन, सचिन जैन, मयंक जैन, अचिन जैन, प्रांजल जैन ने बताया कि सिटीजन मुंबई बेस्ड कंपनी है जिसके मैनेजिंग डायरेक्टर नरेश भाई बंथिया हैं, कंपनी का उद्देश्य भारत को अंब्रेला और बैग उत्पादन के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाना है, जिससे विदेशी इंपोर्ट से बचा जा सके, कंपनी के सारे प्रोडक्ट 100 प्रतिशत मेड इन इंडिया हैं।

बता दे कि कंपनी का रायपुर में भारत का दूसरा फैक्ट्री आउटलेट लॉन्च हुआ है जहां कंपनी के सारे प्रोडक्ट जिसमें छाते, स्कूल बैग्स,डफल बैग्स, ट्रौली बैग्स, लैपटॉप बैग्स, केविन बैग्स आदि सभी प्रकार के बैग्स की एक्सक्लूसिव वेराइटी उचित दाम पर उपलब्ध है।

## सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने भूतपूर्व छात्रों और शिक्षकों को किया सम्मानित

### विद्यार्थियों में शिक्षा के साथ चरित्र निर्माण पर ध्यान दें शिक्षक : बृजमोहन अग्रवाल

**रायपुर (विश्व परिवार)।** शिक्षा समाज के विकास और प्रगति का आधार है, और इसमें शिक्षकों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण होती है। शिक्षक न केवल ज्ञान प्रदान करते हैं, बल्कि छात्रों के व्यक्तित्व का निर्माण करते हैं और उन्हें समाज का जिम्मेदार नागरिक बनने के लिए प्रेरित करते हैं। शिक्षकों के मार्गदर्शन से ही विद्यार्थी अपने लक्ष्यों को प्राप्त कर सकते हैं और समाज में सकारात्मक योगदान दे सकते हैं।

यह बात रायपुर सांसद श्री बृजमोहन अग्रवाल ने शिक्षक दिवस के अवसर पर रविवार को उच्चतर माध्यमिक विद्यालय खो खो पारा, पुरानी बस्ती में आयोजित शिक्षक एवं भूतपूर्व छात्र सम्मान समारोह में कही।

उन्होंने कहा कि हमारे धर्म और संस्कृति में शिक्षा को बहुत उच्च स्थान दिया गया है, और इसे मंदिर की तरह पवित्र माना जाता है। शिक्षा को ज्ञान का स्रोत माना गया है, जो व्यक्ति के जीवन को सही दिशा देने के साथ-साथ उसके चरित्र निर्माण और समाज में सकारात्मक बदलाव लाने में सहायक होती है। इसलिए, शिक्षक और शिक्षा को हमारे धर्म में विशेष सम्मान और आदर दिया गया है, और शिक्षण स्थल को ज्ञान का मंदिर कहा जाता है। जिसके बेहतर बनाने के लिए हम सभी को अपना बहुमूल्य योगदान देना चाहिए। शिक्षकों को विद्यार्थियों की शिक्षा के साथ ही उनके चरित्र निर्माण पर भी जोर देना चाहिए। 100 साल से भी पुराने इस स्कूल अनेकों परिवारों की कई पीढ़ियों ने शिक्षा ग्रहण किया और एक ऊंची मंजिल हासिल की है। जो यहां के विद्यार्थियों के लिए भी गर्व की बात है। मुख्य अतिथि बृजमोहन अग्रवाल ने शिक्षकों और भूतपूर्व छात्रों को सम्मानित करते हुए उन्हें भी स्कूल के उन्नयनिकरण में सहयोग देने की अपील की। बृजमोहन अग्रवाल ने स्कूल में शेड निर्माण के लिए 10 लाख रुपए देने की घोषणा की साथ ही 30 लाख रुपए से बनने वाले स्मार्टक्लास, लाइब्रेरी और कंप्यूटर लैब के निर्माण को जल्द शुरू करने के निर्देश दिए।

## रामकृष्ण केयर हॉस्पिटल द्वारा फ्रंटलाइन फ्यूजन- छत्तीसगढ़ इमरजेंसी मेडिसिन एवं ट्रॉमा सिंपोज़ियम 2024 का आयोजन

**रायपुर (विश्व परिवार)।** रामकृष्ण केयर हॉस्पिटल के इमरजेंसी मेडिसिन और ट्रॉमा विभाग द्वारा 7 और 8 सितंबर 2024 को रायपुर में फ्रंटलाइन फ्यूजन, छत्तीसगढ़ इमरजेंसी मेडिसिन और ट्रॉमा सिंपोज़ियम 2024 का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम एक अनूठा इमरजेंसी सिंपोज़ियम है, जिसे छत्तीसगढ़ में किसी अस्पताल द्वारा पहली बार आयोजित किया गया है, जिसमें प्रभावी सत्र एवं पैनल के माध्यम से इमरजेंसी मेडीसिन एवं ट्रामा विषय पर महत्वपूर्ण चर्चाएं आयोजित की जा रही हैं।

हॉस्पिटल के रोजमर्रा के कार्यों में फ्रंटलाइन इमरजेंसी मेडिसिन योद्धाओं की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण होती है। यह सम्मेलन न केवल इमरजेंसी मेडिसिन के फ्रंटलाइन योद्धाओं को शिक्षित करने का उद्देश्य रखता है, बल्कि भविष्य के डॉक्टरों को भी जानकारी देने के लिए है, क्योंकि इसमें मेडिकल छात्रों से लेकर योग्य इमरजेंसी डॉक्टरों तक ने भाग लिया है। ट्रॉमा से लेकर हार्ट अटैक तक की जानकारी और चिकित्सा प्रक्रिया से संबंधित सत्र इस सम्मेलन के मुख्य आकर्षण हैं।

यह कार्यक्रम डॉ. अब्बास नक़वी (आयोजन अध्यक्ष), डॉ. संतोष सिंह (आयोजन सचिव और प्रमुख, इमरजेंसी और ट्रॉमा), डॉ. ऋचा कश्यप (सह-सचिव, कंसल्टेंट, इमरजेंसी और ट्रॉमा) और डॉ. अपूर्वा चौधरी (जूनियर कंसल्टेंट, इमरजेंसी और ट्रॉमा) के सक्षम मार्गदर्शन में आयोजित किया जा रहा है।

दो दिवसीय इस शैक्षणिक आयोजन में देशभर के प्रतिष्ठित वक्ताओं और रायपुर व छत्तीसगढ़ के अग्रणी इमरजेंसी और क्रिटिकल केयर कंसल्टेंट्स ने भाग लिया। अब तक इस कार्यक्रम में 800 से अधिक प्रतिभागियों का पंजीकरण हो चुका है, जो इसकी व्यापकता को दर्शाता है। कार्यक्रम के उद्घाटन पर बोलते हुए रामकृष्ण केयर हॉस्पिटल के प्रबंध निदेशक और मेडिकल डायरेक्टर, डॉ. संदीप दवे ने कहा, इस तरह के सिंपोज़ियम का उद्देश्य कंसल्टेंट्स को इस तरह तैयार करना है कि वे इमरजेंसी विभाग में आने वाले प्रत्येक मरीज की जान बचाने के लिए तत्पर रहें।

डॉ. संतोष सिंह, प्रमुख, इमरजेंसी और ट्रॉमा विभाग, रामकृष्ण केयर हॉस्पिटल, ने कहा कि यह पहली बार है जब रायपुर में इस प्रकार का सिंपोज़ियम आयोजित किया जा रहा है। इस कार्यक्रम का उद्देश्य आधुनिक इमरजेंसी रूम में प्राप्त ज्ञान को प्रतिभागियों के साथ साझा करना है, ताकि सामूहिक रूप से वे अपने प्रयासों को उन्नत कर सकें और जीवन बचाने में योगदान दे सकें।

## रायपुर में नुआखाई पर्व की धूम, विधायक पुरन्दर मिश्रा ने दी शुभकामनाएं

**रायपुर (विश्व परिवार)।** राजधानी रायपुर के शंकर नगर, गायत्री नगर स्थित जगन्नाथ मंदिर में धूमधाम से मनाया गया नुआखाई पर्व। रायपुर उत्तर विधायक एवं जगन्नाथ सेवा समिति के अध्यक्ष पुरन्दर मिश्रा के नेतृत्व में पत्रकार साथियो एवं दर्शन करने आये आम जनमानस के साथ भगवान श्री जगन्नाथ जी का पूजा अर्चना कर धूम धाम से नुआखाई पर्व मनाया गया।

विधायक पुरन्दर मिश्रा ने नुआखाई की जानकारी देते हुए बताया कि नुआखाई ओड़िशा का प्रमुख लोक-पर्व है। यह पर्व पश्चिम ओड़िशा के सीमावर्ती छत्तीसगढ़ में भी मनाया जाता है। छत्तीसगढ़ के गरियाबंद, महासमुन्द, रायगढ़, जशपुर, धमतरी सहित बस्तर संभाग के कुछ जिले भी इनमें शामिल हैं, जहाँ पड़ोसी राज्य की तरह उत्कल संस्कृति से जुड़े लाखों लोग इसे पारम्परिक रीति-रिवाजों के साथ उत्साह से मनाते हैं। नुआखाई भाद्रपद शुक्ल पंचमी के दिन मनाया जाता है। ''नुआखाई'' का शाब्दिक अर्थ है ''नया खाना'' (नुआ=नया, खाई=खाना)। खेतों में खड़ी नई फसल के स्वागत में यह मुख्य रूप से ओड़िशा के किसानों और खेतिहर श्रमिकों द्वारा मनाया जाने वाला पारम्परिक त्यौहार है, लेकिन समाज के सभी वर्ग इसे उत्साह के साथ मनाते हैं। लोग 'नुआखाई जुहार' और 'भेंटघाट' के लिए एक-दूसरे के घर आते-जाते हैं। पहले यह त्यौहार भादों के शुक्ल पक्ष में अलग-अलग गाँवों में अलग-अलग तिथियों में सुविधानुसार मनाया जाता था।

गाँव के मुख्य पुजारी इसके लिए तिथि और मुहूर्त तय करते थे, लेकिन अब नुआखाई का दिन और समय सम्बलपुर स्थित जगन्नाथ मंदिर के पुजारी तय करते हैं। इस दिन गाँवों में लोग अपने ग्राम देवता या ग्राम देवी की भी पूजा करते हैं। नुआखाई के एक दिन पहले नये धान की बालियों के साथ चुड़ा (चिवड़ा ), मूंग और परसा पत्तों और पूजा के फूल खरीद लिए जाते हैं। रमईदेव ने लोगों के जीवन में स्थायित्व लाने के लिए उन्हें स्थायी खेती के लिए प्रोत्साहित करने की सोची और इसके लिए धार्मिक विधि-विधान के साथ नुआखाई पर्व मनाने की शुरुआत की। कालान्तर में यह पश्चिम ओड़िशा के लोक जीवन का एक प्रमुख पर्व बन गया। नये धान के चावल को पकाकर तरह-तरह के पारम्परिक व्यंजनों के साथ घरों में और सामूहिक रूप से भी ''नवान्हभोज'' (नवान्नभोज) यानी नये अन्न का भोज बड़े चाव से किया जाता है। सबसे पहले आराध्य देवी-देवताओं को भोग लगाया जाता है। प्रसाद ग्रहण करने के बाद ''नुआखाई'' का सह-भोज होता है।

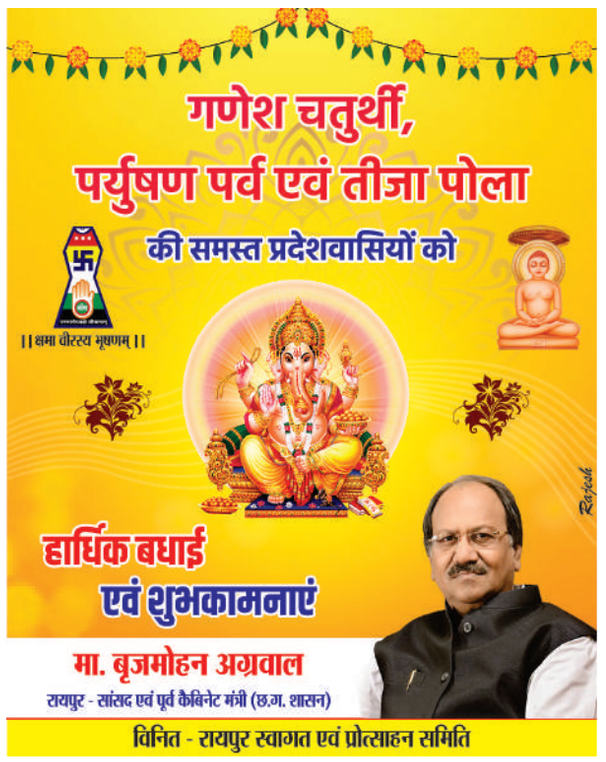


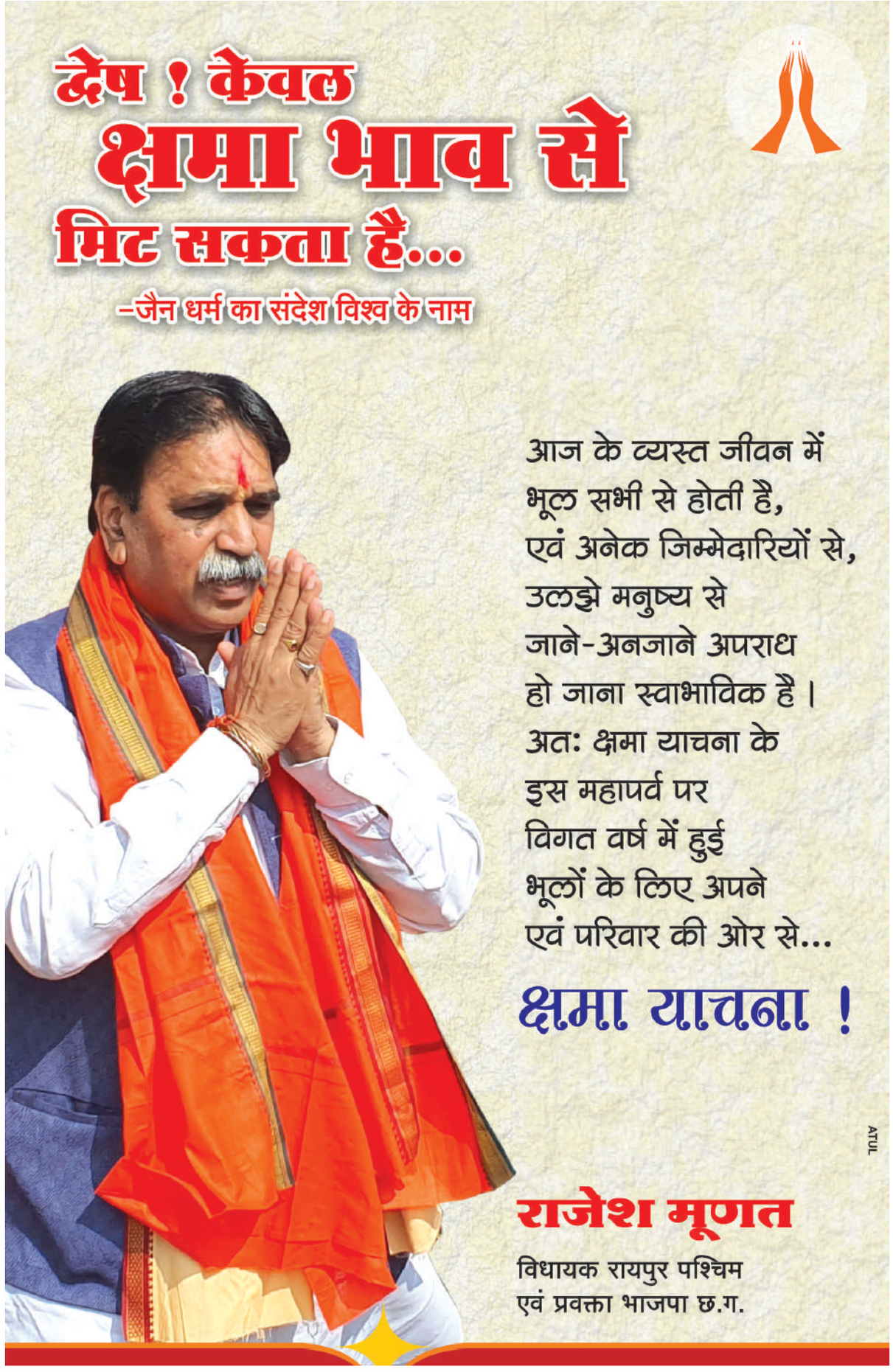

प्रकाशक, मुद्रक, स्वामी प्रियेश कुमार जैन द्वारा मे. विश्व परिवार इंडस्ट्रीज, प्लॉट नं.-421 सेक्टर-सी, सड़क नं.-7 उरला इंडस्ट्रीयल एरिया उरला, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित एवं ओलंपस जिम के पीछे, सेक्टर-1, शंकर नगर रायपुर (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक : प्रदीप कुमार जैन, फोन नं. : 0771- 4017966, मो.- 9981924252 RNI.NO.CHHHIN/2013/50354